स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

# स्वतंत्र भारत

कानपुर, मंगलवार
22 जुलाई, 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष 12
सं. 2082 वि.
वर्ष 36, अंक - 330 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने फिर जताई शाति वार्ता की इच्छा

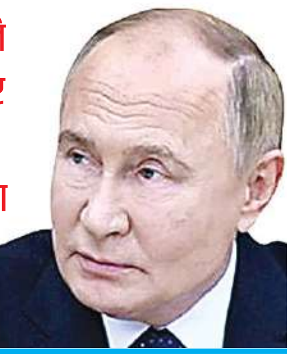

# उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ का इस्तीफा

## स्वास्थ्य का दिया हवाला, राष्ट्रपति को सौंपा त्यागपत्र

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धनखड़ ने अपने इस्तीफे में लिखा, 'मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए और डॉक्टरों की सलाह का पालन करते हुए भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। यह इस्तीफा संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार है।

मैं भारत की माननीय राष्ट्रपति को हार्दिक धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मुझे लगातार सहयोग और एक शांतिपूर्ण कार्य संबंध प्रदान किया। यह मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव रहा।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं माननीय प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद का भी आभार प्रकट करता हूं। प्रधानमंत्री का सहयोग मेरे लिए बेहद मूल्यवान रहा है और मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनसे बहुत कुछ सीखा है। धनखड़ ने कहा, मुझे माननीय सांसदों से जो स्नेह, विश्वास और अपनापन मिला, वह मेरे लिए सदा अमूल्य रहेगा और मेरी स्मृति में अंकित रहेगा। मैं इस महान लोकतंत्र में उपराष्ट्रपति के रूप में मिले अमूल्य अनुभवों और ज्ञान के लिए अत्यंत आभारी हूं।' उन्होंने आगे लिखा कि इस महत्वपूर्ण कालखंड में भारत की अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति और असाधारण विकास का साक्षी बनना और उसमें सहभागी होना मेरे लिए गर्व और संतोष की बात रही है। हमारे राष्ट्र के इस परिवर्तनकारी युग में सेवा करना मेरे लिए एक सच्चा सम्मान रहा है। जब मैं इस प्रतिष्ठित पद को छोड़ रहा हूं, तो मैं भारत के वैश्विक उत्थान और उसकी अद्भुत उपलब्धियों पर गर्व से भर जाता हूं, और उसके उज्ज्वल भविष्य में मेरी पूर्ण आस्था है। भारत के उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल से धनखड़ की तस्वीर को हटा दिया गया है। पिछले महीने उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे पर गए थे। कुमाऊं विश्वविद्यालय में कार्यक्रम खत्म होने के बाद उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई थी। मौके पर चिकित्सकों की टीम ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया था। जिसके बाद वह राज्यपाल गुरमीत सिंह के साथ राजभवन को रवाना हो गए थे। इससे पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि ईश्वर की कृपा रही तो वह अगस्त, 2027 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का पांच साल का कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त हो रहा है। पेशे से वकील धनखड़ उपराष्ट्रपति चुने जाने से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे।

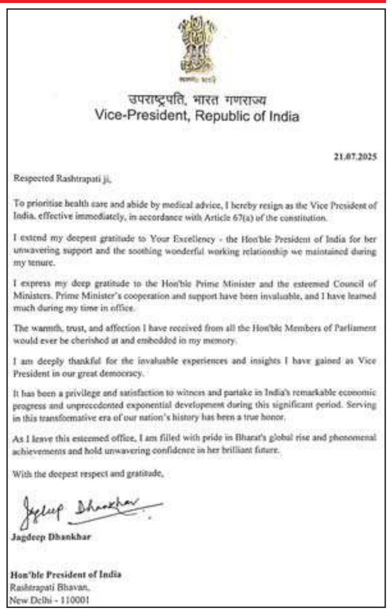
उपराष्ट्रपति, भारत गणराज्य
Vice-President, Republic of India

21.07.2025

Respected Rashtrapati ji,

To prioritise health care and abide by medical advice, I hereby resign as the Vice President of India, effective immediately, in accordance with Article 67(a) of the constitution.

I extend my deepest gratitude to Your Excellency - the Hon'ble President of India for her unwavering support and the soothing wonderful working relationship we maintained during my tenure.

I express my deep gratitude to the Hon'ble Prime Minister and the esteemed Council of Ministers. Prime Minister's cooperation and support have been invaluable, and I have learned much during my time in office.

The warmth, trust, and affection I have received from all the Hon'ble Members of Parliament would ever be cherished at and embedded in my memory.

I am deeply thankful for the invaluable experiences and insights I have gained as Vice President in our great democracy.

It has been a privilege and satisfaction to witness and partake in India's remarkable economic progress and unprecedented exponential development during this significant period. Serving in this transformative era of our nation's history has been a true honor.

As I leave this esteemed office, I am filled with pride in Bharat's global rise and phenomenal achievements and hold unwavering confidence in her brilliant future.

With the deepest respect and gratitude,

Jagdeep Dhankhar

Hon'ble President of India
Rashtrapati Bhavan,
New Delhi - 110001

18 मई 1951 को झुंझुनू जिले में साधारण किसान परिवार में पैदा हुए जगदीप धनखड़ की शुरुआती शिक्षा गांव में हुई। फिर उनका एडमिशन सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ में करवाया गया। धनखड़ का एनडीए (नेशनल डिफेंस एकेडमी) में सिलेक्शन हो गया था, लेकिन वो गए नहीं। उन्होंने राजस्थान यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। इसके बाद एलएलबी की पढ़ाई की। जयुपर में ही रहकर वकालत शुरू की थी। जगदीप धनखड़ को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 30 जुलाई 2019 को बंगाल का 28वां राज्यपाल नियुक्त किया था। वे 1989 से 1991 तक राजस्थान के झुंझुनू से लोकसभा सांसद रहे। 1989 से 1991 तक वीपी सिंह और चंद्रशेखर की सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे।

# ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में हंगामा

**नई दिल्ली।** संसद मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार हो गई है। अगले हफ्ते इस मुद्दे पर लोकसभा में 16 और राज्यसभा में 9 घंटे बहस होगी। हालांकि विपक्ष

- सरकार ने कहा इस पर चर्चा के लिए तैयार
- खड़गे बोले-पहलगाम आतंकी नहीं पकड़े गए, जवाब दें
- सरकार ने की उच्चस्तरीय बैठक

का कहना है कि चर्चा सत्र के शुरुआत में होनी चाहिए और पीएम मोदी जवाब दें।

इधर, सत्र के पहले दिन राज्यसभा-लोकसभा में पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा हुआ। विपक्ष ने इन मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी की। दिनभर में लोकसभा 4 बार स्थगित हुई, जिसके बाद शाम 4 बजे सदन को मंगलवार 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में इंटेलिजेंस फेलियर हुआ। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- देश में ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि सरकार पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा नहीं करना चाहती। हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के सभी प्वाइंट्स को देश के सामने रखा जाएगा। उधर, संसद भवन में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई मंत्री शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक संसद सत्र को लेकर आयोजित की गई थी, जिसमें सत्र की रूपरेखा, विधायी एजेंडा और विपक्ष से संभावित रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

## 'दल हित में मत भले न मिले, पर देश हित में मन जरूर मिले'

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन के बाहर मीडिया से बात की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की स्थिति से रू-बरू कराने के

- मोदी ने की विपक्षी नेताओं की तारीफ

लिए दुनिया के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों की सराहना की। इन प्रतिनिधिमंडलों ने आतंकवादियों के आका पाकिस्तान को बेनकाब करने में अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'देश ने एकता की ताकत देखी है। इसलिए सदन के सभी सांसदगण इसे ताकत दें, इसे आगे बढ़ाएं और मैं निश्चित तौर पर कहूंगा कि हर राजनीतिक दल का अपना एजेंडा होता है, अपनी भूमिका होती है, लेकिन मैं इस सच्चाई को स्वीकार करता हूं कि दल हित में मत भले न मिले, लेकिन देश हित में मन जरूर मिले...।' इससे पहले पीएम मोदी ने कहा कि मानसून सत्र एक विजय उत्सव है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सैन्य शक्ति और क्षमता का प्रदर्शन हुआ। पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल किया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सशस्त्र बलों ने 22 मिनट के भीतर आतंकवाद के आकाओं को उनके घरों में घुसकर मारा, उनके ठिकानों को मलबे में तब्दील कर दिया।

## 'मैं विपक्ष का नेता, फिर भी मुझे बोलने नहीं दे रहे'

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे और स्थगन के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का नेता होने के बावजूद उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने की इजाजत है, लेकिन विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं, बोलना मेरा अधिकार है, मुद्दे उठाना मेरा काम है, लेकिन वे मुझे बोलने नहीं दे रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक नया तरीका अपना रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन से चले गए। अगर वह अनुमति दें तो चर्चा हो सकती है, लेकिन मुद्दा यह है कि परंपरा कहती है कि अगर सरकार के नेताओं को बोलने की अनुमति है, तो हमें भी जगह दी जानी चाहिए। हम बोलना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई।

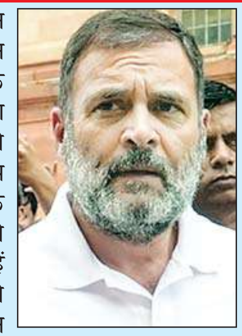

## अहमदाबाद विमान हादसे पर बोले नागरिक उड्डयन मंत्री

# एअर इंडिया हादसे की जांच शुरू, नौ नोटिस जारी

**नई दिल्ली।** एअर इंडिया की उड़ान एआई-171 के अहमदाबाद में हुए हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। यह जानकारी नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में दी।

- नियमों के तहत ही जांच हो रही

उन्होंने बताया कि यह जांच एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक की तरफ से एअरक्राफ्ट (हादसों और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 के नियम 11 के तहत शुरू की गई है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि इस हादसे के पीछे क्या कारण रहे। 12 जून 2025 को एअर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस भीषण हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक शामिल था। जबकि हादसे वाली जगह पर मौजूद 19 अन्य स्थानीय लोग भी इस हादसे में मारे गए हैं। वहीं इस हादसे पर एएआईबी की तरफ से प्रारंभिक रिपोर्ट 12 जुलाई 2025 को जारी की गई थी। हालांकि, अभी जांच पूरी नहीं हुई है और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट का सभी को इंतजार है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले छह महीनों में उस विमान से जुड़ी कोई तकनीकी खराबी या भरोसेमंद जानकारी में नकारात्मक रुझान सामने नहीं आया है। यह बात एअर इंडिया की ओर से दायर भरोसे की रिपोर्टों के आधार पर कही गई है। राज्य मंत्री ने राज्यसभा में यह भी बताया कि पिछले छह महीनों में एअर इंडिया को कुल नौ शो-कॉज नोटिस जारी किए गए हैं।

# 2006 मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट के सभी 12 आरोपी बरी

मुंबई। मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वान्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए।

11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सबर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे। खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था। पुलिस ने चार्जशीट में बताया था कि मार्च 2006 में लश्कर-ए-तैयबा के आजम चीमा ने अपने बहावलपुर स्थित घर में सिमी और लश्कर के दो गुटों के मुखियाओं के साथ इन धमाकों की साजिश रची थी।

# जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू

**नई दिल्ली।** न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। दिल्ली में मौजूद उनके आवास से जली हुई नकदी के बंडल मिलने के बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को उनके

- लोकसभा में 145, राज्यसभा में 63 सांसदों ने दिया नोटिस

खिलाफ नोटिस सौंपे हैं। यशवंत वर्मा को इस विवाद के बाद दिल्ली हाई कोर्ट से वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया है।लोकसभा में 145 सांसदों ने एक साथ मिलकर न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए नोटिस दिया है। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी, भाजपा के रविशंकर प्रसाद और अनुराग ठाकुर, कांग्रेस के केसी

वेणुगोपाल और के सुरेश, एनसीपी-एसपी की सुप्रिया सुले, डीएमके के टीआर बालू, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर जैसे कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं।राज्यसभा में भी 63 सांसदों ने यही मांग उठाते हुए नोटिस दिया है। कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने बताया कि आम आदमी पार्टी और विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों ने भी इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद भले ही सोमवार को मौजूद नहीं थे, लेकिन वे भी इस मुद्दे पर साथ हैं और जल्द ही अपने हस्ताक्षर जमा करेंगे।

**क्या है संवैधानिक प्रक्रिया?**

न्यायाधीश को हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत प्रक्रिया तय की गई है। लोकसभा में कम से कम 100 और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। अगर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति दोनों नोटिस को स्वीकार करते हैं, तो एक जांच समिति बनाई जाती है। इस समिति में एक वरिष्ठ सुप्रीम कोर्ट जज, एक हाई कोर्ट के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश और एक प्रख्यात कानून विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

# 'हमें मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें'

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जमकर लताड़ लगाई और ईडी के कथित राजनीतिक रूप से इस्तेमाल होने को लेकर तीखी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सीएम की पत्नी के खिलाफ दायर ईडी की याचिका को खारिज कर दिया और

- सुप्रीम कोर्ट की ईडी को लताड़
- कर्नाटक सीएम की पत्नी को दी राहत

कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। इस पर खुशी जताते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि आखिरकार न्याय हुआ और मुडा मामले का भी अंत हो गया है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने ईडी की याचिका पर सुनवाई की। ईडी ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उच्च न्यायालय ने कर्नाटक सीएम की पत्नी पार्वती के

खिलाफ मुडा घोटाले में कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी। ईडी की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि श्रीमान राजू, कृपया हमें अपना मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें। वर्ना हमें ईडी के खिलाफ कुछ कड़े शब्दों का इस्तेमाल करना पड़ेगा। दुर्भाग्य से, मुझे महाराष्ट्र में इसे लेकर कुछ अनुभव है। इसे पूरे देश में मत फैलाइए। राजनीतिक लड़ाई को मतदाताओं के सामने लड़ने देना चाहिए, उसमें आप क्यों इस्तेमाल हो रहे हैं। अदालत ने ईडी की याचिका खारिज कर दी और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा।

# बांग्लादेश वायुसेना का विमान कॉलेज परिसर में गिरा, 20 की मौत

**ढाका।** बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 170 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है। नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट के अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद सईदुर रहमान ने बताया कि वायुसेना का विमान माइलस्टोन कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

# आठवें वेतन आयोग में नियुक्तियां अभी नहीं

**नई दिल्ली।** आठवें वेतन आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति कब होगी, केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद की कार्यवाही के दौरान यह जवाब दे दिया है। जवाब भी ऐसा मिला है कि जिसमें कोई तय समय सीमा या निर्धारित तिथि नहीं बताई गई। सवाल पूछा गया था कि क्या केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन को अधिसूचित किया गया है, जिसकी घोषणा जनवरी 2025 में गई थी।

# आगरा धर्मांतरण गिरोह का सरगना दिल्ली से गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के आगरा में पुलिस ने बड़े पैमाने पर अवैध धर्मांतरण कराने वाले एक

- 1990 में किया था धर्म परिवर्तन
- बड़ी मात्रा में धार्मिक पुस्तकें बरामद
- अब तक 11 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

गिरोह का भंडाफोड़ करने के तीन दिनों के भीतर मामले से जुड़े एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार

आरोपी को गिरोह का सरगना बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान के रूप में हुई है। पुलिस ने इससे पहले शनिवार को गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह राज्यों से 10 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया था। पुलिस ने बताया कि अवैध धर्मांतरण के मामले के संबंध में पकड़ा गया 11वां आरोपी अब्दुल रहमान मूल रूप से फिरोजाबाद का रहने वाला है और उसे दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। आगरा के पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया, पकड़ा गया आरोपी अब्दुल रहमान अवैध धर्मांतरण गिरोह का सरगना है। गिरोह में शामिल लोग उसे रहमान चचा के नाम से बुलाते हैं।

**अब्दुल रहमान ने 1990 में किया था धर्म परिवर्तन**

पुलिस आयुक्त ने बताया, अब्दुल रहमान ने 1990 में धर्म परिवर्तन किया था और उसके बाद दिल्ली चला गया। अब्दुल से पहले गिरोह का सरगना कलीम सिद्दीकी था। 2021 में राज्य पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने कलीम सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था और 2024 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी।

## मुख्यमंत्री योगी का ऐतिहासिक फैसला

# पूर्वी पाकिस्तान से आए परिवारों को मिलेगा भूमि पर हक

**स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं।

**बीजेपी सरकार लोकतांत्रिक नहीं, तानाशाही ढंग से काम कर रही, माता प्रसाद पांडेय बोले-प्रदेश में कानून का राज नहीं**

उन्नाव- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विवादित बयान लातों के भूत बातों से नहीं मानते को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ऐसी भाषा तानाशाही मानसिकता की परिचायक है। लोकतंत्र में इस तरह की सोच नहीं चल सकती। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि जो लोग इस तरह की सोच रखते हैं, वे सामंती मानसिकता के होते हैं। मुख्यमंत्री को लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना चाहिए, न कि धमकी भरे भाषा का इस्तेमाल। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। लेकिन धरातल पर लोकतंत्र और संविधान के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं।

## जुए के फड़ पर छापेमारी, नगदी समेत तीन जुवाडी गिरफ्तार

**नवाबगंज उन्नाव** चैकी क्षेत्र के सेरसा गांव में बीती रात पुलिस ने जुए के अड्डे पर छापेमारी कर नगदी सहित तीन जुवाडियो को गिरफ्तार किया है। सेरसा गांव में शराब ठेके के पीछे काफी समय से जुए का अड्डा संचलित था। जहाँ आस पास गावो के जुवाड़ी आकर प्रतिदिन हजारों का दांव लगाते थे। जिसकी शिकायत कई बार गांव के लोगो ने पुलिस से भी की, लेकिन कोई कार्यवाई नही हुई। बीती रात पुलिस को अड्डे पर जुआ होने की सूचना मिली। कोतवाली व चैकी पुलिस ने अड्डे को चारों तरफ से घेर कर छापेमारी कर दी,और नगदी सहित तीन जुवाडियो को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया पकड़े गये जुवाडियो में नरेन्द्र कुमार पुत्र मैकूलाल निवासी मदुखेड़ा देवेन्द्र कुमार पुत्र मुरारी सिरसा अनिल पुत्र छेदी लाल निवासी गुरु सहाय खेड़ा है । फड़ से 11000 रुपये व जामा तलासी में 600 रुपये व तास के पत्ते बरामद हुये है।

## ट्रैक्टर और स्कूली मैजिक में टक्कर, बच्चे घायल

**फतेहपुर उन्नाव-** चैरासी स्कूली मैजिक और ट्रैक्टर की हुई टक्कर में बच्चों को चोटें आई है,वहीं एक बाइक सवार भी घायल हो गया। कालीमिट्टी शिवराजपुर मार्ग पर सोमवार को कदियांपुर गांव के सामने तेज रफ्तार स्कूली मैजिक की टक्कर मक्का भरे ट्रैक्टर से हो गई।मैजिक में सवार कई बच्चों को हल्की चोटें आई है।वहीं मैजिक के बच्चों को घटनास्थल से किनारे किया गया और दूसरे वाहन से घर भेजा गया।घायल बच्चों में अर्थव और अनुभव को चोटें आई है।इसके साथ साथ कई बच्चों का इलाज निजी अस्पताल इलाज में किया गया।वहीं मैजिक और ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार राजेश निवासी कानपुर भी घायल हो गया।सूचना पर पहुंची पीआरवी ने दोनों वाहनों को थाने भेजा दिया है।वहीं मैजिक का प्रदूषण खत्म हो चुका है और ट्रैक्टर का बीमा नहीं है, ट्रैक्टर कालीमिट्टी स्थित क्रय केंद्र से मक्का लेकर बांगरमऊ जा रहा था।एआरटीओ प्रवर्तन प्रतिभा ने बताया कि यदि उधर चेकिंग करने जाऊंगी यदि मैजिक दिखी तो चालान कर दूंगी। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है।तहरीर मिलने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

## वरिष्ठ अधिवक्ता उस्मान चैधरी के निधन के उपरांत शोकसभा का आयोजन

**उन्नाव** दीवानी के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में शुमार चैधरी उस्मान अहमद का रविवार सुबह निधन हो गया था। सोमवार को अधिवक्ताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसदौरान अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। बार एसोसिएशन सभागार में सुबह करीब 10.30 बजे शोकसभा का आयोजन किया गया। इसदौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने कहा कि चै. उस्मान अहमद सरल स्वभाव के धनी व ज्ञानी अधिवक्ता थे। वह सभी की मदद करते थे, कई ऐसे मुकदमें थे जिसमें उन्होंने आपसी सुलह समझौतों के जरिए फरियादियों को न्याय दिला दिया। ऐसे में उनका निधन विधि जगत के लिए अपूर्ण क्षति है। इसके बाद दोपहर करीब 1.50 बजे फुल कोट रेफरेंस का आयोजन किया गया। इसमें जिला जज वाणी रंजन समेत अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। इसदौरान न्यायिक अधिकारियों व बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चै. उस्मान अहमद के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और मृत आत्मा की शांति के लिए मौन रखा। इसदौरान अकबर अहमद, मो. फैज खान, वैभव शुक्ला, बार एसोसिएशन महामंत्री अनुज बाजपेई, पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष राम सुमेर सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, पूर्व महामंत्री अजय गौतम, रश्मि मोहन, सूर्यप्रकाश गुप्ता समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

## महिला की हत्या के आरोप में दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

**उन्नाव** न्यायालय ने महिला की हत्या करने के दो आरोपियों को अभियोजन पक्ष की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी ठहराया है। न्यायाधीश ने दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर निवासी सुशील ने पांच जुलाई 2021 को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 27 साल पहले सोहरामऊ थानाक्षेत्र के हिम्मतगढ़ गांव निवासी रामलली के साथ हुई थी। शादी से उसके तीन बच्चे ज्योती, काजल व कृष्णा हैं। शादी के कुछ साल बाद आपसी मनमुटाव के चलते पत्नी रामलली मायके में जाकर रहने लगी थी। तीन जुलाई 2021 की रात करीब दस बजे उसके फोन पर साले अजय का फोन आया और उसने बताया कि रामलली की मौत हो गई है। उसका शव जिला अस्पताल में रखा हुआ है। अजय ने बताया कि उसके घटना की जानकारी पूजा नाम की महिला ने दी है। चार जुलाई 2021 को वह जिला अस्पताल पहुंचा, जहां उसकी मुलाकात पूजा से हुई। पूजा ने बताया कि वह कानपुर के नौबस्ता की निवासी है। रामलली से मिलने उसके कमरे पर आती रहती है।

# अवैध सिलेंडरों से व्यापार प्रशासन की लापरवाही या मिलीभगत

स्वतंत्र भारत उन्नाव- शहर के कचेहरी परिसर के पास स्थित होटल और बाजारों में धड़ल्ले से घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग हो रहा है। खाने-पीने का व्यापार करने वाले कई लोग घरेलू रसोई गैस को व्यावसायिक उपयोग में लाकर न सिर्फ नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि आम जनता की जान से भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

क्या प्रशासन को यह सब दिखाई नहीं देता? या फिर यह सब मिलीभगत का खेल है? किसी भी भीड़भाड़ वाली जगह पर खुलेआम रखे सिलेंडरों के फटने की कल्पना मात्र से ही सिहरन पैदा हो जाती है। यदि कोई बड़ा हादसा हो गया तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

गैस कंपनियों और आपूर्ति विभाग के स्पष्ट नियम हैं, कि घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग गैरकानूनी है। इसके बावजूद सड़क किनारे ठेलों, होटलों और फास्ट-फूड वैन में ये सिलेंडर खुलेआम देखे जा सकते हैं। प्रशासन की चुप्पी इस बात की गवाही देती है, कि या तो वह अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ चुका है, या इस अवैध खेल का मूक भागीदार बन गया है।

जिला प्रशासन, आपूर्ति विभाग और गैस कंपनियां मिलकर इस अवैध सिलेंडर कारोबार पर सख्त कार्रवाई करें। आम जनता को भी जागरूक होकर ऐसी खतरनाक गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।एक छोटी सी लापरवाही भी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है।

## परिवार के युवक पर नाबालिग को भगा ले जाने का आरोप

स्वतंत्र भारत फतेहपुर चैरासी उन्नाव- युवक ने परिवार के ही युवक पर बहन को बहला फुसला कर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस में शिकायत की है। थाना पुलिस तहरीर के आधार पर शिकायत दर्ज मामले की जांच कर रही है।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने थाना पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में अपने ही परिवार के एक युवक पर बहन को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है।युवक ने दर्ज शिकायत में कहा है कि, उसकी लगभग तेरह वर्षीय बहन गत 17 जुलाई को बरुआघाट बाजार सामान लेने गई थी।उसके परिवार का एक युवक जो पंजाब में रहता है, बहन को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया, पीड़ित का आरोप है कि गांव निवासी एक अन्य युवक ने भी उसका इसमें साथ दिया है। पीड़ित ने थाना पुलिस से दोनों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

## पोस्टमार्टम हाउस बनवाने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

बांगरमऊ, उन्नाव- हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता फारूक अहमद ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेज कर संडीला की तर्ज पर नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम हाउस बनवाने की मांग उठाई है। मांग न पूरी होने पर अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने की चेतावनी दी है। लखनऊ हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता यश भारती से सम्मानित फारूक अहमद द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि बांगरमऊ की दूरी जिला मुख्यालय उन्नाव से 50 किमी है । जबकि बांगरमऊ तहसील का उत्तरी व पश्चिमी हिस्सा जिला मुख्यालय से 75 से 80 किमी तक दूर है। उन्होंने यह भी कहा है कि बांगरमऊ में तीन चार थाने हैं , जिनकी दूरी भी जिला मुख्यालय से 50 किमी से ज्यादा है। उन्होंने कहा है कि बांगरमऊ तहसील क्षेत्र से लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे गुजरा है, जिस पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं , जिनमें तमाम लोगों की जान की भी चली है । कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए शवों को पोस्टमार्टम के लिए 70 से 80 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय उन्नाव ले जाया जाता है। जिससे मृतक के परिजनों को खासी परेशानी होती है। श्री अहमद ने यह भी कहा है , कि लखनऊ आगरा एक्सप्रेसवे का बांगरमऊ में कट है, इसलिए बांगरमऊ से 40-50 किमी की दूरी पर होने वाली दुर्घटनाओं मे घायल हुए लोगों को इलाज हेतु बांगरमऊ सी एच सी लाया जाता है। गंभीर रूप से घायल कभी-कभी बांगरमऊ सी एच सी में ही दम तोड़ देते हैं । उनके शवों को भी पोस्टमार्टम हेतु उन्नाव भेजा जाता है। उन्होंने मांग उठाई है कि हरदोई जनपद की संडीला तहसील के तर्ज पर बांगरमऊ में भी पोस्टमार्टम हाउस खोला जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि गत 24 जून व 17 जुलाई को प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तर प्रदेश शासन को भी इस संबंध में प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है। पत्र में श्री अहमद ने यह भी कहा है कि यदि बांगरमऊ में पोस्टमार्टम हाउस की व्यवस्था न की गई तो वो मजबूरन मा0 उच्च न्यायालय लखनऊ पीठ लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के विरुद्ध जनहित याचिका दायर करने को बाध्य होंगे ।

## शिव महात्म्य का ज्ञान लेकर कोई भी अपना जीवन धन्य कर सकता

स्वतंत्र भारत उन्नाव- श्री आदि गुरु वैदिक सेवा संस्थान और श्री गोकुल बाबा मंदिर समिति द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के सातवें दिन राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता शैवाचार्य प्रशांत प्रभु जी महाराज ने शिव महात्म्य का व्याख्यान दिया। शिव पुराण में शिव के विविध रूपों, अवतारों, ज्योतिर्लिंगों, भक्तों और भक्ति का विशद वर्णन है. इसमें शिव के कल्याणकारी स्वरूप, रहस्य, महिमा और उपासना का विस्तृत वर्णन है। शिव को पंचदेवों में प्रधान, अनादि, सिद्ध, परमेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। शिव पुराण में शिव के जीवन चरित्र, उनके रहन-सहन, विवाह और पुत्रों की उत्पत्ति के विषय में विशेष रूप से बताया गया है. शिव पुराण को सुनने से मनुष्य सब पापों से मुक्त हो जाता है और शिवलोक को प्राप्त करता है। शिव महात्म्य में भगवान शिव के विभिन्न पहलुओं का वर्णन है, जैसे शिव को

महादेव, नीलकंठ, शंकर, आदि नामों से जाना जाता है। शिव संहारक, पालक, और सृजनकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। शिव के भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार की पूजा, अर्चना, और मंत्रों का जाप करते हैं।

शिव पुराण को सुनने और पढ़ने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शिव महात्म्य भगवान शिव की महिमा का एक विस्तृत वर्णन है, जो हमें उनके विभिन्न रूपों, कार्यों, और भक्तों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। सदर विधायक पंकज गुप्ता, रश्मि गुप्ता और उनके परिवार ने महाराजश्री का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजन और आरती में सत्येंद्र सिंह, वंदना सिंह, हरि प्रसाद साहू, संतोष साहू, निशीथ निगम, राधा निगम, विक्रम सिंह, प्रिया सिंह, धीरज सिंह, सोनम सिंह, चंद्र प्रकाश बाजपेई, रंजना मिश्रा, संजय त्रिपाठी, नीलम त्रिपाठी, डॉ मनीष सिंह सेंगर, कमल वर्मा ज्वेलर्स, मनोज सिंह, राहुल कश्यप, संजीव पांडेय, वीरेंद्र सिंह, विवेक साहू, जीतेन्द्र सिंह अन्नू, कल्लू सोनी, श्याम जी गुप्ता आदि ने भाग लिया। यजमान परिवारों ने सामूहिक रुद्राभिषेक में शामिल होने की अपील जनपदवासियों से की।

## ट्रक पलटने से पास में बंधे दो मवेसियों की मौत एक घायल

स्वतंत्र भारत मौरावां उन्नाव- हिलौली बछरावां मुख्य मार्ग पर हिलौली के मोहल्ला गढीथोक मुहल्ले मे रविवार रात ट्रक का पहिया सड़क के किनारे खुदी नाली मे जाने से अनियंत्रित होकर पलट गया।हादसे मे गांव निवासी रामनरेश रावत पुत्र छंगा की पास बंधी दो पड़ियो की उसके नीचें दबने से मौके पर ही मौत हो गई। एक गर्भवती भैस भी चपेट मे आने से गंभीर घायल हो गई। ट्रक ड्राइवर राजेश पुत्र रामदीन ट्रक मे मध्यप्रदेश से प्याज लादकर बिहार ढाका मंड़ी जा रहा था।सूचना पर पहुंची मौरावा पुलिस ने बचाव कार्य शुरू कर केबिन मे फंसे चालक को सकुशल बाहर निकाला। जानकारी करने पर पता चला रोड के किनारे बिजली विभाग ने भूमिगत लाइन डालने के लिए नाली खोदी है। लाइन बिछाने के बाद भी लापरवाही पूर्वक बिजली विभाग ने खुदी नाली को बराबर नहीं किया जिससे कई बार दुर्घटनाएं होते-होते बची आज फिर बरसात का पानी भरने से उस जगह गहरा गड्ढा हो गया है। उसी गड्ढे मे ट्रक का पहिया जाने से वह अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना के संबंध में कोतवाली प्रभारी कुंवर बहादुर सिंह ने बताया की दो मवेशियों की मौत की सूचना मिली है तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

## मुकदमे में सुलह न करने पर आरोपी द्वारा युवती के घर जाकर गाली गलौज

स्वतंत्र भारत पुरवा उन्नाव मुकदमे में सुलह न करने पर आरोपी ने अज्ञात लोगों के साथ युवती के दरवाजे जाकर गाली गलौज कर मुकदमे में सुलह न करने पर जान से मारने की धमकी दी । पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया । कोतवाली क्षेत्र के गांव बेहटा सुम्भारी निवासी युवती परिवितिर्त नाम माया ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के रहने वाले बबली उर्फ नरेंद्र ने 7 मई 2025 को उसके घर में घुसकर उसके साथ गलत व्यवहार किया था ,जिस पर उसने आरोपी व्यक्ति पर मुकदमा पंजीकृत कराया था जिसके बाद वह जेल चला गया था । जेल से वापस आने के बाद मुकदमे में जबरन सुलह करने का दबाव बनाए हैं, जिससे चलते 10 जुलाई की शाम 7 बजे उक्त व्यक्ति अपने अन्य चार पांच साथियों के साथ उसके दरवाजे आ गए और गंदी-गंदी गालियां देकर मुकदमे में सुलह करने को कहा ,अगर सुलह नहीं करोगी तो तुम्हें मार कर तुम्हारी लाश गायब कर दूंगा ।जिसके बाद पीड़ित युवती ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि आरोपियों की दबंगई के चलते उसका परिवार गांव छोड़ने को मजबूर है जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया । कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया उक्त मामले मे जांच कर की जा रही है ।

## माध्यमिक शिक्षक संघ का सदस्यता अभियान

स्वतंत्र भारत उन्नाव- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ( चन्देल गुट )के जिलाध्यक्ष हरिहरप्रसाद दीक्षित के नेतृत्व एवं जिला मंत्री राम शंकर के निर्देशन में सदस्यता अभियान को गति देने एवं शिक्षकों से मुलाकात कर जनपद की सदस्यता को अधिक बढ़ाने के लक्ष्य को अंजाम तक पहुंचाने हेतु जिला कार्यकारिणी सदस्य सत्येन्द्र दीक्षित एवं मीडिया प्रभारी रमेश चन्द्र गुप्ता ने सिकन्दर पुर सरोसी क्षेत्र के रूविवेकानन्द गया बख्श सिंह.इ.कालेज ,शिव बालक सिंह इ.कालेज, धौकलखेड़ा,राधा कृष्ण सरस्वती वि.म.इ.कालेज, पूरानिस्फपंसारी ,गिरजादेवी प.हा.स्कूल, कुड़ीना,जय हनुमान इ.कालेज, आदर्श सरस्वती वि.मं.इ.कालेज, एक्सीलेंट इ.कालेज, चिलौला,मनोहर लाल इ.कालेज, सरोसी, आर.बी.एस.इ.कालेज, गंगौली, एस.पी.डी.एम.इ.कालेज देवाराकलां, श्रीमती स्वर्ण लता स्मारक इ.कालेज, बभ्र्हा,रामश्री इ.कालेज, मिर्जापुर कला, बाबू लाल यादव इ.कालेज, नान्हू बाबा इ.कालेज, भगवान दीन सीता राम इ.कालेज, गंगा सिंह परमहंस इ.कालेज, सदगुरु सुन्दरि इ.कालेज, पूरानिस्फपंसारी, शिवम सरस्वती विद्या मन्दिर इ.कालेज, पूर्णिमा विद्या मन्दिर इ.कालेज, देवाराकलां, मनोहर लाल बालिका इ.कालेज, देवाराकलां समेत लगभग 21 विद्यालयों का दौरा कर शिक्षकों से मुलाकात कर सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने हेतु अनुरोध किया,सभी विद्यालयों के शिक्षक साथियों ने सदस्यता अभियान का पुरजोर स्वागत एवं समर्थन करते हुए अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग करने का वचन दिया।

# कानपुर देहात समाचार

## राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद द्वारा विभिन्न ज्वलंत मामलों को लेकर डीएम को सौंपे गए ज्ञापन

**माती कानपुर देहात** राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा के आह्वान पर सोमवार को जनपद जौनपुर के जिला अध्यक्ष तमिल हसन शिबू के विरुद्ध दर्ज झूठे मुकदमे की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के संबंध में जिलाधिकारी को जिला अध्यक्ष अनूप गौड़ए जिला संरक्षक पीयूष दीक्षितए आमंत्रित संरक्षक हनुमान गुप्ता व वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यों की मौजूदगी में सूबे के मुख्यमंत्री के नाम 4 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। इसके साथ ही जिले में पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय पदकार सुरक्षा परिषद द्वारा जिलाधिकारी को सदर नगर पंचायत अकबरपुर द्वारा पत्रकार भवन बनाए जाने हेतु भूमि आवंटन किए जाने के संबंध में भी ज्ञापन सौंपा गया है तथा राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद द्वारा जिले में पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखकर आहूत की जाने वाली स्थाई समिति की बैठक में संगठन के पदाधिकारी को प्रतिभाग किए जाने को लेकर जिला अध्यक्ष द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। बताते चले की राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा के आवाहन पर समूचे उत्तर प्रदेश में 18 जुलाई को ज्ञापन कार्यक्रम संपन्न होना था अति वर्षा होने के चलते जनपद कानपुर देहात में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था जिसके क्रम में आज 21 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से भेजा गया है जिसमें जनपद जौनपुर के जिला अध्यक्ष तामीर हसन शिबू द्वारा हम फैमिली हॉस्पिटल में व्याप्त अनमिताओं एवं जनहित से जुड़ी खबर को प्रकाशित किया गया यह कार्य पूर्णता लोकतंत्र और पत्रकारिता के मूलभूत कर्तव्यों के अंतर्गत था लेकिन संबंधित संस्थान व प्रभावशाली लोगों के दबाव में आकर स्थानीय पुलिस प्रशासन ने जिला अध्यक्ष पर फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया जो की प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला रहा है यह न सिर्फ एक पत्रकार की आवाज को दबाने की कोशिश है बल्कि प्रदेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह है जिसके क्रम में राष्ट्रीय पदकार सुरक्षा की ओर से मांग की गई की तामीर हसन शिबू पर दर्ज मुकदमे की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जाए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रदेश भर के पत्रकारों की सुरक्षा हेतु स्थाई नीति बनाई जाए जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित रहे। पुलिस द्वारा पत्रकारों के विरुद्ध की जा रही दमनात्मक कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। यदि समय रहते न्यायोचित कार्रवाई नहीं की जाती है तो राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद प्रदेश व्यापी आंदोलन हेतु बाद होगा लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने हेतु यह अपेक्षा की जा रही है कि आप आवश्यक व त्वरित कदम उठाएंगे। वही परिषद की जिला इकाई द्वारा जिलाधिकारी को जिले में पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखकर सदर नगर पंचायत अकबरपुर द्वारा पत्रकार भवन बनाए जाने हेतु भूमि आवंटन किए जाने के संबंध में भी ज्ञापन सौंपा गया है जिसमें जिलाधिकारी से अपेक्षा की गई है कि वह संबंधित नगर पंचायत को यथोचित दिशा निर्देश जारी करेंगे। इसके साथ ही एक अन्य ज्ञापन में जिलाधिकारी से परिषद के माध्यम से जिला अध्यक्ष ने ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि जिले में पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखकर आहूत की जाने वाली स्थाई समिति की बैठक में संगठन के पदाधिकारी को प्रतिभाग किए जाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया जाए ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि उत्तर प्रदेश के समूचे जनपद में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद कार्य कर रही हैए इस दौरान जिला अध्यक्ष अनूप गौड़ जिलाए संरक्षक पीयूष दीक्षित, हनुमान गुप्ता, आईटी सेल प्रभारी विमल गुप्ताए महासचिव धीरेंद्र सिंह, सचिव नाहर सिंहए जिला विधि प्रकोष्ठ प्रभारी विनोद सिंह कुशवाहा आमंत्रित पदाधिकारी में लखन पांडेयए विकास मोर्चा के प्रशांत श्रीवास्तवए अरुण कुमारए अमरेत त्रिपाठीए दिलीप सिंह आदि मौजूद रहे।।

## निर्देष...परीक्षा सकुशल व शांतिपूर्ण तरीके से कराये संपन्न

**माती कानपुर देहात** उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोगए प्रयागराज द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारीध्सहायक समीक्षा अधिकारी ;प्रारंभिकद्ध परीक्षा 2023 के सफलए शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन आयोजन हेतु जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्षए कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई। बैठक में लोक सेवा आयोग द्वारा नामित पर्यवेक्षक राजेश सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में परीक्षा की तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा दिनांक 27 जुलाई 2025 ;रविवारद्ध को जनपद के कुल 06 परीक्षा केंद्रों पर प्रातः 09रू30 बजे से 12रू30 बजे तक आयोजित की जाएगीए जिसमें कुल 2592 अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर प्रातः 08रू30 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगाए जबकि प्रवेश द्वार 09रू00 बजे बंद कर दिए जाएंगे।परीक्षा 06 केंद्रों पर सम्पन्न होगी जिनपर सकुशल नकलविहीन व शांतिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराये जाने हेतु सेक्टरध्स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। उन्होंने क्रम वार जानकारी देते हुये बताया की अकबरपुर डिग्री कॉलेजए अकबरपुर हेतु नामित सेक्टर मजिस्ट्रेट एसडीएम अकबरपुर अभिषेक कुमार मौर्य व स्टेटिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ सहायकए अमित कुमार सिंहए श्री कृष्णा इंटर कॉलेजए अकबरपुर हेतु नामित सेक्टर मजिस्ट्रेट एसडीएम रसूलाबाद पुष्कर त्रिपाठी व स्टैटिक मजिस्ट्रेटए खंड शिक्षा अधिकारी ज्योति गुप्ताए श्री राम स्वरूप ग्रामोद्योग इंटर कॉलेजए भीमसेन नामित सेक्टर मजिस्ट्रेट एसडीएम राजपुरए विनीत कुमार व स्टैटिक मजिस्ट्रेट अवर अभियंता रामजीलाल निषादए विवेकानंद राष्ट्रीय इंटर कॉलेजए पुखरायां हेतु नामित सेक्टर मजिस्ट्रेट एसडीएम भोगनीपुर अभिषेक वर्मा व स्टैटिक मजिस्ट्रेट अवर अभियंताए मंजीत कुमारए आर0 जी0 इंटर कॉलेजए अकबरपुर हेतु नामित सेक्टर मजिस्ट्रेट एसडीएम रसूलाबादए पुष्कर त्रिपाठी व स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहायक अभियंता अमित कुमार सिंह तथा पी0 जी0 इंटर कॉलेजए अकबरपुर हेतु नामित सेक्टर मजिस्ट्रेटए एसडीएम सिकंदरा रणजीत सिंह व स्टैटिक मजिस्ट्रेट अवर अभियंताए ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव को नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार रिज़र्व मजिस्ट्रेट की नियुक्ति भी की गई है। उन्होंने सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे दो दिन मेंस्थापित करने हेतु सम्बन्धित फर्म को सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समस्त केंद्र व्यवस्थापक सीसीटीवी स्थापना के बाद यह सुनिश्चित करने की वह सभी क्रियाशील रहे तथा स्थापना होते ही रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने वीडियोग्राफीए पर्याप्त प्रकाशए पेयजलए शौचालय एवं चिकित्सा सुविधा की उपलब्धता को शत प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने हेतु समस्त केंद्र व्यवस्थापकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि परीक्षा हेतु पुलिस बल की समुचित तैनाती सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोनए ब्लूटूथ या अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा। परीक्षा के दौरान नकल व अनुचित साधनों के प्रयोग पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया है कि वे समय से परीक्षा केंद्रों पर पहुँचें एवं परीक्षा की शुचिताए सुरक्षा एवं शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने उपस्थित समस्त अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा एवं सम्पूर्ण प्रक्रिया की नियमित निगरानी की जाएगी। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक सहित स्टैटिक मजिस्ट्रेटए सेक्टर मजिस्ट्रेटए केंद्र व्यवस्थापक आदि संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में उपजिलाधिकारी अकबरपुरए अतिरिक्त मजिस्ट्रेटए जिला विद्यालय निरीक्षकए समस्त स्टैटिक मजिस्ट्रेटए सेक्टर मजिस्ट्रेट व समस्त केंद्र व्यवस्थापकए आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

## व्यक्ति को नहीं उसके कर्म को किया जाता है यादयय मुलायम

**माती कानपुर देहात** संसार में जो जन्म लेता है उसकी मृत्यु निश्चित है वह जिंदा नहीं रहता है परंतु उसके किए गए कार्य विचार व्यवहार सदैव जिंदा रहते हैं व्यक्ति के द्वारा किए गए कर्म से याद किया जाता है उक्त बातें मुलायम सिंह यादव एडवोकेट अध्यक्ष जिला बार एसोसिएशन कानपुर देहात जनपद न्यायालय परिसर कानपुर देहात में वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा में कही ए शोक सभा में उनकी आत्मा को शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनके जीवन के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया शोक सभा में सर्वप्रथम उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई शोक सभा में रमेश चंद्र सिंह गौर अशोक श्रीवास्तव जावेद खान, गोपाल मिश्रा, सर्वेंद्र सिंह,जितेंद्र बाबूएमहेंद्र सिंहए विश्वनाथ यादवएजितेंद्र प्रताप सिंह चौहान, सुंदरलाल सचानए सुलेखा यादवएगीता दिवाकर,घनश्याम सिंह राठौर, रोहित शुक्ला,अदीप कुमार गौतम

## किसान यूनियन की मासिक पंचायत में समस्याओं पर की गई चर्चा

**माती कानपुर देहात** सोमवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत का आयोजन जिला मुख्यालय में जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह प्रधान की अध्यक्षता में किया गया मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी रमेश सिंह यादव मौजूद रहे सभी किसानों ने अपने.अपने क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की ।।। जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह ने कहा कि जिले में इस समय धान की रोपाई को देखते हुए बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से ध्वस्त है किसानों को सिंचाई के लिए इस समय कम से कम 18 घंटे बिजली मिलनी चाहिए लेकिन चार.पांच घंटे से ज्यादा आपूर्ति नहीं की जाती है उसमें भी बीच.बीच में कोई ना कोई बहाना बनाकर बिजली काट दी जाती है एसडीओ जेई से बात करने का

प्रयास किया जाता है तो फोन नहीं उठाते हैं किसानों को डीएपी यूरिया खाद साधन सहकारी समितियों में नहीं मिलती है उनको प्राइवेट दुकानों से अधिक मूल्य पर दुकानदार द्वारा दी जाती है जिला प्रवक्ता कृपाल सिंह ने कहा कि रूरा अस्पताल में कर्मचारियों की कमी है पर्याप्त स्टाफ दिया जाए प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि जिले के आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजा जाए उनके दाने चारे की पर्याप्त व्यवस्था हो मालसा ब्लॉक के दुलीचंदपुर के अमर सिंह बाबा ने कहा कि उनके दरवाजे पर टोटी नहीं लगाई गई इसलिए पानी पीने की दिक्कत है जिले के कई गांव की महिलाएं हाथों में तख्तिया लिए हुए आई थी उनके गांव के स्कूलों को मर्ज कर दिया गया है बच्चों को दूर स्कूल जाने में दिक्कत होती है गांव में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए मच्छर मारने की दवा का छिड़काव किया जाए आदि तमाम समस्याओं का ज्ञापन अपर जिलाधिकारी महोदय को सोपा गया उपस्थित किसान नेताओं में प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी रमेश सिंह यादव जिला अध्यक्ष हुकुम सिंह प्रधान जिला महासचिव घनश्याम सिंह जिला प्रवक्ता कृपाल सिंह महिला सभा की जिला अध्यक्ष मधु राजपूत राधा देवी रामचंद्र सचान जिला प्रभारी नाथू सिंह गुलाब सिंह राम नारायण श्याम सिंह सभी जिला उपाध्यक्ष रमेश चंद्र अध्यापक अकबरपुर नगर अध्यक्ष बलवीर सिंह तहसील अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह श्री बाबू बुंदेला रामनरेश फौजी कुलदीप सिंह सुरेंद्र कटिहार सभी तहसील अध्यक्ष रामस्वरूप रघुनंदन सिंह अजीत चतुर्वेदी बाबू सिंह राजपूत ताहर सिंह कैलाश नाथ कटियार सभी ब्लॉक अध्यक्ष शिव स्वरूप संगठन मंत्री भगवान दास कश्यप राम चरण कश्यप हरिप्रसाद द्विवेदी धर्मेंद्र सिंह भारती सिंह रणधीर सिंह शिवमंगल सिंह प्रचार मंत्री विशाल सिंह युवा के आदित्य चंदेल अमर सिंह बाबा भारी संख्या में महिलाएं हाथों में तख्तिया लेकर आई थी पूर के पूर्व प्रधान श्रीकांत शर्मा आदि भारी संख्या में किसान आए थे कार्यक्रम कार्यक्रम का संचालन जय सिंह यादव ने किया ।।।

## रूट निर्धारित क्यूआर के विरोध में ई-रिक्शा चालकों ने किया प्रदर्शन

**उमस भरी गर्मी में सवारियों को करना पड़ा दिक्कतों का सामना**

कानपुर। शहर की यातायात व्यवस्था पर ई-रिक्शा चालक ग्रहण बन गए थे। इन पर लगाम लगाने के लिए रूट निर्धारित कर क्यूआर कोड लागू किया गया, लेकिन यह व्यवस्था से वह संतुष्ट नहीं हैं। रूट निर्धारित क्यूआर कोड लागू किए जाने के विरोध में सोमवार को ई-रिक्शा चालकों ने हंगामा करते हुए हड़ताल की घोषणा कर दी।
शहर में बिना क्यूआर कोड के चल रहे ई-रिक्शा के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस लगातार अभियान चला रही है। अभियान में अब तक 500 के करीब ई-रिक्शे सीज किये जा चुके हैं। सोमवार को ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई से नाराज ई-रिक्शा चालकों ने नमक फैक्ट्री चौराहे के पास हड़ताल करते हुए हंगामा कर दिया। उन्होंने ई-रिक्शा और ई-आटो में सवारियां लेकर जा रहे साथी चालकों को रोका और सवारियों को उतरवा दिया। जिससे यात्रियों को उमसभरी गर्मी में पैदल ही जाना पड़ा। इसी तरह बारादेवी में ई-रिक्शा चालकों ने प्रदर्शन किया। ई रिक्शा चालकों का कहना है कि इससे उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और इस तरह से घर चलना मुश्किल हो जाएगा। उन्हें गाड़ियों की किस्तें भी चुकानी होती हैं। इस तरह से कम दूरी पर वहां चलकर वह अपना खर्च पूरा नहीं कर सकेंगे। ई-रिक्शा चालकों की मांग है कि जिन चालकों के सभी कागजात पूरे हैं, उन्हें हर जगह जाने की अनुमति दी जाए। कुछ चालकों ने यातायात पुलिस पर बारकोड और रूट के नाम पर फर्जी चालान काटने का आरोप लगाया। चालकों ने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाया और सड़क पर लगे जाम को खुलवाया। पुलिस ने चालकों से शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने और लिखित में प्रार्थना पत्र देने को कहा। इसी तरह से किदवई नगर चौराहे पर भी ई रिक्शा चालकों ने ई रिक्शा रोक कर सवारियां उतरवा दी। शहर के नई सड़क इलाके में भी मूलगंज की ओर और घंटाघर से आ रहे ई रिक्शा और ऑटो को विरोध कर रहे हैं ई रिक्शा चालकों ने रोक कर सवारियां उतार दी। यूनियन के अध्यक्ष अशोक तिवारी ने कहा की बारकोड व्यवस्था को वापस लिया जाए। इस तरह से ड्राइवर को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। दूर की सवारी को छोड़ने जाने में दिक्कत होगी। शहर में चलने वाले ई रिक्शा और ऑटो की संख्या भी निर्धारित कर दी जानी चाहिए, केवल वैध रूप से और पूरे कागज वाले वाहनों को भी चलाने की अनुमति दी जाए।

## ट्रेन की चपेट में आने से छात्रा की मौत

**कानपुर।** रूमा स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पार करते वक्त एक छात्रा ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
रूमा स्थित एक्सिस कॉलेज में फैशन डिजाइनिंग सेकेंड ईयर की स्टूडेंट थी। मृतका की पहचान फतेहपुर की रहने वाली प्राची के रूप में हुई। वह एक्सिस कालेज में फैशन डिजाइनिंग के दूसरे वर्ष की स्टूडेंट थी। प्राची रोजाना खदरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर रूमा स्टेशन आती थी। इस दौरान छात्रा का मोबाइल रेलवे पटरी पर गिर गया। पुलिस ने इसी मोबाइल की मदद से परिवार को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जीआरपी ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच में ट्रेन से कटकर मौत होने की बात सामने आई है। जीआरपी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# बोल बम के जयकारों के बीच भक्तों ने महादेव का किया जलाभिषेक

**शिवालयों में देर रात से ही लग गईं भक्तों की लंबी-लंबी कतारें**

**कानपुर।** श्रावण मास के दूसरे सोमवार को भोर पहर से ही शिवालयों में महादेव का दर्शन करने व जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतार लग गईं। बाबा आनंदेश्वर मंदिर में रात में मंगला आरती के बाद मंदिर के पट भक्तों के लिए खुले। हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों के बीच भक्तों में गर्भ गृह में जाकर महादेव का जलाभिषेक किया और सुख समृद्धि परिवार कल्याण की प्रार्थना की। दूसरे सोमवार को बाबा के दर्शन के लिए हाथ में गंगा जल से भरा पात्र और बेलपत्र लिए भक्त जयकारा लगाते हुए शिवालयों में पहुंचे। महादेव की भक्ति में लीन से भक्तों का उत्साह भोर पहर से ही बाबा आनंदेश्वर मंदिर, जागेश्वर महादेव मंदिर, वन खंडेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर, सिद्धनाथ मंदिर, शिवाला मंदिर सहित शहर के प्रमुख शिवालयों में देखने को मिला। मंगला आरती के बाद से ही शिवालयों में लंबी-लंबी कतार में भक्तों महादेव के दर्शन का इंतजार कर रहे हैं। बाबा आनंदेश्वर मंदिर में जूना अखाड़ा की ओर से महादेव का फल और पुष्पों से मनोहरी श्रृंगार किया गया। वहीं जागेश्वर मंदिर और सिद्धनाथ मंदिर में बाबा बर्फानी के रूप में महादेव ने दर्शन दिए। पी रोड स्थित वनखंडेश्वर मंदिर में महादेव के भक्तों का उत्साह वातावरण को शिवमय में बना रहा है।

## मंदिरों का ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ने लिया जायजा

सावन के दूसरे सोमवार को शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। शहर के प्रसिद्ध मंदिरों में आनंदेश्वर मंदिर, वन खंडेश्वर मंदिर, जागेश्वर मंदिर, सिद्धनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ होती है। इसके साथ ही सावन के सोमवार पर भक्त अलग-अलग घाटों में गंगा स्नान करने भी पहुंचते हैं। जिनमें सरसैया घाट, सिद्धनाथ घाट, बिठूर घाट, मेस्कर घाट में मुख्य रूप से श्रद्धालु जाते हैं यहां पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। आनंदेश्वर मंदिर में पहुंचकर जॉइंट पुलिस कमिश्नर आशुतोष कुमार ने मंदिर के गेट पर फोर्स के साथ निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस चौकी में बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का जायजा लिया। इसके बाद जेसीपी बिठूर घाट पर पहुंच कर लोगों से बातचीत की व्यवस्थाओं और सुरक्षा से संबंधित जानकारी ली।

# रंजिश में चचेरी भाई ने की थी दुध कारोबारी की हत्या

कानपुर। एक सप्ताह पूर्व बिधनू में दूध कारोबारी की गला गोदकर हत्या चचेरे भाई ने की थी। घटना के दिन ही बड़े भाई ने पड़ोसी चचेरे भाई शिवम पर पुरानी रंजिश को लेकर हत्या करने की आशंका जताई थी। जिस पर पुलिस ने शिवम समेत दो दर्जन से ज्यादा लोगों का बेंजाडीन टेस्ट कराया था। जिसमे शिवम के हाथ के नाखूनों व लोवर में खून के धब्बे पाए गए थे। पुलिस ने जांच कर शिवम के खिलाफ साक्ष्य एकत्र कर सोमवार को जेल भेज दिया।

डीसीपी साउथ दीपेन्द्रनाथ चौधरी ने बताया कि घाटूखेड़ा निवासी दूध कारोबारी अवनीश यादव की बीते 14 जुलाई की सुबह घर से 100 मीटर दूर स्थित पशुबाड़े के पास चारपाई पर रक्तरंजित शव पड़ा मिला था। अवनीश की किसी नुकीले हथियार से गला गोदकर हत्या कर दी गई थी। घटना के दिन ही बड़े भाई मनीष ने पड़ोसी चचेरे भाई शिवम व सौरभ पर पुरानी रंजिस को लेकर हत्या करने की आशंका जताई थी। मजबूत साक्ष्य न होने की वजह से पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस ने पहले आसपास गांव की गलियों में घरों के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। जिसमे पुलिस के हाथ कुछ नही लगा था। पुलिस ने फिर पुरानी रंजिश और आशनाई के बिंदुओं को लेकर परिवार समेत गांव के दो दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ करने के साथ संदिग्ध लोगों के बेंजाडीन टेस्ट कराया था। जिसमे शिवम के हाथ के नाखूनों व लोवर में खून के धब्बे पाए गए थे। शिवम ने पूछताछ में बताया था कि घटना के तीन दिन पहले 11 जुलाई की रात उसकी अवनीश से गांव में रेशू यादव की दुकान के पास मारपीट हो गई थी। जिसमे अवनीश के चोंट लगने से उसका खून हाथ और लोवर में लग गया था। पुलिस ने टेस्ट के बाद भी सत्यता की जांच शुरू की। जिसमे पाया गया कि 11 जुलाई की रात हुई मारपीट में शिवम ने अवनीश को जान से मारने की धमकी दी थी। वहीं दो साल पहले हैंड पंप पर पानी भरने को लेकर भी शिवम से मारपीट हुई थी। जिसमे मृतक अवनीश ने शिवम के चाचा को लाठी से पीटा था। बिधनू थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हत्यारोपित को सोमवार को जेल भेज दिया गया है। आलाकत्ल के बारे में शिवम ने स्पष्ट नहीं बताया। आलाकत्ल की बरामदगी के लिए हत्यारोपित को रिमांड में लिया जाएगा।

## अंतर जनपदीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

**- शातिरों पर दर्ज हैं 20 से अधिक मुकदमें**
**-एक माह पूर्व बिनगवां में की थी**

**कानपुर।** लूट व चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अंतर जनपदीय गिरोह के दो सदस्य को सेन पश्चिमपारा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शातिरों पर पूर्व में नौबस्ता थाने से गैंगस्टर की कार्रवाई की जा चुकी है। पूछताछ के दौरान शातिरों ने बताया कि वह लग्जरी लाइफ लाइफ स्टाईल जीने के लिए वारदात को अंजाम देते थे। शातिरों ने एक माह पूर्व बिनगवां में चोरी की घटना को अंजाम दिया था।
डीसीपी साउथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि कैलाश नगर बिनगवां निवासी दिनेश कुमार अग्निहोत्री के घर से 14 जून की रात चोरों ने इनवर्टर, लैपटाप, मोबाइल समेत अन्य सामान पार कर दिया था। देर रात पुलिस को सूचना मिली की शातिर सकरापुर गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के पास अर्धनिर्मित मकान में वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। पुलिस ने छापेमारी कर उन्नाव के लंगरपुर गांव निवासी अनुपम पासी और तुलसी नगर पहाड़पुर निवासी अंशू द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों ने लूट की घटना को अंजाम देने के लिए अपाचे बाइक खरीदी थी, जो आलमबाग पुलिस की जब्त में है। इसके बाद उन्होंने चोरी के पैसों से एक और बाइक खरीदी, जो सीसामऊ पुलिस ने जब्त कर ली। बताया कि आरोपी लखनऊ और कानपुर में वारदातों को अंजाम देते थे। शातिरों ने आलमबाग और सीसामऊ में भी घटनाएं की है। डीसीपी ने बताया कि दोनों बदमाश लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के शौकीन थे, उन्होंने 80 हजार रुपए का मोबाइल खरीदा था, जो सीसामऊ थाने में जब्त है। दोनों बदमाशों के खिलाफ 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ के दौरान शातिरों ने बताया कि शातिर अनुपम की बहन की शादी अंशू के गांव में हुई थी। बहन की ससुराल आने जाने के दौरान अनुपम की दोस्ती अनुपम से हो गई थी। जिसके बाद दोनों अपराध की दुनिया में शामिल हुए।

# मंहिला बंदियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास-डीएम

**-कारागार की महिला बैरक में स्थापित की गई सिलाई मशीन**

**कानपुर।** जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की पहल पर जिला कारागार की महिला बैरक में चार सिलाई मशीनें स्थापित की गईं। इस पहल का उद्देश्य महिला बंदियों को जेल अवधि के दौरान उपयोगी कौशल से प्रशिक्षित करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि कारागार सुधार और पुनर्वास का माध्यम है। महिला बंदियों को जीवनोपयोगी कौशल प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से बंदी अपने समय का सकारात्मक उपयोग कर सकती हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक महिला बंदी को उपहार स्वरूप दो-दो सूट्स की सिलाई से प्रशिक्षण प्रारम्भ किया जाएगा। प्रशिक्षण की व्यवस्था अधिवक्ता एवं समाजसेविका दिशा अरोड़ा द्वारा की जा रही है, जो अचिन्त्य चेरिटेबल फाउंडेशन की अध्यक्ष भी हैं। प्रशिक्षण के उपरांत इच्छुक व दक्ष महिला बंदियों को नियमित सिलाई का कार्य सौंपा जाएगा तथा उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए उन्हें पारिश्रमिक भी प्रदान किया जाएगा। जेल अधीक्षक डॉ बीडी पाण्डेय ने बताया कि कारागार प्रशासन महिला बंदियों के स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से संचालित करेगा। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व स्वयंसेवी संस्था को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिवए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमलेश कुमार मौर्य ने महिला बंदियों को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में जेलर राजेश कुमार पाण्डेय, अनिल कुमार पाण्डेय, डिप्टी जेलर मनीश कुमार, मौमसी राय, अरुण कुमार सिंह तथा चीफलीगल एड डिफेन्स काउंसिल अखिलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## कांग्रेसियों ने जनसमस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

कानपुर। लोगों की समस्याओं को लेकर सोमवार को प्रदेश महासचिव जे पी पाल और विकास अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गोविंद नगर स्थित जोनल कार्यालय पर प्रदर्शन किया।
जोन-5 के अंतर्गत आने वाले वार्डों में कई गंभीर समस्याएं हैं। स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद पड़ी हैं। मुख्य मार्गों से लेकर अंदर की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। इससे राहगीरों को चोट लगने का खतरा बना रहता है। क्षेत्र के पार्कों की स्थिति भी खराब है। कई पार्क कूड़े के ढेर में बदल गए हैं। साफ-सफाई के लिए माली नहीं लगाए गए हैं। हल्की बारिश में ही क्षेत्र जलमग्न हो जाता है। घरों से लेकर सड़कों तक पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने जोनल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे जन आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन में रमाकांत शर्मा, नरेंद्र पाल, विमल यादव, सोनू शुक्ला, दीपक शर्मा, मोहित दीक्षित समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सफाई मित्र सम्मान समारोह में कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

**-स्वच्छ सर्वेक्षण में कानुपर को 5वां स्थान प्राप्त होने पर हुआ कार्यक्रम**

कानपुर। नगर निगम ने स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2024 में देश में 13 वां स्थान एवं गंगा किनारे के 32 शहरों में 5 वॉ स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर ने सफाई कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों के अथक प्रयासों से ही यह सफलता हासिल हुई है। महापौर ने इस मौके पर सभी सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों को अगले वर्ष और भी जोर-शोर से तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि कानपुर नगर निगम प्रथम पायदान पर पहुँच सके। कानपुर नगर निगम अपने सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त मो अवेश, जगदीश यादव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय शंखवार, डॉ अमित सिंह गौर एवं अतिरिक्त नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चंद्रशेखर और वरिष्ठ लिपिक रफ्जुल रहमान ने सभी स्वच्छता कर्मचारियों को उनके प्रयासों और योगदान के लिए सम्मानित किया।

## 139 केंद्रों पर होगी समीक्षा अधिकारी की परीक्षा

**-तैयारियों को लेकर एडीएम व एडीसीपी ने की बैठक**

कानपुर। लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी आरओ और एआरओ की परीक्षा 27 जुलाई को आयोजित करायी जाएगी। इस परीक्षा में कानपुर में 139 एग्जाम सेंटर बनाए गए हैं, जहां पर 65 हजार 280 परीक्षार्थी एग्जाम देंगे। इसकी तैयारियों को लेकर बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में बैठक हुई। जिसमें एडीएम फाइनेंस विवेक चतुर्वेदी, एडीसीपी महेश कुमार समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बताया गया कि इस बार हर परीक्षा केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती रहेगी। सुबह साढ़े नौ से साढ़े 12 बजे तक चलने वाली परीक्षा को पूरी तरह से नकल विहीन कराया जाएगा। इसके लिए परीक्षा केंद्रों में व्यापक स्तर पर पुलिस की तैनाती भी रहेगी। परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट से लेकर केंद्र व्यवस्थापक आदि की तैनात रहेंगे, जिससे कि किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

## खबर एक नजर

### सियार को बचाने में गड्ढे में गिरी कार, दो घायल

कानपुर। महराजपुर में देर रात एक सियार को बचाने में कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। गनीमत रही कि कार का एयरबैग खुल गया। जिससे कार चला रहे युवक व उसके साथी की जान बच गई। राहगीरों की मद्द से कार की शीशा तोड़कर घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिश्रखेड़ा गांव निवासी सचिन शुक्ला अपनी कार से आलोक तिवारी के साथ पुरवामीर करबिगवा स्टेशन रोड से रविवार रात लगभग दस बजे लौट रहे थे। नौगवां गांव से लगभग 500 मीटर आगे अचानक एक सियार सड़क पर आ गया। सियार को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसा इतना जोरदार था कि कार के एयरबैग खुल गए, जिससे दोनों यात्री बच गए। हादसे में कार सवार दोनों लोगों को गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद राहगीरों ने कार का शीशा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। सुबह होते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हाइड्रा क्रेन की मदद से करीब 17 घंटे बाद कार को खाई से बाहर निकाला गया। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

### लेखपाल व कानूनगों पर लगा फर्जी पैमाइश करने का आरोप

कानपुर। नरवल में एक किसान में फर्जी पैमाइश का आरोप लगाते हुए लेखपाल और कानूनगों को कठघरे में खड़ा कर दिया। मामले में एसडीएम ने जांच के आदेश दिए है।
नरवल तहसील ग्राम रातेपुर निवासी किसान राम सागर ने बताया कि उनकी जमीन पर चार्टबंदी का मुकदमा चल रहा है, लेकिन उनकी जमीन की फर्जी पैमाइश की गई है। लेखपाल और कानूनगो ने पैमाइश के लिए 3,500 रुपये की मांग की। किसान ने यह राशि कानूनगो को दे दी। इसके बाद उन्होंने एसडीएम से शिकायत कर दी। एसडीएम के निर्देश पर कानूनगो ने पूरी रकम वापस कर दी, लेकिन शिकायत से नाराज होकर दोनों अधिकारियों ने किसान की जमीन की फर्जी पैमाइश कर दी। उन्होंने खेत में जबरदस्ती नाला भी खुदवा दिया, जबकि नक्शे में कोई नाला दर्ज नहीं है। पीड़ित किसान ने दोबारा एसडीएम से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। एसडीएम विवेक कुमार मिश्रा ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को जांच कराई जा रही है। अगर दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

### आयरन वेलफेयर एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

कानपुर। आयरन वेलफेयर एसोसिएशन फजलगंज का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, एमएलसी अरुण पाठक व व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरकार व्यापारियों और उद्यमियों के हित में कार्य कर रही है। प्रदेश मे 80 लाख लोग एमएसएमई योजना मे लाभ ले रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश मे 12 नए एयर पोर्ट बने हैं और प्रदेश मे कानून व्यवस्था मे बहुत सुधार हुआ है, जिससे व्यापार व उद्योग प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र मे फ्लेटेड फैक्ट्री बना रहे हैं, इसमे उद्यमियों को इंसेंटिव का भी लाभ दे रहे हैं। एमएलसी अरुण पाठक ने व्यापारियों व उद्यामियों के हित मे हमेशा साथ खडे रहने का आश्वासन दिया। समारोह मे भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि स्टेट जीएसटी व सेंट्रल जीएसटी विभाग व्यापारियों व उद्यमियों का उत्पीड़न कर रहे हैं,

## खबर एक नजर

### युवक को मारने पहुंचे तीन दबंगों को तमंचे सहित पुलिस ने पकड़ा

**भीतरगांव।** रिश्तेदारी में आए युवक को फोन पर गाली गलौज कर जान से मार देने की धमकी देने के बाद पहुंचे करीब दस युवकों में तीन युवकों को साढ़ पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया जिनके पास से एक अवैध तमंचा मिलने की बात कही जा रही वही अन्य युवक मौके से भाग गए साढ़ पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल कर कार्यवाही करने की बात कही। कुड़नी क्षेत्र के अरंजहामी गांव निवासी मोहित कुमार पुत्र प्रमोद कुमार ने तहरीर देते हुए बताया कि वह सोमवार को दोपहर साढ़ क्षेत्र के महनीपुर गांव आया था तभी घुरुआखेड़ा निवासी गोलू यादव पुत्र शिवपाल सिंह ने फोन पर मारने की धमकी दी और थोड़ी देर बाद साथी शुभम उर्फ सिद्धू अंशुल यादव सौरभ यादव सहित करीब दस युवकों को लेकर आ धमका और गाली

### पंचायत सहायकों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन कहा दिलाए स्थाई नौकरी

घाटमपुर। विधायक सरोज कुरील के कैम्प कार्यालय पहुंचकर विभिन्न ग्राम पंचायतों से आये पंचायत सहायकध्डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने एक ज्ञापन दिया। साथ ही स्थायी नियुक्तिए सेवा नियमावली और कार्य स्थायीत्व को लेकर अपनी समस्याएं व मांगें भी रखीं। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने विधायक को बताया कि 01 दिसंबर 2021 से प्रदेश भर के ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकोंध्डाटा एंट्री ऑपरेटरों की नियुक्ति की गई थीए जो ग्राम विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पंचायतों के डिजिटल संचालनए जनसेवा और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में इनका सहयोग अत्यंत आवश्यक बन चुका है।वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 29ए273 पंचायत सहायक कार्यरत हैंए जो प्रतिदिन सीमित मानदेय पर तकनीकी और प्रशासनिक कार्यों को संचालित कर रहे हैं। ज्ञापन में यह मांग प्रमुखता से उठाई गई कि सरकार पंचायत सहायकों को स्थायी करनेए सेवा नियमावली लागू करने और उनकी सेवाओं को भविष्य में भी सुरक्षित रखने की दिशा में ठोस निर्णय ले।विधायक सरोज कुरील ने पंचायत सहायकों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें उचित मंच पर उठाने का आश्वासन दिया है।

### सीएचसी में मूक बधिर गर्भवती महिला समेत हुए तीन सफल सिजेरियन

घाटमपुर। रविवार को सीएचसी में मूक बधिर गर्भवती महिला समेत तीन सिजेरियन किए गए। महिला सर्जन डॉक्टर अनामिका ने एनिथसिया डॉक्टर अनिल उमराव व टीम के साथ एक के बाद एक तीन सिजेरियन कर अब तक हुए सिजेरियन का टूटा रिकॉर्ड तोड़ा।तीनों जच्चा व बच्चा स्वस्थ्य रहने पर परिजनों में खुशी का माहौल था। सीएचसी में हथेई से प्रसव के लिए रविवार की सुबह लाई गई मूक बधिर महिला सिम्पल शुक्ला पत्नी विपिन तिवारी के पहला बच्चा होने के साथ पेट में ही न सिर्फ लैट्रीन कर ली गई थीएबल्कि बच्चे की धड़कने भी कम हो रही थीं। जिसकी सिजेरियन को असमंजस्य में हुई डॉक्टरों की टीम ने चिकित्साधीक्षक डाव कैलाश चन्द्र को अवगत कराया। जिनकी देख में शुरू हुए हुए सफल सिजेरियन से साथ आए सिम्पल के पति व स्वजनों की खुशी का ठिकाना न रहा। इसके बाद समेत तीन सिजेरियन किए गए। महिला सर्जन डॉक्टर अनामिका ने एनिथसिया डॉक्टर अनिल उमराव व टीम के साथ मकरंद पुर से प्रसव के लिए लाई गई अर्चना पत्नी अजय व अमौली से लाई गईं शिवांगी पत्नी विजयेन्द्र सिंह की भी सफल सिजेरियन की। काफी समय बाद सीएचसी में हुई एक के बाद एक तीन सिजेरियन को लेकर चिकित्साधीक्षक डॉक्टर कैलाश चन्द्र ने खुशी जताते हुए कहा सिजेरियन करने वाली टीम का हौसला बढ़ाया।

### त्यारोपी को पुलिस ने पकड़ कर भेजा जेल

घाटमपुर। क्षेत्र के बरनाव मोड़ पर प्लम्बर की हत्या के बाद फेंके गए शव के मामले में पुलिस ने हत्यारोपी को पकड़ कर सोमवार को जेल भेजा है। जिससे पुलिस द्वारा की गई पूंछ ताछ में उसने हत्या किए जाने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि प्लम्बर राकेश पुत्र शिवराज व उसके भाईयों के साथ वह मजदूरी करता था। इसी बीच राकेश ने मेरी पत्नी मे के मेरे खिलाफ बहका दिया। जिससे मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई। जिसके जाने के बाद मुझे यह लगता था कि राकेश मेरी हत्या कर देगा। जिससे मैं उससे होशियार रहने के साथ उससे दुश्मनी मानने लगा था। 15 जुलाई 2025 को वह बरनाव मोड़ की पुलिया पर शाम को राकेश का इंतजार करने लगा। जहां राकेश के आने पर उसने पहले उसके साथ शराब पी।उसी समय राकेश मेरी पत्नी को अपशब्द कहने लगा। जिसके बाद मैंने डण्डे से उसके सिर पर हमला दिया था। हमले में वह जमीन पर गिर गया। बाद में मैंने उसके चेहरे व गले पर चोट पहुंचाकर हत्या कर दी। बाद में उसके शव को खींचते हुए कानपुर वाले तिवारी जी के खेत की मेड में खड़ी झाड़ियों में ले जाकर फेंक दिया। पकड़े जाने से बचने के लिए वह भाग गया था। हत्यारोपी राकेश पुत्र रामशंकर कुरील को घटना के 6 दिन बाद थाना प्रभारी धनंजय कुमार पांडेय की देख रेख में भीतरगांव रेलवे अंडर पास से क्राइम थाना प्रभारी खुर्शीद अहमदएवरिष्ठ उप निरीक्षक जमाल अहमदए उप निरीक्षक अनुज कुमार आदि ने टीम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

### महिला की मौत के बाद पकड़े गए छह अन्ना गौवंश

घाटमपुर।पतारा कस्बे में पूजा को मन्दिर जा रही सुनीता की साड़ों की लड़ाई में हुई मौत के बाद सोमवार को ब्लॉक प्रशासन हरकत में आया। कस्बे में फिरने वाले आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए दिन भर मशक्कत की जाती रही। तब जाकर कस्बे से 6 अन्ना मवेशी पकड़कर गौशाला भेजे गए। रविवार की सुबह कस्बे के पुलिस चौकी रोड पर स्थित प्राचीन बाबा बैजनाथ धाम शिव मंदिर जा रही सुनीता साहू 48 पत्नी राजू साहू की आवारा साड़ों के रौंदने से मौत हो गई थी। मामला जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के संज्ञान में आने व उनके निर्देश पर खंड विकास अधिकारी शिव नरेश राजपूत ने टीम भेजकर कबरई रोड हाइवेए रायपुर मोड़ और जिठौली रोड मोड़ के सामने हाइवे पर घूम रहे छह आवारा गौ वंशों को पकडाकर ब्लॉक के कैटल कैचर वाहन से वृहद गौशाला भेजा। जिन्हें पकड़वाने में ग्राम प्रधान रामभजन पालए पंचायत सचिव शैलेन्द्र गोस्वामी रोजगार सेवक धर्मेन्द्र पाल के अलावा कस्बे के लोग भी शामिल रहे।

### स्कूल बंद होने के विरोध में ग्रामीणों ने बच्चों के साथ किया प्रदर्शन

घाटमपुर। हरचंदापुर गांव के कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय को कंपोजिट विद्यालय ककरहिया में विलय कर प्राथमिक विद्यालय कर दिया गया है। स्कूल बंद किए जाने से सोमवार को हरचंदापुर के प्रधान पति सुरेश सिंह ने स्कूली बच्चों व ग्रामीणों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हरचंदापुर प्राथमिक विद्यालय परिसर में ग्रामीणों ने गांव में खोले गए स्कूल को बंद करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाकर विरोध जताया। इस दौरान गजेंद्र सिंहए शिवपूजन सिंहएरामदास कुरीलए रामचन्द्र निषादए अशोक कुमार पाण्डेयए राघवेन्द्र दुबे संजय तिवारीए बाबू सिंहए मिथलेश कुमार त्रिपाठीए सूरज शर्माए ज्वाला प्रसाद कुरील के अलावा स्कूल में पढ़ने वाले बच्चेए अभिभावक एवं ग्रामीण भी मौजूद रहे।

### विद्युत सेवा महाभियान में 96 शिकायतों का हुआ निस्तारण

घाटमपुर। सोमवार को अधिशाषी अधिकारी अमर दीप की देख रेख में विद्युत सेवा महाभियान के तहत स्योढ़ारी पंचायत भवन व बेहटा बुजुर्ग पंचायत भवन एवं बरीपाल पंचायत भवन में क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान के लिए शिविरों का आयोजन किया गया। जिसकी जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में उपभोक्ता अपनी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जिनका अधिशाषी अभियंता व उप खण्ड अधिकारियों ने समाधान किया।अधिशाषी अभियंता अमर दीप ने बताया कि शिविरों में आई कुल 152 शिकायतो में 96 शिकायतों के निस्तारण के साथ 4ण्20 लाख राजस्व भी वसूला गया। उन्होंने आगे बताया कि यह अभियान 22 जुलाई को भी उपरोक्त स्थलों पर आयोजित होगा।
शिविर में उप खण्ड अधिकारी घाटमपुर पुनीत शर्माए उप खण्ड आधिकारी बिमलेन्द्र श्रीवास्तवए सहायत अभियन्ता ;मी0द्ध सविता कुमारी व अन्य कर्मचारी अभियान में उपस्थित रहे।

## परोपकार संस्था द्वारा आयोजित की गई स्कूली बच्चों के लिए चिंतन पाठशाला

कानपुर की समाजसेवी संस्था परोपकार जन कल्याण सेवा समिति के द्वारा कानपुर के स्कूलो मे बच्चों के लिए ष्चिंतन पाठशालाष् का आयोजन करने जा रही है जिसके अंतर्गत आज न्यू श्याम नगर नौबस्ताए के किड्स एरीना स्कूल के सातवीं और आठवीं कक्षा के बच्चों के साथ ष्चिंतन पाठशालाष् का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य वक्ता के रूप मे परोपकार संस्था के प्रबंधक दीपांशु पाण्डेय ने बच्चों को चरित्र की पवित्राए दिनचर्याए और ब्रह्मचर्य के बारे मे समझायाए बच्चों को वृन्दावान के संत शिरोमणि श्री प्रेमानंद जी महराज जी की विडिओ क्लिप दिखाई गयी जिसमे महराज जी ने बच्चों को सुबह उठने से लेकर रात्रि सोने तक की दिनचर्या के बारे विवरण से बताया बच्चो ने महराज जी की बाते बहुत ध्यान से सुनी और ऐसे अपने जीवन मे लागू करने का वचन लिया। परोपकार संस्था के प्रबंधक दीपांशु पाण्डेय ने बताया की उनकी संस्था पिछले 7 8 सालो से बच्चों के लिए कार्य कर रही है जिसके अंतर्गत अब संस्था ष्चिंतन पाठशालाष् नाम का कार्यक्रम समय समय पर कई स्कूलों मे करेगी जिसमे बच्चो को सफल जीवन की जीवन शैली बता कर बच्चों को समय का महत्वए नशे से दूर रहनाए और ब्रम्चार्य के पालन के बारे मे समझाया जायेगा। आज के कार्यक्रम की शुरुआत पूज्य श्री प्रेमानद जी महराज जी के चित्र मे पुष्प चढ़ा दे बच्चो ने राधा नाम कीर्तन से की। और कार्यक्रम के अंत मे परोपकार संस्था की तरफ से सभी बच्चों को प्रबंधक दीपांशु पाण्डेय द्वारा लिखित चिंतन पाठशाला नाम की पुस्तक निशुल्क वितरण की गई। जिसमे सारी बाते विस्तृत रूप मे लिखी है। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से स्कूल प्रबंधक रोहित शुक्लाए प्रधानाचार्या ज्योति घोंसलाए सरद तिवारीए मोहित एकता शुक्ला व संस्था की तरफ से दीपांशु पाण्डेय आदि सदस्य मौजूद रहे।

## कैबिनेट मंत्री की उपस्थिति में आयरन वेलफेयर एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

**कानपुर** सोमवार को आयरन वेलफेयर एसोसिएशन फजलगंज के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष जनार्दन चौधरी एवं कार्यकारिणी सदस्य आदिश जैन के द्वारा किया गया मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय राकेश सचान एवं विधायक माननीय अरुण पाठक व ज्ञानेश मिश्रा एवं श्याम शुक्ला उपस्थित रहे तथा संगठन का अपने मार्गदर्शन से मनोबल बढ़ाया संगठन के अध्यक्ष धीरज अग्रवाल महामंत्री प्रदीप केडिया कोषाध्यक्ष सौरभ जैन उपाध्यक्ष सितेश वर्मा प्रभात जैन जनार्दन चौधरी एवं मंत्री तरुण खंडेलवाल व संजय अग्रवाल तथा प्रचार मंत्री पारस जैन एवं अन्य सहयोगी कार्यकारिणी को मुख्य अतिथियों ने पद एवं पारदर्शिता की शपथ दिलाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के पवन जैन हरी जाखोदीया मुरली खंडेलवाल ब्रजेश अग्रवाल संदीप बंसल अमित गोयल अर्पित जैन राजीव जैन दीपक गुप्ता सहित काफी संख्या में व्यापारी गण मौजूद रहे

## संदिग्ध परिस्थितियों में नव विवाहिता का लटका शव देख मचा कोहराम

**साढ़ थाना क्षेत्र के रातेपुर गांव में हुई घटना से परिजन हतप्रभ शव पीएम को भेज पुलिस जांच में जुटी**

**स्वतंत्र भारत संवाददाता भीतरगांव।** बीती शाम साढ़ थाना क्षेत्र के रातेपुर गांव में सूना घर देख नवविवाहिता ने कमरे के अंदर साड़ी के सहारे कुंडे से लटककर आत्महत्या कर ली मवेशियों को चारा पानी करने पहुंचे देवर ने घर में सन्नाटा पसरा देख इधर उधर तलाश की फिर छत के ऊपर बने कमरे को अंदर से बंद देख उसने भाई सहित मायके पक्ष के लोगों को सूचना दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह शव को नीचे उतार पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार रातेपुर गांव निवासी दीपक सिंह पुत्र योगेन्द्र सिंह का विवाह अप्रैल 24 में कोरथा निवासी कोमल 23 पुत्री हरिभान सिंह के साथ हुआ था बताया जाता कि घटना के वक्त नवविवाहिता घर में अकेले थी पति दीपक साढ़ स्थित डिफेंस कारीडोर में काम पर था जबकि इकलौता देवर वैभव गांव स्थित एक डिस्पेंसरी में था। वैभव के अनुसार देर शाम करीब चार बजे वह मवेशियों को चारा पानी करने पहुंचा तो घर में सन्नाटा पसरा देख इधर उधर तलाश की लेकिन कही न देख वह ऊपर पहुंचा तो कमरे का दरवाजा अन्दर से बंद देख उसने भाई दीपक को फोनकर जानकारी दी किसी तरह खिड़की तोड़कर अंदर झांकने पर नवविवाहिता का लटकता शव देख चीख पुकार मच गई घटना की सूचना परिजनों द्वारा साढ़ पुलिस सहित मायके पक्ष के लोगों को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जाता है कि बीते वर्ष साढ़ में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने की घटना में 26 मौतों के बाद से ही मृतका का मानसिक संतुलन शादी के पूर्व से ही ठीक नहीं था उसे अक्सर परिजन झाड़फूंक कराने ले जाते थे जिससे वह कुछ दिन ठीक रहती थी।साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि शव को पीएम हेतु भेजा गया है तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

9
डॉव पवन सचान बुधवार को लेंगे चिकित्साधीक्षक का चार्ज
ऽ डॉक्टर कैलाश चन्द्र के तबादले के साथ ही बनाए गए थे चिकित्साधीक्षक

घाटमपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की चल रही कमी के बीच चिकित्साधीक्षक डॉक्टर कैलाश चन्द्र का एक सफ्ताह पहले सरसौल सीएचसी तबादला किए जाने के साथ सीएचसी में तैनात चिकित्साधिकारी डॉव पवन सचान को स्वास्थ्य समिति द्वारा चिकित्साधीक्षक बनाया गया था।अस्वस्थ्य होने के चलते डॉक्टर पवन सचान के मेडिकल पर चले जाने के चलते अब तक सरसौल के साथ घाटमपुर सीएचसी का भी काम देख रहे थे। सोमवार को डॉव पवन सचान के अवकाश से वापसी के साथ उन्होंने बुधवार को चार्ज लेने की बात कही। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों व्यवस्थाओं की देख रेख के साथ अंजाम दिया जा रहा है।

## दरगाही लाल नहर पुल पर दरार जनता पूंछ रही सवाल

**जैसे तीखे आरोपों के साथ पूर्व विधायक मुनींद्र शुक्ला ने साधा सरकार पर निशाना**

स्वतंत्र भारत संवाददाता भीतरगांव। साढ़ क्षेत्र के चर्चित दरगाही लाल नहर पुल के निर्माण होने के कुछ दिन बाद ही पड़ी दरारें निर्माण की गुणवत्ता स्वयं बयां कर रही सोमवार को पहुंचे समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक मुनींद्र शुक्ला ने सरकार पर जमकर निशाना तथा एसआईटी का गठन कर जांच कराई जाए तथा दोषियों पर कड़ी कार्यवाही हो। विधायक मुनींद्र शुक्ला ने कहा कि दो वर्ष पूर्व ठेकेदार द्वारा बिना वैकल्पिक व्यवस्था के पुराने पुल को ढहा दिया गया जिससे डेढ़ वर्ष मार्ग पूरी तरह ठप रहा दो महीने पूर्व ही चालू हुए पुल में दरारें पड़ गई जिससे निर्माण की गुणवत्ता और ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह है उन्होंने कहा कि यह पुल नहीं टूटा बल्कि लोगों का विश्वास टूटा है उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करते हुए जिलाधिकारी से मामले को गंभीरता से संगठन में लेने की मांग करते हुए कहा कि मामले की एसआईटी द्वारा जांच करा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुल की स्लैब का पुनर्निर्माण कराया जाए।

## अवनीश शुक्ला व आनंद पाण्डेय ने संभाला रोटरी क्लब गंगाघाट का पदभार

**. रोटरी क्लब गंगाघाट का 40वां अधिष्ठापन समारोह भव्य रूप में हुआ सम्पन्न**

**. मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना रहे उपस्थित**

शुक्लागंज उन्नाव। रोटरी क्लब गंगाघाट का 40वां अधिष्ठापन समारोह रविवार को राजधानी मार्ग स्थित एक गेस्टहाउस में आयोजित किया गया। जिसमें रोटरी क्लब गंगाघाट के वर्तमान अध्यक्ष रोण् अवनीश शुक्ला व सचिव रोण् आनंद पाण्डेय को पदभार ग्रहण कराया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बतौर मुख्य अतिथि और कर्नल आदर्श दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रोटरी क्लब गंगाघाट के असिस्टेंट गवर्नर भक्ति विजय शुक्ला ने कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व पूजन के साथ किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने रोटरी क्लब संस्था के द्वारा मानवता व जन मानस कल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही दोनों ने क्लब को निरंतर सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इसके बाद रोटरी क्लब गंगाघाट के वर्तमान अध्यक्ष रोण् अवनीश शुक्ला व सचिव रोण् आनंद पाण्डेय को पूर्व अध्यक्ष रोण् ध्रुव प्रकाश अवस्थी व सचिव रोण् अतुल दीक्षित द्वारा पदभार स्थानांतरण किया गया। नवीन दायित्व धारण करने पर अध्यक्ष रोण् अवनीश शुक्ला व सचिव रोण् आनंद पाण्डेय ने अपने आगामी कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन विश्वनाथ तिवारी ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष व सचिव के द्वारा उनके कार्यकाल में किए गए कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रोण् विवेक शुक्लाए रोण् अशोक त्रिवेदीए रोण् योगेन्द्र देव त्रिपाठीए रोण् अंकुर शुक्लाए रोण् अतुल दीक्षितए रोण् रवि शुक्लाए रोण् संतोष तिवारीए रोण् भरत त्रिवेदी रोण् भूपेंद्र सिंहए रोण्रितेश मिश्राए रोण् मनीष शुक्ला, रोण् कमल वर्मा, अभिषेक तिवारी रोण् सीताराम अग्रवाल और गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

## पूर्व मंत्री स्व0 मनोहर लाल 89वाँ जन्म दिवस धूमधाम से मनाया

**. नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की**

स्वतंत्र भारत संवाददाता शुक्लागंजए उन्नाव। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेताए उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्व0 मनोहर लाल एडवोकेट का 89वाँ जन्म दिवस सोमवार को सिकन्दरपुर सरोसी स्थिति मनोहर लाल इण्टर कालेज में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेयए विशिष्ट अतिथि के रूप में आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेईए छावनी विधायक मोहम्मद हसन रूमीए प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद विशम्भर प्रसाद निषादए पूर्व मंत्री राजनारायण बिन्दए लालता प्रसाद निषादए उमेश चंद्र बिन्द एडवोकेट व अन्य गणमान्य लोग सम्मलित हुए। पूर्व विधायक रामकुमार एडवोकेट ने बताया कि स्वण् मनोहर लाल अखिल भारतीय लोधी निषाद बिन्द कश्यप एकता समता महासभा एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नेशनल ऐसोसियेशन आफ फिशरमेन ;एन0ए0एफ0द्ध के संस्थापक रहे। उन्होंने समाज के लिए अनगिनत कार्य किए। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुधीर कुमार रावतए पूर्व विधायक सुन्दर लाल लोधीए पूर्व प्रत्याशी मोहान विधानसभा डॉण् आँचल वर्माए पूर्व पार्षद अंजिला वर्माए पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादवए वीरेंद्र शुक्लाए गोमती प्रसाद लोधीए सदर विधानसभा अध्यक्ष मनीष कुमार सैनीए पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुशवाहाए एकलव्य कुमारए इंण् अविजित कुमारए डॉण् अभिनव कुमारए अनुभव कुमार आदि रहे।

**कार्यालय अधिशासी अभियन्ता**
**प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, हमीरपुर**

पत्रांक : — 1385 /टी—1 दिनांक :— 15.07.2025

**अल्पकालीन ई—निविदा सूचना**

महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के सुसंगत भवन श्रेणी (ए.बी.सी.डी श्रेणी) में पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से ई—टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र. सं. | जनपद का नाम | कार्य का नाम | लागत (लाख में) | जमानत धनराशि (लाख में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि | निविदा प्रपत्र का मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | हमीरपुर | जिला न्यायालय के सरकारी आवास सं0— जे—01 से जे—03 (मुख्य सिविल रोड) का वृहद मरम्मत एवं रंगाई पुताई का कार्य। | 32.00 | 3.200 | 03 माह | 1000.00 |
| 2 | हमीरपुर | जिला न्यायालय के सरकारी आवास सं0— जे—04 से जे—07 (मुख्य सिविल रोड) का वृहद मरम्मत एवं रंगाई पुताई का कार्य। | 33.32 | 3.332 | 03 माह | 1000.00 |
| 3 | हमीरपुर | जिला न्यायालय के सरकारी आवास सं0— जे—08 से जे—11 (मुख्य सिविल रोड) का वृहद मरम्मत एवं रंगाई पुताई का कार्य। | 33.32 | 3.332 | 03 माह | 1000.00 |

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट ऑनलाइन http://etender.up.nic.in पर दिनांक—25.07.2025 से 31.07.2025 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक—31.07.2025 को समय 12.00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक—31.07.2025 को समय अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदाएं प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगीं तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विस्तृत विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(इं0 दगपाल सिंह वर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, हमीरपुर

उ0प्र0 236071 दिनांक- 18.07.2025
Web.: www.upidadv.gov.in

**कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, महोबा**

पंत्राकः— 869/ए—3 दिनांक :—15/07/2025

**अल्पकालीन ई—निविदा सूचना आमंत्रण**

1 महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग हेतु सुसंगत श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से सुसंगत कार्य हेतु ई—टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। बिडर्स को सलाह दी जाती है कि वे आई0टी0बी0 की क्लाज—4 में निविदा स्वीकृत करने के सम्बन्ध में न्यूनतम योग्यता हेतु बिडर्स को दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें :—
2

| क्र. सं. | जनपद का नाम | कार्य का नाम | लागत (रू0 लाख में) | धरोहर धनराशि (रू0 लाख में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित) | कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता का पता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | महोबा | ब्लाक चरखारी के अन्तर्गत MDR/ODR मार्गों में पैच मरम्मत कार्य। | 25.00 | 2.50 | 854.00 (Including GST) | 10 माह | अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड—1, लो0नि0वि0, महोबा |
| 2 | महोबा | ब्लाक चरखारी के अन्तर्गत VR मार्गों में पैच मरम्मत कार्य। | 25.00 | 2.50 | 854.00 (Including GST) | 10 माह | अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड—1, लो0नि0वि0, महोबा |
| 3 | महोबा | ब्लाक पनवाड़ी के अन्तर्गत SH/MDR/ODR मार्गों में पैच मरम्मत कार्य। | 25.00 | 2.50 | 854.00 (Including GST) | 10 माह | अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड—1, लो0नि0वि0, महोबा |
| 4 | महोबा | ब्लाक पनवाडी के अन्तर्गत VR मार्गों में पैच मरम्मत कार्य। | 25.00 | 2.50 | 854.00 (Including GST) | 10 माह | अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड—1, लो0नि0वि0, महोबा |

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक—25.07.2025 से 31.07.2025 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक—31.07.2025 को समय 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक—31.07.2025 को समय 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदाएं प्रहरी साफ्टवेयर पर अपलोड की जायेगी तथा निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा, जिसका विस्तृत विवरण निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेबसाइट http;//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(इं0 अनिल कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड—1, लो0नि0वि0, महोबा

उ0प्र0 236064 दिनांक- 18.07.2025
Web.: www.upidadv.gov.in

स्वतंत्र भारत
कानपुर मंगलवार, 22 जुलाई 2025


# फतेहपुर समाचार

### ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

फ्तेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम कोराई में खेत की जुताई करते समय ट्रैक्टर पलट जाने से 45 वर्षीय किसान की दब कर मौके में ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार कोराई गांव निवासी इन्दल प्रसाद का पुत्र भोला प्रसाद सुबह आठ बजे ट्रैक्टर से अपना खेत जो रहा था। तभी अचानक पलेवा फंस जाने से वह किसी तरह से निकालने की कोशिश कर रहा था। तभी अचानक ट्रैक्टर किसान के ऊपर जा पलटा जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

## हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

■ सावन के दूसरे सोमवार पर शिव मंदिरों में जुटी भक्तों की आस्था
■ शिव मंदिरों में पूजन-अर्चन के साथ कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

फ्तेहपुर। सावन के दूसरे सोमवार पर मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की विधि विधान से पूजा अर्चना करते हुए उपवास रख सुख समृद्धि की कामना की। जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भोर पहर से ही भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। वहीं श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी भी लगाई। सावन के दूसरे सोमवार पर भी शिवालयों में भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक व रुद्राभिषेक करने के बाद पूजन अर्चन भी किया। जिले भर में शिव मंदिरों पर पूजन अर्चन के लिए सुबह से रात तक श्रद्धालु जुटे रहे। शहर के कई शिव मंदिरों में भगवान महादेव का आकर्षक श्रंगार भी किया गया, रुद्राभिषेक का आयोजन हुए। शहर के कोने-कोने में बम-बम भोले के जयघोष से गुंजायमान रहे।

शहर के तांबेश्वर मंदिर पर भोर की बेला से ही भक्तों का पहुंचना शुरु हो गया था। भक्तों ने भगवान महादेव का जलाभिषेक करने के साथ पूजन अर्चन भी किया। इसके अलावा फ्ल, फूल, बेलपत्र, बेलफ्ल, धतूरा, आकपुष्प, भांग के साथ धूप भी अर्पित किया। सावन के दूसरे सोमवार पर लोगों ने व्रत रखा और घरों में भी पूजन पाठ कर शिव चालीसा, शिव रुद्राष्टक व अन्य मंत्रों का जाप भी किया। ऐसे ही चांदपुर के गूढेश्वर मंदिर में जलाभिषेक एवं बहुआ क्षेत्र के थवईश्वर मंदिर में भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। घरों से लेकर विभिन्न शिव मंदिरों में रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सावन में भीड़ को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।

शिव गान करते पहुंचे कांवड़िएः सावन के दूसरे सोमवार पर गंगा जल से महादेव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों की टोली नाचते गाते शिव भोले, बम बम भोले, हर हर महादेव के नारों के साथ शिवालयों में पहुंचे। टोली को हर कोई रास्ता देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। कांवड़ियों की टोली में कोई शिव के रंग में रंगा नजर आया तो कोई शिवनृत्य करते दिखाई पड़ा।

गंगा घाटों में पहुंचे श्रद्धालुः श्रावण मास के दूसरे सोमवार को जनपद के विभिन्न गंगा तटों पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ उमड़ी। सुबह से ही गंगा तटों पर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। इस दौरान भक्तों ने घाट के किनारे शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हुए पूजा अर्चना किया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के प्राचीन शिवालयों में श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

## नकलविहीन, निष्पक्ष व सुचितापूर्ण माहौल में सम्पन्न कराएं परीक्षा : डीएम

**- 27 को जिले के 22 परीक्षा केंद्रो में होगी समीक्षा व सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा**
**- परीक्षा से एक दिन पूर्व केद्रों का निरीक्षण करें सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट**

फ्तेहपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज के समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की प्रारंभिक परीक्षा-2023 को शुचिता एवं गुणवत्तापूर्वक सम्पन्न कराने के दृष्टिगत विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा 27 जुलाई को आयोजित होने वाली समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा-2023 को नकलविहीन, निष्पक्ष, पारदर्शिता, गुणधर्मिता एवं सूचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए लगाए गए अधिकारियों व कर्मचारियों (केन्द्र व्यवस्थापक, सहायक केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जिला विद्यालय निरीक्षक आदि की ड्यूटी लगाई गई है। वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वाहन आयोग के दिशा निर्देशानुसार करते हुए परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराएं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी आयोग के दिशा निर्देशों को भलीभांति अध्ययन करते हुए अपने दायित्वों को समझ लें ताकि परीक्षा सम्पन्न कराने में किसी भी प्रकार की समस्या न आए।

उन्होंने केन्द्र व्यवस्थापकों से कहा कि अपने-अपने केन्द्रों में मूलभूत व्यवस्थाओं साफ सफ्ई, विद्युत, फ्र्नीचर, पेय जल, शौचालय आदि को दुरुस्त रखें। साथ ही सीसीटीवी कैमरे की क्रियाशीलता पहले से जांच कर लें और जिन कार्मिकों की अपने स्तर से ड्यूटी लगाई जानी है उनकी आईडी, परिचय पत्र की सूची जिला विद्यालय निरीक्षक को उपलब्ध करा दें। नामित कार्यदाई संस्था अपने सभी उपकरणों को समय से पूर्व जांच कर लें। साथ ही जिन कार्मिकों की ड्यूटी लगाई जाए उसकी सूची आईडी सहित उपलब्ध कराने निर्देश कार्यदाई संस्था को दिए। सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा के एक दिन पूर्व परीक्षा केन्द्र का रूट देख लें। साथ ही परीक्षा केन्द्रों में की गई तैयारियों का भी जायजा लें।

परीक्षा के दिन आयोग के दिशा निर्देशानुसार निर्धारित समय पर प्रश्न पत्रों का उठान व जमा भी कराएं। उन्होंने अपर पुलिस अधीक्षक से कहा कि आयोग के दिशा निर्देशानुसार परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगा दें। साथ ही निगरानी बनाए रखे। उन्होने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि अभ्यर्थियों से संबंधित दिशा निर्देशों का मीडिया, सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार भी कराए और सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाय। परीक्षा को सम्पन्न कराने में किसी भी प्रकार के शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद में 27 जुलाई को पूर्वाह्न 09.30 बजे 12.30 बजे तक समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी प्रारंभिक परीक्षा-2023 होगी। अभ्यर्थियों की परीक्षा केन्द्र में रिपोर्टिंग समय प्रातः 08 बजे, गेट बन्द 08.45 पर होगा। परीक्षा 22 केन्द्रों में आयोजित होगी। जिसमें कुल 9216 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। साथ ही आयोग के दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। जिला विद्यालय निरीक्षक व आयोग द्वारा तैनात समन्वयक पर्यवेक्षक ने आयोग के दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व), अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उपजिलाधिकारी, पीड़ी डीआरडीए, उपायुक्त मनरेगा सहित केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सह केन्द्र व्यवस्थापक सहित संबंधित उपस्थित रहे।

## जंगल में ले जाकर महिला से दुष्कर्म

**- पुलिस पर मुकदमा दर्ज न करने का लगाया आरोप**
**-एसपी ऑफ्सि पहुंच लगाई न्याय की गुहार, जांच के आदेश**

फ्तेहपुर। जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने गांव के ही रहने वाले एक युवक पर जबरन बांस की कोठी के पास जंगल में ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत किया। थाने में पुलिस द्वारा मुकदमा न लिखे जाने पर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक की चौखट पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। एसपी ने थाना प्रभारी को जांच कर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए।

हुसैनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने बताया कि वह अपने जेठ के खेत में परवल तोड़ने गई थी। वंहा से वह सौंच क्रिया के लिए जंगल गई थी, तभी गांव का रहने वाला लवकुश लोधी जो अक्सर उसे खेत आते जाते छेड़खानी और फ्टो खींच कर परेशान किया करता था। उसने उसे पकड़कर जंगल मे बांस की कोठी के पास घसीटकर मुह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और चिल्लाने पर खेत में काम कर रहे परिजनों को आते देख मौके से जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।

वही पीड़िता ने अपने पति सहित ससुरालियों से बताया तो थाने पहुंच शिकायत किया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं किया। जिस पर पीड़िता अपने घर वालों के साथ एसपी आफ्सि पहुंच पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह से न्याय की गुहार लगाई, जिस पर एसपी ने थाना प्रभारी को जांच कर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

## एसई विद्युत कार्यालय में 24 जुलाई को धरना देगी भाकियू

**- भाकियू ने बैठक कर बिजली व पानी की समस्या पर की चर्चा**

फ्तेहपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक बैठक में बिजली व पानी की समस्या को लेकर चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि 24 जुलाई को अधीक्षण अभियंता विद्युत कार्यालय में धरना दिया जाएगा। समस्या का निस्तारण न होने तक धरना समाप्त नहीं होगा। नहर कालोनी के निरीक्षण भवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह गौतम ने की। बैठक में बड़ी संख्या में किसानों व नेताओं ने शिरकत की। बैठक में बिजली व पानी की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया।

निर्णय लिया गया कि 24 जुलाई को अधीक्षण अभियंता विद्युत कार्यालय में अनिश्चितकालीन धरना चलाया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी ब्लाकों के हिसाब से तय की गई है, जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। साथ ही खाद की समस्या को भी उठाया जाएगा। निर्णय किया गया कि गांव-गांव संगठन को मजबूत किया जाएगा। बैठक में प्रीतम सिंह, छोटे सिंह, धर्मपाल सिंह, अंकित सिंह चौहान, महेन्द्र सिंह भदौरिया, बबलू सिंह गौतम, गुलाब यादव, चन्द्रभान सिंह, राहुल सिंह, संजय तिवारी, अजय प्रजापति, राधेश्याम पासवान, अंगद सिंह, सोनू सिंह असोथर, पुत्तन द्विवेदी, सोनू सिंह गौतम, राजू सिंह, नदीम, माता सिंह, मुस्ताक, रंजीत यादव भी मौजूद रहे।

## खबर एक नज़र

### सर्पदंश से अधेड़ की मौत, बालक समेत तीन की हालत बिगड़ी

फ्तेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अर्न्तगत सर्पदंश से जहां एक 50 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गयी। वहीं बालक समेत तीन लोग हालत बिगड़ जाने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी ननबुद्दा का पुत्र दुखी लोधी सोमवार की भोर छत से नीचे उतर रहा था। तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। इसी प्रकार मलवां थाना क्षेत्र मर्दनपुर गांव निवासी सरताज मोहम्मद की 16 वर्षीय पुत्री साबरीन खेतो में काम रही थी। तभी जहरीले सर्प ने उसे डस लिया। इसी प्रकार राधानगर थाना क्षेत्र के लालपुर गांव निवासी हरिओम का 10 वर्षीय पुत्र शिवा अपने परिवार के साथ खेतो में गया था। तभी मेड में जाकर बैठ गया। इसी बीच सर्प ने उसे डस लिया। जबकि कल्यानपुर थाना क्षेत्र के सिकरोडी गावं निवासी हरिशंकर की 20 वर्षीय पुत्री अंजली सुबह आठ बजे खाना लेकर खेत में काम रहे परिजनों को देकर वापस आ रही थी तभी सर्प ने उसे डस लिया। उधर सूचना पर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने तीनो को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। वहीं दुखी लोधी को परिजन अस्पतला ला रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

### पेंशनर के खाते से पार किया 07.50 लाख

फ्तेहपुर। शहर के सिविल लाइन (महमूदपुर) निवासी वृद्ध विधवा शकुन्तला देवी ने ज़िला अधिकारी से मिलकर शहर के ख़ुशवक्तराय नगर निवासी आशीष कुमार द्विवेदी पुत्र स्व. नवल किशोर द्विवेदी पर आरोप लगाया कि उसने उसके पति के बैंक खाते से दो बार में साढ़े सात लाख रुपये पार कर देने का आरोप लगाया है। बकौल शिकायतकर्ता रेलवे से सेवानिवृत्त उसके पति का विगत 21 जनवरी निधन हो चुका है। बताया कि इसमें पचास हजार की रकम गौरव तिवारी के नाम से निकाली गई है। जिला अधिकारी से क़ानूनी कार्यवाही कराते हुए पैसा वापस दिलाने की मांग की है।

### 24 जुलाई को फ्तेहपुर में एकत्र होंगे दिग्गज बसपाई

फ्तेहपुर। जिले में आगामी 24 जुलाई को 10 बजे बहुआ रोड में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती के दिशा निर्देश पर मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रयागराज प्रभारी जी.सी. खरवार पूर्व राज्यसभा सदस्य, मंडल प्रभारी प्रयागराज पंकज गौतम, आकाश राव, सतीश जाटव एवं विधायक मुरलीधर गौतम मंडल प्रभारी प्रयागराज आ रहे हैं जिसमें जिले के प्रभारी व जिले के पदाधिकारी व जिला बामसेफसंयोजक व जिला वी बीएफसंयोजक व जिले के सभी विधानसभा प्रभारी व जिले के सभी विधानसभा अध्यक्ष व सेक्टर संगठन के पदाधिकारी व नगर पालिका नगर पंचायत का चुनाव लड़ चुके व विधानसभा का चुनाव लड़ चुके व बहुजन समाज पार्टी के अपने पुराने कार्यकर्ता गन व बहुजन समाज पार्टी के विशिष्ट जन व बहुजन समाज पार्टी के समर्थित कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी ब.स.पा. जिला अध्यक्ष वीर प्रकाश लोधी एड. नें दी है।

### इमाम ज़ैनुल आब्दीन की शहादत पर निकला ताबूत

- लब्बैक या हुसैन से गुलज़ार रहा मंडवा सादात
- अंजुमने अब्बासिया बांदा ने पेश किए नौहे व मातम, अश्कबार रहीं हर आंखें

फ्तेहपुर। कर्बला में इमाम हुसैन की शहादत के बाद उनके बेटे इमाम ज़ैनुल आब्दीन की शहादत पर पुरसा देने के लिए अकीदतमंदों ने खागा तहसील क्षेत्र के मंडवा सादात गांव में मजलिस कराकर उनकी याद में ताबूत निकाला। देर रात तक नौहाखानी और मातमजनी का कार्यक्रम चलता रहा। लंगर व सबील का भी दौर चला। इस्लाम धर्म के पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की कर्बला में हुई शहादत के बाद उनके बीमार बेटे ज़ैनुल आब्दीन लुटा काफ्लिा लेकर मदीने पहुंचे, जहां सबसे पहले उन्होंने अपने नबी की चौखट पहुंचकर रो-रोकर कर्बला की दास्तान सुनाई। इसी तरह से आगे चलकर 20 मुहर्रम को उनका विशाल (मौत) हुई जिसको उनके मानने वाले हर 20 मुहर्रम को उनकी याद में ताबूत और जुलूस निकालते हैं। इसी कड़ी में मंडवा सादात गांव में बीते एक दशक से ज्यादा से इमाम ज़ैनुल आब्दीन की शहादत पर मजलिस, जुलूस और नौहा ख्वानी एवं मातमजनी का कार्यक्रम होता आ रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत मजलिस से हुई। मजलिस को मौलाना जावेद काज़मी लखनवी ने खिताब किया। उसके बाद ताबूत के साथ जुलूसे हुसैनी निकाला गया। पूरा गांव लब्बैक या हुसैन की सदाओं से गूंजता रहा। उसके बाद नौहा ख्वानी एवं मातमजनी का दौर शुरू हुआ। अंजुमने अब्बासिया बांदा के साथ अंजुमन नूरी हैबतपुर, अंजुमने नवाबिया काजीपुर, अंजुमने हुसैनिया मंडवा सादात के साथ ही अंजुमने अब्बासिया निजाम का पुरवा (कौशांबी) ने अपनी पेशकश की। खासकर बांदा से आई अंजुमन ने पूरे माहौल को हुसैनी रंग में रंग दिया। नौहाख्वानों ने इमाम हुसैन की बहन बीबी ज़ैनब की दास्तान और उनकी गुहार को नौहा की शक्ल में पेश किया। लोगों के आंखों से अश्क बहते रहे। नौहा ख्वानों में मुख्य किरदार निभाने वाले शमशुल हसन रिज़वी (छोटू बांदवी) ने लोगों का मन मोह लिया। इसके अलावा निजाम का पुरवा से नौहा पढ़ने वाले अरशद नक़वी, आशु और राहिब के अलावा हैबतपुर के नौहाखान शाहिद ने शानदार पेशकश की।

## सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा कार्यक्रम में किया गया प्रदर्शन

**...भारी पुलिस बल के साथ एसडीएम व सीओ रहे मौजूद**
**....शिव शक्ति अखाड़ा द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम**

**बिंदकी फ्तेहपुर।** शिव शक्ति अखाड़ा द्वारा सशस्त्र सन्यासी पद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पद यात्रा में शिव शक्ति अखाड़ा के प्रमुख मधुराम शरण शिव मौजूद रहे। यात्रा के दौरान शस्त्र प्रदर्शन किया गया। भारी पुलिस बल के साथ एसडीएम व सीओ मौजूद रहे ।

जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम को बिंदकी कस्बे के ललौली रोड स्थित श्री राम जानकी धाम मंदिर से शिव शक्ति अखाड़ा के प्रमुख मधुराम शरण शिव के नेतृत्व में सशस्त्र सन्यासी पदयात्रा कार्यक्रम निकल गया पद यात्रा बिंदकी कस्बे के ललौली रोड ललौली चौराहा मुगल रोड खजुआ चौराहा सहित नगर के प्रमुख मार्गो में हुई। पदयात्रा के दौरान नगर के ललौली चौराहा सहित कई प्रमुख स्थानों पर सशस्त्र संन्यासियों ने शास्त्र का प्रदर्शन किया। पदयात्रा के दौरान बिंदकी के उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह यादव पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति यादव कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लान सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इस मौके पर सशस्त्र सन्यासी वीरेंद्र आकाश निखिल ऋषभ जितेंद्र सूरज बाला जी हर्षित हरि ओम अनुराग हंस शिव गोविंद के अलावा विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष राजेश सिंहए बजरंग दल के नगर संयोजक विमलेश बाजपेई जिला धर्म प्रचार प्रमुख नर्मदा सागर शुक्ला एसडी अवस्थी के अलावा भाजपा नगर अध्यक्ष पूरन सिंह संगीता तिवारी सौरभ बाजपेई सोम ठाकुर आदर्श सिंह चौहान बीनू पांडे हर्षित द्विवेदी अनिल कुमार अभय सविता रानू द्विवेदी जितेंद्र यादव सत्यम द्विवेदी सजल शर्मा अनिकेत गुप्ता ध्रुव गुप्ता विलन कुमार हर्षित चौरसिया कृष्णा ऋषि शिवा यादव सत्यम यादव वीर भदोरिया अभय सोनी अमित विश्वकर्मा सभासद मोती लाल सत्येंद्र सिंह सहित तमाम लोग मौजूदरहे।

### जल संरक्षण, एक सामूहिक उत्तरदायित्व विषय पर हुई कार्यशाला

फ्तेहपुर। जल संकट व प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन की वर्तमान चुनौतियों के मद्देनज़र डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जल संरक्षण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जल संचयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्जवलन से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार यादव ने अपने उद्घाटन भाषण में छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जल संरक्षण के सामाजिक और पारिवारिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं से अपील की कि वे अपने परिवार और समाज में जल संरक्षण का संदेश पहुंचाएं और स्वयं भी दैनिक जीवन में जल बचत को व्यवहार में लाएं।

कार्यशाला में अनेक विशिष्ट अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की और अपने विचारों से छात्राओं को जागरूक किया। जल विज्ञानी भू-जल विभाग अविरल सिंह ने अपने व्याख्यान में जल संचयन की वैज्ञानिक पद्धतियों जैसे रूफवॉटर हार्वेस्टिंग, पुनर्भरण कुओं, परकोलेशन टैंक आदि की व्यावहारिक जानकारी दी। कार्यशाला में छात्राओं को जल संरक्षण की शपथ भी दिलायी। विशिष्ट अतिथि इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने जल संकट की वैश्विक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए भारत में जल प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया।

जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो0 प्रशांत द्विवेदी, शरद चंद्र राय, डॉ0 चारु मिश्रा, डॉ0 मधुलिका श्रीवास्तव, डॉ0 ज्योति, डॉ0 जिया तस्नीम, डॉ0 बृजेश कुमार पाल, आनंद नाथ, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्राएँ भारी संख्या में उपस्थित रहे।

## डीएम-एसपी ने मंदिरों का लिया जायजा

फतेहपुर। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने श्रावण मास के द्वितीय सोमवार पर सदर कोतवाली क्षेत्र के सिद्धपीठ श्रीतांबेश्वर मंदिर का भ्रमण कर साफ सफ्ई, सुरक्षा व्यवस्था एवं ड्यूटी में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को चेक किया। संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं से संवाद किया। इसके पश्चात डीएम-एसपी ने थाना हुसैनगंज क्षेत्र के अंतर्गत ओम घाट का भ्रमण कर वहां साफसफ्ई,सुरक्षा व्यवस्था एवं ड्यूटी में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को चेक कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं से संवाद किया। इस अवसर पर एसडीएम सदर अर्चना अग्निहोत्री, ईओ नगर पालिका रविन्द्र कुमार, शहर कोतवाल तारकेश्वर राय सहित संबंधित उपस्थित रहे।

## संदिग्ध अवस्था में महिला सहित दो ने खाया जहर, मौत

फ्तेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम कैथपुरवा में सोमवार की सुबह संदिग्ध अवस्था में 30 वर्षीय महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जहां इलाज के दौरान निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार के कैथपुरवा गांव निवासी अमित पटेल की पत्नी निष्मिता पटेल ने सोमवार की सुबह संदिग्ध अवस्था में जहर खा लिया। जब उसकी हालत बिगडने लगी तो परिजन उसे उपचार के लिए शहर के नर्सिग होम में ले गये, जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। मृतका के पिता लाल सिंह ने बताया कि रविवार को उसकी पुत्री का फोन आया कि पति ने उसे मामूली बात को लेकर बुरी तरह मारा पीटा है। आज सुबह पति व सास सुशीला देवी ने उसे बुरा भला कहा, इसी बात से उसकी पुत्री ने जहर खा लिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। हालाकि मृतका के पिता ने थाने में कोई तहरीर नहीं दी है। इसी प्रकार कौशाम्बी जनपद के थाना महेवाघाट गांव भवनसूरी निवासी हरवंश विश्वकर्मा का 35 वर्षीय पुत्र रमाकान्त विश्वकर्मा ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालत बिगडने पर खागा में रहने वाले रिश्तेदार उसे लेकर कस्बा आये और युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

## महिला व्यापार मंडल का गठन, सरिता बनीं जिलाध्यक्ष

■ कार्यकारिणी घोषित, सभी को दिलाई शपथ

फ्तेहपुर। उद्योग व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश संबद्ध भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा, जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता, जिला प्रभारी चन्द्र प्रकाश बब्लू गुप्ता की संस्तुति पर महिला व्यापार मण्डल का गठन किया गया। महिला इकाई में संरक्षक सुनीता गुप्ता, जिलाध्यक्ष सरिता सोनकर, जिला महामंत्री संगीता त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष अर्चना ओमर, उपाध्यक्ष गरिमा पाण्डेय, मंत्री सूरज कली, संगठन मंत्री सोनल गुप्ता, मीडिया प्रभारी गुड़िया को पुष्पहार पहनाकर मनोनीत किया। संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने समस्त नवनियुक्त महिला पदाधिकारियों को बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण में संगठन का योगदान महत्वपूर्ण होगा। महिलाओं की समस्याओं के निवारण व उनके व्यापार की उन्नति प्रगति में संगठन की भूमिका स्मरणीय रहेगी। जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण हेतु समस्त महिला व्यापारियों को संगठन का सदस्य बनाकर संगठन को सशक्त बनाएं। नवनियुक्त महिला अध्यक्ष सरिता सोनकर ने पद की शपथ लेते कहा कि पूर्ण निष्ठा से सभी साथियों के साथ संगठन में महिलाओं के हितों एवं उनके मान सम्मान की रक्षा हेतु कार्य करने के लिए वचनवृद्ध रहेंगे। महिला व्यापार मण्डल के मनोनयन के अवसर पर संरक्षक महेन्द्र गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान, अभिषेक रायजादा, सेराज अहमद खान, अर्पित पाल, मनीष पटेल भी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

## चीन का नया खेल

भारत के साथ सामान्य संबंधों के लिए चीन कितनी ही मीठी-मीठी बातें क्यों न करे लेकिन उसका एक के बाद एक कदम जटिलता और तनाव बढ़ाने के मकसद से होता है। दलीलें होती हैं कि वह अपने यहां के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है पर इनके लिए रूपरेखा इस तरह बनाता है जिससे भारत का हित अधिकतम सीमा तक प्रभावित हो। इस समय उसने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े हाइड्रोपावर बांध का निर्माण शुरू किया है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनना है जहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा यू-टर्न लेती है। दावा है कि इससे हर साल तीन सौ बिलियन किलोवाट घंटे से ज्यादा बिजली बनेगी जिससे तीस करोड़ लोगों को फायदा होगा। यहां तक तो ठीक है लेकिन आशंका यह है कि इस बांध के जरिए चीन नदी का पानी अपने उन क्षेत्रों की तरफ मोड़ेगा जहां पानी की समस्या है और इससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में सूखे के हालात बनेंगे। असम के चाय बागान भी ब्रह्मपुत्र के पानी के सहारे ही हैं। वैसे भी तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश होते हुए यह नदी अपन साथ बेहद उपजाऊ मिट्टी लाती है जो खेती के लिए आवश्यक है। यानी बांध बन जाने के बाद पूर्वोत्तर के राज्यों में भी जल असंतुलन की गंभीर समस्या पैदा हो जाएगी। साफ है कि बांध निर्माण की योजना इस तरह बनाई गई है कि भारतीय हित अधिकतम सीमा तक नुकसान में हों। हालांकि भारत ने इस नदी के पानी को लेकर बांग्लादेश और भूटान के साथ समझौता किया हुआ है लेकिन चीन ने इन दोनों देशों से भी बात नहीं की है। वैसे भी चीन की नीति किसी मुद्दे पर पहले विवाद खड़ा करने और फिर उसे लेकर तनाव बढ़ाने की रही है। जब तनाव गंभीर हो जाए तो वह अपनी शर्तों को थोपकर दबाव डालता है। ताइवान और तिब्बत को लेकर उसने बरसों से झगड़ा तो पैदा कर ही रखा है, भारत के अक्साई चिन-लद्दाख दर्रे और अरुणाचल प्रदेश को भी जबर्दस्ती विवादित विषय बनाया हुआ है जिसकी आड़ में जब तब मनमानी की कोशिशें भी करता रहता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हिंसक झड़पें और फिर लंबे समय तक सैन्य जमावड़ा भी उसने भारत को अर्दब में लेने के लिए किया पर भारत से बराबरी के जवाब और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फजीहत के बाद उसे पीछे हटना पड़ा। ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाने की शुरुआत भी इसी रणनीति का हिस्सा है जिस पर भारत को अभी से सतर्क होने तथा इसकी काट ढूंढनी जरूरी है। वह आगे चलकर किसी और भारतीय क्षेत्र पर भी दावा कर सकता है।

## शुरू से सख्ती हो

किसी आवश्यक काम के लिए योजना बनाना, उसे सही ढंग से पूरा करने के निर्देश जारी होना एक बात है और इनका अमल में आना अलग है। प्रदेश में सड़कों पर होने वाले हादसे अब कोई सामान्य समस्या नहीं हैं। अलग-अलग वजहों से ये हो रहे हैं जिनमें लोगों की जानें भी जा रही हैं। इन्हीं वजहों में काफी पहले पाया गया कि इन हादसों के पीछे सड़कों पर बने ब्लैक स्पॉट का दुरुस्त न होना भी प्रमुख कारण है। तब शासन ने सभी जिलों में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए ब्लैक स्पॉट दुरुस्त करने से लेकर हाईवे के किनारे वाहन खड़ा करने सहित तमाम उपायों पर काम करने की हिदायत दी थी। एक पखवाड़े पहले शासन की बैठक में पता चला कि लोनिवि के मार्गों पर चिन्हित करीब डेढ़ हजार ब्लैक स्पॉट ठीक नहीं किए गए हैं। इसके अलावा यातायात निदेशालय ने सड़क हादसे कम करने के लिए सभी जिलों से पांच साल की कार्ययोजना मांगी थी जिसके आधार पर पूरे प्रदेश को कवर करने की प्लानिंग तैयार की जा सके। यह काम भी पूरा नहीं हो सका है। इस बारे में अब शासन स्तर पर सख्ती करने का फैसला किया गया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या अब शासन का काम इस तरह चलेगा कि पहले निर्देश जारी हों, फिर उनके अमल में आने का इंतजार हो, इसके बाद भी काम न हो तब सख्ती के कदम उठाने की घोषणा की जाए। इसकी जगह यदि निर्देश जारी करने के साथ ही योजना पर मुस्तैदी के साथ काम शुरू करने की व्यवस्था बने तो गड़बड़ियों या काम की उपेक्षा से जो हादसे होते हैं, उनसे बचा न भी जा सके तो उनको कम किया ही जा सकता है। लेकिन ऐसा न होने का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। वर्तमान समय में तंत्र यदि शुरुआत से ही कड़ाई के साथ चौकसी न बरते तो काम चाहे जितना महत्वपूर्ण हो, उसका लटकना स्वाभाविक ही है। अगर यह एहसास न हो कि हमारे ऊपर निगाह रखी जा रही है और लापरवाही पर दंड मिलेगा तो सही ढंग से काम होना सुनिश्चित नहीं माना जा सकता। केवल यातायात ही नहीं, बल्कि सभी शासकीय कार्यों में अब यह रणनीति अपनाई जाए तो तमाम जरूरी योजनाएं सही ढंग से पूरी हो सकेंगी। अब केवल निर्देशों-आदेशों से ही काम नहीं चलेगा।

## कांव-कांव

♦♦♦

**संसद सत्र में विपक्ष को मिलेगा जवाब-रिजिजू**
पहलगाम के अपराधी पता नहीं कब मिलेंगे?
**प्रवर्तन निदेशालय कोई सुपरकॉप नहीं है-कोर्ट**
राजनीतिक आकाओं की ताबेदारी में हैं हुजूर!
**कारगिल संघर्ष से पहले हुई नवाज शरीफ वार्ता**
वही नवाज गणतंत्र दिवस पर चीफ गेस्ट थे!
**मेरे लिये पार्टी से पहले देशहित जरूरी-थरूर**
ऐसे सारे कांग्रेसी देशभक्त भाजपा में भरे हैं!
**तोड़फोड़ करने वाले कांवड़ियों पर सख्ती-योगी**
यही बात सुनने के लिये कान तरस रहे थे!
**सरकार को घेरने के लिये पूरा विपक्ष एकजुट**
सियासी बैंगनों से विपक्ष की थाली भरी हुई है!

♦♦♦

# संसद में हंगामा : समय-संसाधनों की बर्बादी

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष ने दोनों सदनों में पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

– डॉ. आशीष वशिष्ठ

की मांग करते हुए नारेबाजी की। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदुभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? लेकिन राहुल गांधी द्वारा अनाप-शनाप तरीके से ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना किसी के भी गले नहीं उतर रही है। वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है। ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट के आड़ में संसद को समय बर्बाद कर रहा है। विपक्ष अपने आलोचना धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान–सम्मान पर बेजा टीका–टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष–विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते करते देश के मान सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। और देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए।

मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिये करता है। 2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि, पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। अब हिंडनबर्ग के बारे में एक भी शब्द राहुल गांधी या विपक्ष का कोई नेता बोलता सुनाई नहीं देता। विपक्ष की राजनीतिक सोच और विचार का समर्थन करने वाला एक तथाकथित तबका देश में मौजूद है। ये लोग भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध के विरोध के लिए 'से नो टू वॉर' कह रहे थे वही लोग आज सीजफायर की खिल्ली उड़ा रहे हैं। अब यही लोग कह रहे हैं कि सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे झुक गई। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इरादे और जज्बे से कर रहे हैं। इनका मूल उद्देश्य यही है कि किसी भी तरह यह साबित कर सकें कि सीजफायर को स्वीकार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक कमजोर पीएम साबित किया जा सके। इस तरह की दोहरा रवैया देखकर वास्तव में हंसी आती है कि खुद को बुद्धिजीवी समझने वाले ये लोग आखिर चाहते क्या हैं? इस साल बजट सत्र में राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी 119 प्रतिशत, जबकि लोकसभा की 118 प्रतिशत रही। विपक्ष ने नई शिक्षा नीति, मणिपुर के हालात और बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल पूछे थे। इस दौरान कुल 16 बिल पास हुए। जट सत्र के आंकड़े भले थोड़े अच्छे दिख रहे हों, पर आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। लेकिन बजट सत्र के विपरीत शीतकालीन सत्र में संसद के बहुमूल्य समय और संसाधन नष्ट हुए। 18वीं लोकसभा का शीतकालीन सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन लोकसभा और राज्यसभा में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। सत्र के दौरान लोकसभा की प्रोडक्टिविटी 57.87 प्रतिशत, राज्यसभा में 41 प्रतिशत रही। संविधान पर चर्चा के दौरान लोकसभा में 16 घंटे जबकि राज्यसभा में 17 घंटे बहस हुई। वहीं, लेजिस्लेटिव थिंक टैंक पीआरएस इंडिया के अनुसार 20 दिनों की कार्यवाही में से लोकसभा में 12 दिन प्रश्न काल 10 मिनट से ज्यादा नहीं चल सका। शीत सत्र उदाहरण है, जब लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप लगातार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने दोनों पड़ोसियों में शांति कराई। अब तो उन्होंने यह भी दावा कर दिया है कि संघर्ष में कुछ जेट गिरे थे। सरकार पर स्थिति स्पष्ट करने का दबाव होगा। इसी तरह, चुनाव आयोग का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी सर केवल वोटिंग लिस्ट की समीक्षा तक सीमित नहीं रह गया है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने भी सर की टाइमिंग को सही नहीं माना है, तो सरकार को कुछ कठिन प्रश्नों का सामना करना पड़ सकता है। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा। राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधाराओं के हो सकते हैं, मगर सदन का अच्छी तरह चलना सभी की जिम्मेदारी है। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है। उम्मीद करनी चाहिए कि हमारे प्रतिनिधि संसद के चालू सत्र में हंगामा करके राजनीति चमकाने और सस्ती लोकप्रियता बटोरने की बजाय संसद के बहुमूल्य समय और संसाधनों का सकारात्मक और सार्थक उपयोग करेंगे।

## प्रेमचंद की कहानियां

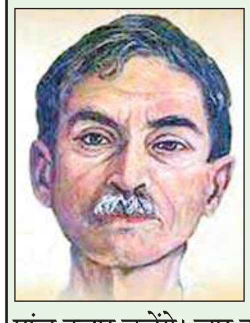

### मृतक-भोज

लेकिन सन्तलाल की फरियाद पर किसी ने ध्यान न दिया। मकान की बातचीत अब नहीं टाली जा सकती थी। बाजार मंदा है। 30 हजार से बेसी नहीं मिल सकते, 25 हजार तो कुबेरदास के हैं। पांच हजार बचेंगे। चार हजार गहनों से आ जायेंगे। इस तरह 9 हजार में बड़ी किफायत से ब्रह्मभोज और बिरादरी-भोज दोनों निपटा दिये जायेंगे।

सुशीला ने दोनों बालकों को सामने करके करवद्ध होकर कहा-पंचों, मेरे बच्चों का मुंह देखिए, मेरे घर में जो कुछ है, वह आप सब ले लीजिए, लेकिन मकान छोड़ दीजिए- मुझे कहीं ठिकाना न मिलेगा। मैं आपके पैरों पड़ती हूं मकान इस समय न बेचें।

इस मूर्खता का क्या जवाब दिया जाय। पंच लोग तो खुद चाहते थे कि मकान न बेचना पड़े। उन्हें अनाथों से कोई दुश्मनी नहीं थी; किन्तु बिरादरी का भोज और किस तरह किया जाय। अगर विधवा कम-से-कम पांच हजार रु. का जोगाड़ और कर दे, तो मकान बच सकता है, पर वह ऐसा नहीं कर सकती तो मकान बेचने के सिवा और कोई उपाय नहीं है।

कुबेर ने अन्त में कहा-देख बाई, बाजार की दशा इस समय खराब है। रुपये किसी से उधार नहीं मिल सकते। बाल-बच्चों के भाग में लिखा होगा, तो भगवान और किसी हीले से देगा। हीले रोजी, बहाने मौत। वाल-बच्चों की चिन्ता मत कर। भगवान जिसको जन्म देते हैं, उसकी जीविका की जुगत पहले ही से कर देते हैं। हम तुझे समझाकर हार गये। अगर तू अब भी अपना हठ न छोड़ेगी, तो हम बात भी न पूछेंगे। फिर यहां तेरा रहना मुश्किल हो जायेगा। शहर वाले तेरे पीछे पड़ जायेंगे।विधवा सुशीला अब और क्या करती। पंचों से लड़कर वह कैसे रह सकती थी। पानी में रहकर मगर से कौन बैर कर सकता है। घर में जाने के लिए उठी पर वहीं मूर्छित होकर गिर पड़ी।

क्रमशः...

## ।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

**अनृत साहस मूढता, कपटरु कृतघन आइ ।**
**निरदयतारु मलीनता, तियमें सहज रजाइ ॥**

झूठ बोलना, एकाएक कोई काम कर बैठना, नखरे करना, मूर्खता करना, ज़्यादा लालच रखना, अपवित्र रहना और निर्दयता का बर्ताव करना ये स्त्रियों के स्वाभाविक दोष हैं।

♦♦♦

# राष्ट्रीय ध्वज दिवस : तिरंगे के आदर्शों को जीने का संकल्प

भारत के इतिहास में 22 जुलाई 1947 का दिन एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित है, जब संविधान सभा ने तिरंगे को देश के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया। यह ध्वज केवल एक

– डॉ. आर.के. जैन 'अरिजीत'

प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता, एकता, विविधता और गौरव का जीवंत चित्र है। इस दिन को राष्ट्रीय ध्वज दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतीय को न केवल अपने इतिहास से जोड़ता है, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। तिरंगे के प्रत्येक रंग और बीच में स्थित अशोक चक्र में भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और नैतिक भावनाएं समाहित हैं, जो इसे विश्व के अन्य ध्वजों से विशिष्ट बनाती हैं। यह ध्वज हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है, जो स्वतंत्रता संग्राम की गाथा, बलिदानों और एकता की भावना को अपने में समेटे हुए है। तिरंगे का डिज़ाइन स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी विचारक पिंगली वेंकय्या की देन है। आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में जन्मे वेंकय्या एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक भाषाविद्, भूविज्ञानी और किसान भी थे। 1916 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज पर एक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने विभिन्न देशों के ध्वजों का अध्ययन करने के बाद भारत के लिए एक उपयुक्त ध्वज की आवश्यकता पर बल दिया। 1921 में, उन्होंने महात्मा गांधी को अपना डिज़ाइन प्रस्तुत किया, जिसमें केसरिया, सफेद और हरे रंग के साथ बीच में चरखा था। यह चरखा स्वदेशी आंदोलन और आत्मनिर्भरता का प्रतीक था। हालांकि, समय के साथ चरखे की जगह सम्राट अशोक के धर्म चक्र ने ले ली, जिसे 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने अंतिम रूप से स्वीकार किया। वेंकय्या का यह योगदान भारतीय इतिहास में अमर है, क्योंकि उनके द्वारा रचित ध्वज आज भी भारत की शान बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय ध्वज का डिज़ाइन भारतीय संस्कृति और मूल्यों का एक सुंदर समन्वय है। इसके तीन रंग और अशोक चक्र न केवल सौंदर्यपूर्ण हैं, बल्कि गहरे अर्थों से युक्त भी हैं। सबसे ऊपर का केसरिया रंग साहस, बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक है। यह उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। मध्य में सफेद रंग शांति, सत्य और अहिंसा का प्रतीक है। यह रंग भारत के आध्यात्मिक चरित्र और महात्मा गांधी के अहिंसक संघर्ष को दर्शाता है, जिसने विश्व को सत्य और शांति का पाठ पढ़ाया। सबसे नीचे का हरा रंग समृद्धि, विकास और प्रकृति के प्रति भारत के गहरे लगाव को दर्शाता है। भारत की कृषि परंपरा और पर्यावरण के प्रति सम्मान इस रंग में झलकता है। ध्वज के केंद्र में नीले रंग का अशोक चक्र इसकी आत्मा है। सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित यह चक्र 24 तीलियों से युक्त है, जो समय की निरंतरता, प्रगति और कर्म के महत्व को दर्शाता है। प्रत्येक तीली जीवन के 24 घंटों का प्रतीक मानी जा सकती है, जो यह सिखाती है कि कर्म और प्रगति निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। यह चक्र न केवल भारत के गौरवशाली अतीत को दर्शाता है, बल्कि कानून के शासन और संवैधानिक मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार, यह चक्र सारनाथ के अशोक स्तंभ से प्रेरित है, जो अशोक के बौद्ध धर्म अपनाने और शांति के प्रचार का प्रतीक है। इस प्रकार, तिरंगा न केवल भारत की स्वतंत्रता की कहानी कहता है, बल्कि इसके नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी विश्व के सामने प्रस्तुत करता है। तिरंगे का महत्व केवल इसके रंगों और प्रतीकों तक सीमित नहीं है। यह ध्वज स्वतंत्रता संग्राम के उन अनगिनत आंदोलनों का

साक्षी है, जिनमें लाखों भारतीयों ने हिस्सा लिया। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1947 तक, तिरंगे के विभिन्न रूपों ने स्वतंत्रता सेनानियों को एकजुट किया। 1931 में, जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तिरंगे को अपने आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया, तब यह स्वतंत्रता की आकांक्षा का प्रतीक बन गया। 15 अगस्त 1947 को, जब जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली के लाल किले पर पहली बार तिरंगा फहराया, तब यह ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की नवजात स्वतंत्रता का परिचय बन गया। राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित नहीं है। यह हर भारतीय के जीवन का हिस्सा है। स्कूलों में सुबह की प्रार्थना के दौरान, सरकारी भवनों पर, खेल आयोजनों में, और यहां तक कि अंतरिक्ष में भी तिरंगा भारत की शान बढ़ाता है। 2004 में, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-1 मिशन के तहत चंद्रमा की सतह पर तिरंगे का प्रतीक अंकित किया, तब यह ध्वज भारत की वैज्ञानिक प्रगति का भी प्रतीक बन गया। सैन्य परेडों में, जब सैनिक तिरंगे को सलामी देते हैं, तो यह ध्वज उनके बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक बनता है। 2002 में, भारत सरकार ने ध्वज संहिता में संशोधन करके आम नागरिकों को तिरंगे को सम्मानपूर्वक फहराने की अनुमति दी। यह निर्णय तिरंगे को जनसामान्य के और करीब लाया। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के इस ऐतिहासिक फैसले ने तिरंगे को एक सरकारी प्रतीक से जनता का प्रतीक बना दिया। अब हर स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, और अन्य राष्ट्रीय अवसरों पर लाखों भारतीय अपने घरों और कार्यस्थलों पर तिरंगा फहराते हैं। ध्वज संहिता के अनुसार, तिरंगे को हमेशा सम्मान के साथ फहराया जाना चाहिए, और इसे कभी भी जमीन पर नहीं छूना चाहिए। यह नियम तिरंगे के प्रति भारतीयों के सम्मान और गर्व को दर्शाता है। राष्ट्रीय ध्वज दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना की स्मृति नहीं है, बल्कि यह एक अवसर है अपने राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और गर्व को पुनर्जनन करने का। यह दिन हमें उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर देता है, जिन्होंने तिरंगे को आजादी का प्रतीक बनाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई जैसे वीरों की कहानियां तिरंगे की लहरों में बसती हैं। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि तिरंगा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि भारत की एकता, विविधता और प्रगति की जीवंत कहानी है।

## प्रेरक प्रसंग

### सच्चा राजा

एक बड़ा महत्वाकांक्षी राजा था। उसने छोटे-बड़े बहुत-से राज्य जीते। चारों ओर उसकी दुंदुभि बजने लगी। मारे अहंकार के उसका दिमाग आसमान पर चढ़ गया। वह मानने लगा कि उसके मुकाबले का कोई भी राजा नहीं है।

एक बार की बात है। वह छोटे-छोटे राज्यों को जीतकर अपने देश को लौट रहा था। रास्ते में एक गांव पड़ा। वहां उसने देखा कि एक साधु अपनी कुटिया के पास बैठा मस्ती से गा रहा है। उसकी मस्ती को देखकर राजा वहां रुक गया।

उसने साधु से पूछा, तुम कौन हो ?

साधु ने कहा, राजा!

राजा ने यह सुनकर सोचा कि शायद साधु ने उसके सवाल को ठीक से सुना नहीं। कहां फकीर और कहां राजा! उसने अपने सवाल को दोहराया, तुम कौन हो ?

उत्तर वही मिला, राजा।

राजा ने कहा, राजा के पास तो राज्य और खजाना होता है। तुम्हारा राज्य और खजाना कहां है ?

साधु ने राजा की ओर देखा। फिर बोला, देखो, मैंने अपने मन को जीत लिया है। इसलिए मेरा मन मेरा राज्य है। जहांतक खजाने की बात है, प्रकृति ने चारों ओर खजाना-ही-खजाना फैला रखा है। वह सब मेरा ही तो है।

राजा ने समझा कि उसका कहना सही था। राज्यों को जीतना आसान है, पर मन को जीतना कठिन है। इसलिए सच्चा राजा मैं नहीं, वह साधु है।

## आपका पत्र मिला

### संसद की गरिमा बनाए रखने के लिए सख्त नियम बनें

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संसद है। यही वह मंच है जहाँ देश के भविष्य को आकार देने वाले कानून बनते हैं, नीतियों पर विमर्श होता है और जनहित की आवाजें गूंजती हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, वर्तमान में संसद सिर्फ हंगामों और बहिष्कारों का प्रतीक बनती जा रही है। मानसून सत्र जैसे अहम अवसर भी शोर-शराबे की भेंट चढ़ जाते हैं। यह स्थिति न तो लोकतंत्र के लिए शुभ है, न राजनीति के लिए और न ही देश की जनता के लिए। आज संसद की कार्यवाही पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। सांसदों को मोटा वेतन, पेंशन, आवास और अनेक सुविधाएं मिलती हैं। लेकिन जब संसद में कानून निर्माण, जनहित के मुद्दों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा की बजाय राजनीतिक दांवपेच, आरोप-प्रत्यारोप और अराजकता का माहौल बनता है, तो यह सीधा-सीधा जनता के साथ विश्वासघात है। जनता जिन्हें चुनकर संसद में भेजती है, वही जनप्रतिनिधि यदि अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाएं, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होती हैं। विपक्षी दलों का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक आलोचना और सुझाव देना भी है। लेकिन जब विपक्ष का उद्देश्य केवल हंगामा करना हो और सत्ता पक्ष भी उन्हें उकसाने में जुटा हो, तो संसद विचार-विमर्श की जगह अखाड़ा बन जाती है। इससे न केवल विधायी प्रक्रिया का अपमान होता है, बल्कि लोकतंत्र की गंभीरता भी घटती है। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद की गरिमा को बनाए रखने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएं। सांसदों को वेतन, भत्ता और सुविधाएं उनकी उपस्थिति और सार्थक भागीदारी के आधार पर दी जाएं। जो नियमों का उल्लंघन करें, उन्हें अयोग्य घोषित किया जाए। यही लोकतंत्र को मजबूत करेगा और संसद को एक सच्चे विचार मंच के रूप में पुनः स्थापित करेगा।

**विभूति बुपक्या**
**वाया ई-मेल**

**इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।**
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**
**स्वतंत्र भारत**
**1, जॉपलिंग रोड,**
**लखनऊ-226001**
*E-mail : swatantrabharat77@gmail.com*

# कल मनाई जाएगी सावन शिवरात्रि

एक वर्ष में एक महाशिवरात्रि और 11 शिवरात्रियां पड़ती हैं, जिन्हें मासिक शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। मासिक शिवरात्रि हर माह में एक बार आती है। इस तरह से 12 शिवरात्रि होती हैं। हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर शिवरात्रि मनाई जाती है, जिसे मासिक शिवरात्रि कहा जाता है। मान्यता है कि मासिक शिवरात्रि का व्रत करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं श्रावण मास में पड़ने वाली शिवरात्रि को सावन शिवरात्रि या श्रावण शिवरात्रि कहा जाता है। श्रावण का पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित है और उनकी पूजा के लिए शुभ होता है। इसलिए, श्रावण मास में पड़ने वाली शिवरात्रि को भी अत्यंत शुभ माना जाता है।

पंचांग के अनुसार सावन माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई 2025 को सुबह 4:39 बजे से होगी और यह तिथि अगले दिन 24 जुलाई को रात 2:28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार सावन शिवरात्रि का व्रत 23 जुलाई, बुधवार को रखा जाएगा।

**चार प्रहरों की पूजा का महत्व-** शिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहरों की पूजा का विशेष विधान है। भक्त रात्रि के प्रत्येक प्रहर में अलग-अलग सामग्रियों से शिव का रुद्राभिषेक करते हैं। जल, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। प्रत्येक पहर में शिव को अलग भोग, फूल और मंत्र अर्पित किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह पूरी रात्रि जागरण और पूजा, भक्त की सारी बाधाओं को दूर करती है और विशेष पुण्य की प्राप्ति कराती है। रात्रि को चार प्रहरों में बांटा गया है और शिवरात्रि की पूजा हर प्रहर विशेष विधि से की जाती है। चारों पहरों की पूजा का मुख्य उद्देश्य है शिव के चार रूपों और गुणों की साधना और रात्रि के प्रत्येक भाग में आत्मा को शुद्ध करते हुए शिव में लीन होना। असल में, रात का हर पहर हमारी भीतर की एक अवस्था दर्शाता है, जैसे कि शरीर, मन, आत्मा और ब्रह्म (परमात्मा)। इन चार पहरों में शिव की चार पद्धतियों से आराधना करने पर साधक को पूर्णता प्राप्त होती है।

लिंग पुराण में कहा गया है कि शिवरात्रि के दिन, विशेषकर श्रावण मास में, उपवास, रात्रि जागरण और शिवलिंग पर बेलपत्र, जल, दुग्ध अर्पित करने से सौभाग्य, दीर्घायु और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी पुराण में एक कथा मिलती है जिसमें चांडाल द्वारा अनजाने में शिवरात्रि के दिन बेलपत्र चढ़ाने से मोक्ष प्राप्त हुआ। सावन शिवरात्रि की रात्रि को 'निशीथ काल' में शिवपूजन का विशेष महत्व है। निशीथ काल, अर्थात मध्यरात्रि में, जब शिव तांडव में लीन होते हैं, उस समय शिवाभिषेक, महामृत्युंजय जाप से विशेष सिद्धियाँ प्राप्त होती हैं।

अग्नि पुराण में कहा गया है कि -**'श्रावणस्य तु मासे तु शिवार्चनं विशेषतः। सर्वकामसमृद्ध्यर्थं भवत्येव न संशयः॥'** - अर्थात, श्रावण मास में शिव का पूजन निश्चित ही सर्वकामनाओं की पूर्ति करता है।

**सावन शिवरात्रि पर शिव पूजा की विधि** – सुबह स्नान कर व्रत का संकल्प लें।

गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और पंचामृत और जल से शिवलिंग का अभिषेक करें.

बेलपत्र, भांग, धतूरा, सफेद फूल, चंदन, फल और धूप-दीप अर्पित करें।

**नमः शिवाय** या 'महामृत्युंजय मंत्र' का जाप करें।

5. रात्रि जागरण करें।

रातभर शिव भजन, स्तोत्र या शिव पुराण का पाठ करें।

# शिव जी के दर्शन पाने के लिए करें शिवपुराण के ये उपाय

यूं तो कहा जाता है कि शिव जी अपने भक्तों से बहुत जल्दि प्रसन्न हो जाते हैं, लेकिन फिर भी शिवजी के दर्शन पाना बड़े बड़े ऋषि मुनियों और साधकों के लिए भी कठिन माना जाता है। दरअसल, शिवपुराण के रुद्र संहिता में कुछ ऐसे उपायों के बारे में बतया गया हैं, जो न केवल भगवान शिव के दर्शन पाने में सफलता दिला सकते हैं, बल्कि इन्हें अपनाने से हर कामना भी पूर्ण होती है, आइए जानते हैं कि रुद्र संहिता के उपायों के बारे में, जिनसे भगवान शिव के दर्शन प्राप्त हो सकते हैं और मनोकामना पूर्ण होती है।

**शिव पुराण के उपाय**

सावन का महीना भगवान शिव को प्रिय होता है। इस माह में की गई आराधना, जप और पूजन का फल कई गुणा बढ़ जाता है। शिवपुराण के रुद्र संहिता के अनुसार भगवान शिव की पूजा और साधना से हर कामना पूर्ण होती है। वहीं शिव जी के दर्शन प्राप्त करने के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जप करना चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र के जप से कई लाभ मिलते हैं, आइए जानते हैं कि शिवजी के दर्शन पाने के लिए क्या करना चाहिए।

**पूर्व जन्म को जानने के उपाय और मंत्र**

रुद्र संहिता में बताया गया है कि जो लोग श्रद्धाभाव से भगवान शिव की आराधना करते हैं और ध्यान लगाकर 1 लाख बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करता है उसके पूर्वजन्मों के पाप मिट जाते हैं। वहीं 2 लाख बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करने से व्यक्ति को पूर्व जन्म का ध्यान आ जाता है।

**कामना पूर्ति के उपाय**

शिव पुराण के अनुसार जो लोग महामृत्युंजय मंत्र का 3 लाख बार जप करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। वहीं जो भक्त 4 लाख बार महामृत्युंजय मंत्र का जप कर लेता है उसे भोलेनाथ स्वयं सपने में दर्शन देते हैं, जो बेहद दुर्लभ माना गया है। सपने में भी शिवजी के दर्शन जीवन की सभी समस्याओं को खत्म कर देता है।

**शिव दर्शन पाने के उपाय**

शिव पुराण में वर्णन है कि जो महामृत्युंजय मंत्र का 5 लाख जप करता है, भगवान शिव उसके समक्ष प्रकट होते हैं और दर्शन देते हैं। इसके अलावा जो लोग 10 लाख बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करते हैं, वह शिव लोक में स्थान पाने योग्य बन जाता है। ऐसे व्यक्ति के लिए मोक्ष पाना सुलभ हो जाता है।

**सुख वैभव पाने के लिए शिवपुराण के उपाय**

शिवपुराण के रुद्र संहिता में बताया गया है कि जो 1 लाख शमी के पत्तों से शिवजी की उपासना करता है वह भी मोक्ष को प्राप्त करता है। 1 लाख बेलपत्र पर ओम नमः शिवाय लिखकर शिवजी को अर्पित करने से संसार में सब कुछ सुलभ हो जाता है और हर सुख वैभव की प्राप्ति होती है।

**शिव चालीसा का पाठ करें**-सावन के महीने में शिव चालीसा का पाठ करना बहुत ही शुभ और लाभकारी साबित होता है।

**6- सावन में दान-पुण्य और नंदी को हरा चारा खिलाएं**-सावन में गरीबों को भोजन करवाना और दान-पुण्य करना बहुत ही फलदायी होता है। इसके अलावा सावन के महीने में नंदी को हरा चारा भी खिलाएं। श्रावण माह के अन्य उपाय

जिन लोगों को कार्यों में लगातार असफलता मिलती हो और मन की इच्छाएं न पूरी हो पा रही हो तो सावन के महीने में हर रोज 11 या 21 बेलपत्र ले लें। इस पर चंदन से **नमः शिवाय** लिखकर इस शिवलिंग पर चढ़ा दें।

आर्थिक परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए सोमवार के दिन भोलेनाथ को गन्ने के रस से अभिषेक करें और माता पार्वती को खीर का भोग लगाएं। इसे जीवन में धन की कमी दूर होगी। दांपत्य जीवन में होने वाली परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए पति और पत्नी को मिलकर पंचामृत से शिवलिंग का अभिषेक करें। इस दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

# अमावस्या पर पितरों को प्रसन्न करने के लिए करें यह पाठ

इस वर्ष सावन अमावस्या का शुभ पर्व 24 जुलाई, गुरुवार को मनाया जाएगा। इसे हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन का विशेष महत्व पितरों की शांति और कृपा प्राप्त करने के लिए होता है। प्रातः स्नान करके व्यक्ति पितरों को प्रसन्न करने हेतु तर्पण, दान, और श्राद्ध आदि करता है। माना जाता है कि इन कर्मों से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और वे परिवार को आशीर्वाद देते हैं। इसके लिए स्नान और दान के बाद पितृ सूक्तम् का पाठ अवश्य करें। यह पाठ पितरों को संतुष्ट करता है और उनकी कृपा प्राप्त होती है।

**पितृ सूक्तम् के पाठ से मिलने वाले लाभ**

यह पाठ पितृ दोष को शांत करता है, जिससे संतान से जुड़ी समस्याएं, विवाह में रुकावटें और पूर्वजों के श्राप से छुटकारा मिलता है। नियमित रूप से इस पाठ को करने से घर के वातावरण में सकारात्मकता आती है और तनाव दूर होता है। माना जाता है कि यह पाठ पितरों को मोक्ष की ओर अग्रसर करता है और उनकी आत्मा को सुकून मिलता है। जब पितर प्रसन्न होते हैं, तो वे अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं और उनकी नई पीढ़ी को सफलता का मार्ग दिखाते हैं।

# हरियाली तीज पर महिलाएं क्यों करती हैं सोलह श्रृंगार?

हरियाली अमावस्या, जिसे सावन अमावस्या भी कहा जाता है, सावन मास की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पावन तिथि है। यह अमावस्या सावन की शिवरात्रि के ठीक अगले दिन आती है, इसलिए इसका आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ जाता है। हिंदू धर्म में अमावस्या को विशेष रूप से पितृ तर्पण और नवग्रह शांति के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए श्राद्ध और तर्पण कर्म किए जाते हैं, जिससे पितृओं की आत्मा को शांति मिलती है और परिवार में समृद्धि का वास होता है।

**हरियाली अमावस्या का शुभ मुहूर्त**

सावन मास की अमावस्या तिथि आरंभ 24 जुलाई, प्रातः 2:29 बजे से सावन मास की अमावस्या तिथि समाप्त 25 जुलाई, रात्रि 12:41 बजे उदया तिथि के अनुसार, 24 जुलाई को हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी।

**शुभ योग**

**गुरु पुष्य योग-** यह योग ज्ञान, समृद्धि और धार्मिक प्रगति का संकेत है।

**सर्वार्थ सिद्धि योग-**यह योग सभी प्रकार के कार्यों में सफलता और सिद्धि का योग होता है।

**अमृत सिद्धि योग-** यह योग स्वास्थ्य, दीर्घायु और समृद्धि लाने वाला योग माना जाता है।

**इसलिए किया जाता है श्रृंगार**

हरियाली तीज के खास अवसर पर सुहागिन महिलाएं सुबह स्नान कर साफ वस्त्र धारण करती हैं और सूर्य देव को जल अर्पित करती हैं और सोलह श्रृंगार करती हैं। इसके बाद व्रत का संकल्प लेती हैं और देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना करती हैं। हरियाली तीज के दिन श्रृंगार करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से मां पार्वती प्रसन्न होती हैं। साथ ही माता पार्वती साधक पर अपनी कृपा प्रदान करती हैं। इसी वजह से हरियाली तीज पर सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं, जिससे अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अगर आप इस दिन किसी कारण से श्रृंगार नहीं कर पा रही हैं, तो नए वस्त्र अवश्य धारण करें और मेहंदी, चूड़ी, बिंदी और सिंदूर से श्रृंगार करें।

**कुवारी कन्याओं के लिए मंत्र**

**हे गौरी शंकरार्धांगी। यथा त्वं शंकर प्रिया। तथा मां कुरु कल्याणी, कान्त कान्तां सुदुर्लभाम।।**

**हरियाली अमावस्या का महत्व**

सावन मास का समय अपने आप में बहुत खास होता है क्योंकि इस दौरान चारों तरफ हरियाली छा जाती है। बारिश की वजह से मौसम खुशनुमा और सुहावना हो जाता है, जिससे पेड़-पौधों में ताजगी और जीवन की नयी चमक देखने को मिलती है। इसी कारण से सावन की अमावस्या को हरियाली अमावस्या के नाम से जाना जाता है। इस पावन दिन का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व बहुत बड़ा है। सबसे पहले तो इस दिन पितरों की पूजा और तर्पण करना अत्यंत शुभ माना जाता है, जिससे पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही, नवग्रह शांति पूजा भी इस दिन विशेष रूप से की जाती है, जिससे ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं । और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

# पूजा के दौरान महिलाएं क्यों ढकती हैं सिर

सदियों से चली आ रही सिर ढकने की परंपरा हमारे समाज में धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिकता से गहराई से जुड़ी हुई है। चाहें वह मंदिर हो या घर, पूजा-पाठ के दौरान सिर ढकना एक आम प्रथा है। वैसे तो हमारे देश में आमतौर पर महिलाएं सिर ढकती हैं मगर पूजा के समय सिर ढकने की विशेष मान्यता होती है। कुछ दुपट्टा का इस्तेमाल करती हैं तो वहीं कुछ औरतें अपने साड़ी के पल्लू से अपना सिर ढकती हैं। इन सब के बीच में एक जरूरी बात ये है पूजा के समय कि सिर्फ महिलाएं ही सिर नहीं ढकती हैं बल्कि पुरुष भी ढकते हैं। साथ ही ध्यान देने वाली बात ये भी है कि ये प्रथा सिर्फ हिंदू धर्म में ही नहीं है बल्कि अन्य धर्मों में भी इससे मिलते जुलते नियमों का पालन किया जाता है। लगभग हर धर्म में भगवान की पूजा के दौरान सिर ढकना जरूरी होता है। सिर ढकने के बाद ही भगवान की पूजा शुरू की जाती है। किसी भी प्रथा को बनने के पीछे कोई न कोई कारण और फायदा होता है। आइए आज के इस लेख पूजा करते समय सिर ढकने के महत्व के बारे में जानते हैं।

**सिर ढकने का महत्व :** सिर ढकना किसी भी देवता या बड़े व्यक्ति के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि हम उनके सामने विनम्र हैं और उनका सम्मान करते हैं। मान्यता है कि सिर ढकने से नकारात्मक ऊर्जा हमारे पास नहीं आ पाती है। यह एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है और हमें नकारात्मक प्रभावों से बचाता है। सिर ढकने से सकारात्मक ऊर्जा हमारे आसपास फैलती है और हमें शांति और सुकून मिलता है। साथ ही सिर ढकने से हमारा ध्यान एकाग्र होता है और हम पूजा-पाठ में पूरी तरह से डूब जाते हैं। अलग अलग धर्मों में सिर ढकने के पीछे अलग-अलग धार्मिक मान्यताएं हैं। कुछ धर्मों में माना जाता है कि सिर में आत्मा का वास होता है और इसे ढककर हम आत्मा की रक्षा करते हैं।

**सिर ढकने के तरीके :** महिलाएं आमतौर पर दुपट्टा से अपना सिर ढकती हैं। साड़ी पहनने वाली महिलाएं साड़ी के पल्लू से अपना सिर ढकती हैं। पुरुष पगड़ी पहनकर अपना सिर ढकते हैं। कई बार पुरुष सिर ढकने के लिए टोपी का भी इस्तेमाल करते हैं।

# सत्ता सुख , राज सत्ता के लिए सावन में धारण करें ये रुद्राक्ष

-राजीव आचार्य
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुशास्त्री

रुद्राक्ष अर्थात स्वयं भगवान शिव स्वरूप आशीर्वाद। रुद्राक्ष का वर्णन अनेकों पुराणों , उपनिषदों में मिलता है जैसे शिवपुराण, पद्मपुराण, श्रीमद्भागवतपुराण, आदि । पिछले अंकों में हमने आपको एकमुखी रुद्राक्ष से ग्यारहमुखी रुद्राक्ष को धारण करने के लाभ पर चर्चा की । इस अंक में हम आपको बारहमुखी , तेरहमुखी और चौदहमुखी रुद्राक्ष के विषय में बताएंगे।

**1 – बारहमुखी रुद्राक्ष-** द्वादशमुखी रुद्राक्ष को सूर्यदेव का आशीर्वाद प्राप्त मन जाता है । पद्मपुराण के अनुसार इसको धारण करने वाला भय और रोग से मुक्ति पाता है । यह रुद्राक्ष भक्ति को सूर्य की तरह तेजस्वी बनाता है ।शिवपुराण के अनुसार बारहमुखी रुद्राक्ष धारण करने से मस्तक पर बारहो आदित्य विराजमान हो जाते हैं। ज्योतिष के अनुसार यदि व्यक्ति सरकारी सर्विस में है और उसके के अधीनस्थ कर्मचारी व्यक्ति के नियंत्रण में नही है , जातक को अपने भीतर ऊर्जा की कमी महसूस होती है, अथवा जातक को हृदय सम्बन्धी कोई कठिनाई है , व्यक्ति के अपने पिता के साथ सम्बन्ध अच्छे नही है तो ऐसे व्यक्ति के लिए यह रुद्राक्ष अत्यंत लाभकारी है । शासकीय अधिकारी , व्यापारी और राजनेता यदि इसे धारण करते है तो उन्हें सरकार , सत्ता से सपोर्ट मिलता है । शिवपुराण के अनुसार इसे ? नमः के जप के साथ धारण कर सकते है।

**2 – तेरहमुखी रुद्राक्ष-** तेरह मुखी रुद्राक्ष विश्वदेवो का स्वरूप है । इसे कामदेव का भी आशीर्वाद प्राप्त है ।इसको धारण करने से मनुष्य सौभाग्य और मंगललाभ प्राप्त करता है। उसकी सभी कामनाएं पूर्ण होती है । श्रीमद्भदेवीभागवत पुराण के अनुसार त्रयोदशीमुखी रुद्राक्ष महालक्ष्मी से शासित है । यदि इस रुद्राक्ष को धारण कर महालक्ष्मी जी की पूजा की जाए तो अनेक प्रकार के लाभ प्राप्त होते हैं।महालक्ष्मी जी की कृपादृष्टि बनाये रखने के लिये यह अत्यंत लाभकारी है। शिव पुराण के अनुसार त्रयोदशीमुखी रुद्राक्ष को ? ह्रीं नमः के जाप के साथ इसे पहनना अत्यंत शुभ है।

**3 – चौदहमुखी रुद्राक्ष** – चौदहमुखी रुद्राक्ष को परम् शिवरूप माना गया है। शिवपुराण के अनुसार जो मनुष्य इसे भक्तिभाव से मस्तक पर धारण करता है उसके समस्त पापो का नाश हो जाता है। ज्योतिष के अनुसार यदि आप शनि ग्रह से पीड़ित है , भयानक संकट में है , अथवा बार बार अस्पताल जाना पड़ रहा है तो चौदहमुखी रुद्राक्ष धारण करने से अत्यंत लाभ प्राप्त होता है । शनि की साढ़ेसाती या कालसर्प दोष से ग्रस्त व्यक्ति को इसे धारण करने से लाभ होता है । शिवपुराण के अनुसार इसे **नमः** के 108 जाप के साथ धारण किया जाना चाहिये।

**अगले अंक में हम आपको कुछ अन्य महत्वपूर्ण रुद्राक्ष के विषय में बताएंगे।**

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

**दैनिक पंचांग लखनऊ**

**मंगलवार, 22 जुलाई 2025**

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके 1947 श्री सूर्य दक्षिण अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते वर्षा ऋतौ श्रावण मासोत्तमे कृष्ण पक्षे द्वादशी तिथौ मंगल वासरे 07/06/ मृगशिरा नक्षत्रे 19/25/ ध्रुव योग 15/32/ तैतिल करणे 07/06/ मिथुन राशिगत चन्द्रमा घं.08मि.15पर।

**व्रत एवं त्योहार-** भद्रा प्रराम्भ घं.28मि.40से। प्रदोष व्रत। 13 तिथी क्षय।

| | |
|---|---|
| **मेष :** महात्व के कार्य समय रहते बना ले। व्यर्थ की आशंका से मन अस्थिर रहेगा। कुछ संयम से काम लेने में ही समझदारी होगी। | **तुला :** कारोबारी विषमता दूर होंगी। धन प्राप्ति का मार्ग बनेगा। सम्मान प्राप्ति होगी। चोट का भय रहेगा। |
| **वृष :** अनावश्यक विवादों को टालें। व्यर्थ की भ्रमण प्रियता रहेगी। कारोबारी अभ्युदय होगा। पुरानी समस्याओं का निवारण होगा। | **वृश्चिक :** परिवार जनों का सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहित निर्णय में टाल मटोल ठीक नहीं है। नए परिचयों के प्रति आकांक्षा रहेगी। |
| **मिथुन :** बुद्धि चतुर से उत्तम धन लाभ होगा। संयम एवं धैर्य से कार्य के होने की संभावना है। यात्रा का योग है। | **धनु :** गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। |
| **कर्क :** यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद एवं लाभकारी रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रगति के योग बनेंगे। | **मकर :** जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा। धन सम्मान में वृद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन आवश्यक है । |
| **सिंह :** रुके कार्यों में प्रगति होगी। रचनात्मक कार्यों पर खर्चा होगा। शुत्र परास्त होगा। व्यापारिक उलझनें यथावत रहेंगी। | **कुंभ :** व्यर्थ की उलझने रहेगी। यात्रा की स्थिति सुखद एवं लाभकारी होगी। व्यस्तता अधिक होगी। |
| **कन्या :** खेद और ग्लानि का वातावरण समाप्त होगा और अपनी स्थिति के अनुसार मान-सम्मान का ख्याल रखे। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा। | **मीन :** ज्ञान विज्ञान की वृद्धि होगी तथा कुछ बौद्धिक चिंतन पैदा होंगे। परिश्रम से ही महान कार्य सिद्ध होंगे। |

## उसरगांव में वाणिज्यिक मेगा कैम्प में 16 मामलों का निस्तारण - एसडीओ

कालपी(जालौन)। शासन की मनसा के अनुरूप उत्तर प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन ने उपभोक्ताओं सभी प्रकार की समस्याओं के त्वरित्व निस्तारण के लिये सोमवार को कालपी उपखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उसरगांव में एसडीओ धर्मेंद्र सिंह की अध्यक्षता में वाणिज्यिक मेगा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें उपभोक्ताओं के बिजली संम्बंधित 16 मामलों को निस्तारण करने की कार्यवाही की गई।

# किसानों को केवल चुनावी वादा न समझे, बल्कि उन्हें सम्मान और सुरक्षा दे सरकार-भैयाजी

**-अपने ही खेतों में पराया सा महसूस कर रहा है किसान- अकबाल पटेल**

**-उदोतपुरा में सामाजिक न्याय एवं किसान मंच की ग्राम किसान गोष्ठी**

**जालौन।** सामाजिक न्याय एवं किसान मंच के तत्वावधान में सोमवार को ग्राम उदोतपुरा में किसान गोष्ठी का आयोजन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश निरंजन भैयाजी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

किसान संगोष्ठी में मुख्य अतिथि सुरेश निरंजन भैयाजी ने कहा कि आज का किसान कठिन परिस्थितियों में खेती कर रहा है, लेकिन सरकार और प्रशासन की उदासीनता के कारण उसे उसका हक नहीं मिल पा रहा है। फसल बीमा योजना का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है। किसान सम्मान निधि की राशि भी हजारों पात्र किसानों को नहीं मिल पा रही है, जो कि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि सामाजिक न्याय एवं किसान मंच किसानों के अधिकारों की लड़ाई हर स्तर पर लड़ रहा है। यदि प्रशासन ने समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो अन्य उपाय अपनाने होंगे। सरकार को चाहिए कि वह किसानों को केवल चुनावी वादा न समझे, बल्कि उन्हें सम्मान और सुरक्षा दे। राष्ट्रीय महासचिव अकबाल पटेल ने कहा कि आज किसान अपने ही खेतों में पराया सा महसूस कर रहा है। सरकार की योजनाएं कागजों में सीमित हैं, जबकि जमीनी स्तर पर किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि फसल बीमा का लाभ सभी पात्र किसानों को मिले, यह हमारी प्राथमिकता है। किसान सम्मान निधि की किस्तें समय से न मिलना और अपात्र घोषित किए जाने की घटनाएं चिंता का विषय हैं। बुद्ध सिंह चौहान ने किसानों को फसल बीमा, किसान सम्मान निधि की राशि न मिलने और खेतों में बिजली-पानी की समस्या जैसे मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपा, जिसका निस्तारण कराने का उन्होंने आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केदार सचान कानपुर राष्ट्रीय प्रवक्ता व संचालन डा वीरेंद्र पटेल ने किया। इस मौके पर केदार सचान, डा. अरूण पालीवाल, महेश परिहार, राजकिशोर गुर्जर, ओम प्रकाश साहू, अशोक पटेल, गजेन्द्र सिंह, संजय सिंह प्रधान, रनधीर सिंह, प्रयाग सिंह, बलवान पाल, सूर्यभान सिंह, राजकिशोर निरंजन, दीपक चौहान, पिंटू महाराज, तेजपाल सिंह, बुद्ध सिंह चौहान, विश्राम चौहान, राजेंद्र सिंह निरंजन, संजय पाल, राधे चौहान, जयकरन सिंह आदि मौजूद रहे।

# पंचायत चुनाव 2026 के मद्देनजर मतदाता सूची वृहद पुनरीक्षण की तैयारी शुरू

उरई : बैठक लेते जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ।

**0 बीएलओ व पर्यवेक्षकों की तैनाती के निर्देश दिये जिलाधिकारी ने**

**उरई(जालौन)।** जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत मतदाता सूची वृहद पुनरीक्षण-2025 के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, कार्य क्षेत्र आवंटन, प्रशिक्षण और पुनरीक्षण कार्य की समयसीमा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्य के लिए लेखपाल, शिक्षक, शिक्षा मित्र, एवं अन्य राजकीय कर्मचारी बीएलओ के रूप में नियुक्त किए जा सकते हैं। आयोग के निर्देशानुसार पूर्व में कार्य कर चुके बीएलओ को यथासंभव पुनः नियुक्त किया जाए। प्रत्येक बीएलओ को अधिकतम 3,000 मतदाताओं तक का कार्य सौंपा जाएगा और एक मतदान केंद्र पर केवल एक बीएलओ की तैनाती होगी। बीएलओ कार्यों की निगरानी हेतु राजस्व निरीक्षक, सहायक विकास अधिकारी, कृषि निरीक्षक एवं वरिष्ठ अध्यापक जैसे कार्मिकों को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। एक न्याय पंचायत में अधिकतम 20 मतदान केंद्रों के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त होगा, इससे अधिक संख्या होने पर अतिरिक्त पर्यवेक्षक लगाए जाएंगे। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि बीएलओ एवं पर्यवेक्षक की नियुक्ति कार्यवाही ।.म.त.व. लॉगिन आईडी के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। उन्हें प्रशिक्षण देकर ई-ठस्व् मोबाइल ऐप के प्रयोग की जानकारी दी जाएगी। साथ ही बीएलओ किट व लेखन सामग्री तहसील स्तर पर तैयार कर उन्हें सौंपी जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि पंचायत क्षेत्रवार मतदाता सूची का प्रिंटआउट निकाला जा चुका है, जिसे शीघ्र ही तहसीलों को वितरित किया जाएगा। मदर रोल की ग्राम पंचायतवार डाउनलोडिंग प्रक्रिया 14 अगस्त 2025 से प्रारंभ होगी। इस कार्य योजना को 18 जुलाई से 18 अगस्त 2025 तक संचालित किया जाएगा। नामों के विलोपन, आंशिक पंचायत विलय, क्षेत्रीय परिवर्तन, व प्रशिक्षण एवं स्टेशनरी वितरण जैसे कार्य समानांतर रूप से संचालित होंगे।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल, जिला विकास अधिकारी निशांत पटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# जिला महिला चिकित्सालय में 13 नवजात कन्याओं का मनाया जन्मोत्सव

उरई : दंपतियों को बेबी किट,प्रशस्ति पत्र देती नर्स ।

उरई(जालौन)। शासन की मंशानुरूप तथा जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार महिला कल्याण विभाग द्वारा जिला महिला चिकित्सालय के प्रांगण में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत आज जन्मी 13 नवजात कन्याओं का जन्मोत्सव मनाया गया। कन्या जन्मोत्सव के दौरान माता-पिता को बेबी किट, प्रशस्ति पत्र व मिठाई तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का टोपी देकर सम्मानित किया। इन परिवारों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियां अब परिवार व समाज के लिए हर्ष का विषय है क्योंकि इनकी रचनाधर्मिता से जहां समाज सुसंस्कृत होता है वही बेटियां सशक्त होकर समाज में अपनी महती भूमिका का प्रतिपादन कर रही है। आज हर क्षेत्र में बेटियां आगे हैं तथा कुल परिवार व समाज का नाम रोशन कर रही है तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनी महती भूमिका अदा कर रही है। आज के कार्यक्रम में दंपतियों को सम्मानित किया गया बेबी किट, प्रशस्ति पत्र व टोपी देकर सम्मानित किया गया। चिकित्सा परिसर में उपस्थित समस्त जनों को मिठाइयां बांटी गई । नवजात कन्याओं की माताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक माहौल बना है अब बेटियां परिवार के लिए बोझ नहीं है बल्कि हमें गर्व है कि हम बेटियों की मां है जो कल मेरे नाम को रोशन करेंगी। आज के कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से केस वर्कर प्रवीणा यादव स्टाफ नर्स शारदा पाल, मल्टी परपज जितेंद्र कुमार द्वारा प्रतिभाग किया गया।

# बम बम के उदघोष से गूंजे शिवालय

उरई : शिवालयों जलाभिषेक करती श्रद्धालु जन ।

कोंच(जालौन)। श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई व्रह्म महूर्त से ही शिवालयों में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया और भगवान शिव का जलाभिषेक होते हुए बम बम उदघोष की गूंज सुनाई देने लगी जिसमें भक्तों द्वारा श्रद्धा एवं भावपूर्ण से ओत प्रोत होकर भगवान भोलेनाथ का श्रंगार किया गया और उनकी आरती के लिए भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा मानो ऐसा लग रहा था जैसे सम्पूर्ण सनातन शिवालयों में आकर भगवान शिव के दर्शनों को लालायत हैं जिसमें महिलाएं भी भक्ति भाव से ओत प्रोत बाबा भोलेनाथ के ऊपर वेल पत्र दूध दही गंगाजल धतूरा समी पत्ती आदि अर्पित कर उन्हें प्रसन्न करने में लगीं रहीं सबसे अधिक भीड़ भूतेश्वर महादेव, नीलकंठ महादेव पठेश्वर झलेश्वर मंदिर और नायक के मठ में देखी गयी वहीं पंडितों ने महाभिषेक और महामृत्युंजय मंत्रों का जाप किया।

श्रावण मास की शुरुआत शुक्रवार से हुई थी और मंदिरों की समितियों ने पहले से मंदिरों की साफ-सफाई और सजावट की गई थी वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिरों के आसपास बैरिकेडिंग कर दर्शन व्यवस्था को सुचारू बनाया गया।

सुरक्षा के मद्देनजर प्रमुख मंदिरों पर पुलिस बल तैनात किया गया। मंदिर परिसरों में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। कई श्रद्धालुओं ने घर पर ही व्रत रखकर पूजा-अर्चना की। महिलाओं और युवाओं में भी विशेष उत्साह दिखा। मंदिरों में दिनभर भजन-कीर्तन और विशेष पूजन का कार्यक्रम चलता रहा।

## लाभार्थी पात्रता हेतु करें आपत्ति साक्ष्य 26 जुलाई तक प्रस्तुत

ललितपुर। नगर पालिका परिषद ललितपुर के 198, नगर पंचायत महरौनी के 39, नगर पंचायत पाली के 60, एवं नगर पंचायत तालबेहट के 6 जनपद ललितपुर के कुल 303 आवेदकों की सूची सम्बधित नगर पालिका, नगर पंचायत के कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गयी है, जिनके नाम स्वीकृत डीपीआर में शामिल थे, किन्तु माइग्रेट, पक्का मकान, संपर्क नहीं हुआ, किश्त की धनराशि वापिस कर दी एवं अन्य कारणों से प्रथम दृष्टया अपात्र हैं। आवेदक चस्पा की गयी सूची में देख लें, यदि उनका नाम अपात्रता की सूची में अंकित है एवं आवेदक स्वयं को पात्र मानते हुये लाभ चाहता है तो आवेदक अपनी आपत्ति सम्बधित नगर पालिका, नगर पंचायत कार्यालय में भू-अभिलेख, आधार कार्ड, परिचय-पत्र, निवासरत आवास की फोटो एवं आवास निर्माण कराने के स्थान की फोटो के साथ संपर्क करें। लाभार्थी द्वारा अपनी पात्रता के संम्बध में आपत्ति, साक्ष्य 26 जुलाई तक प्रस्तुत न करने पर आवेदक को अपात्र मानते हुये अग्रिम कार्यवाही कर दी जायेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आवेदक की होगी।

## ट्रक की टक्कर से कंडक्टर की मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

जालौन। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बीते सप्ताह ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर पहिए से गिट्टी निकालते समय पीछे से आए अज्ञात ट्रक की टक्कर से कंडक्टर की मौत होने के मामले में मृतक के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कन्नौज जनपद के ग्राम कटरा निवासी सतेन्द्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका भतीजा शिवम (27) पुत्र योगेश सिंह निवासी ग्राम अहिऊआ, छिबरामऊ (कन्नौज) एक ट्रक में कंडक्टर था। एक सप्ताह पहले मंगलवार को वह छिबरामऊ से ईंट लेकर राठ की ओर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किमी संख्या 195 धनौरा के पास ट्रक को सड़क किनारे खड़ा कर शिवम पहियों की गिट्टी निकाल रहा था। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए एक अज्ञात ट्रक ने बिना हॉर्न दिए उनके ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में शिवम बुरी तरह घायल हो गया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

## खबर एक नज़र

### विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारम्भ

कोंच : पौधारोपण करती छात्रायें ।

**'कोंच'(जालौन)।** नगर के समीपस्थ शैक्षणिक संस्था विवेकानन्द द ग्लोबल स्कूल में दनांक 21 जुलाई 2025 से 26 जुलाई 2025 तक साप्ताहिक कार्यक्रम का शुभारंभ करसी0 बी0 एस0 ई0 नई दिल्ली की अनुशंसा के आधार पर ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का साप्ताहिक वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान के उद्देश्य से विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल में इस सप्ताह विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इस कार्यक्रम को ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ शीर्षक से मनाया जायेगा जिसमें विद्यालय के छात्रों शिक्षकों एवं अभिभावकों ने मिलकर बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण को हराभरा बनाना है बल्कि अपनी माँ के प्रति सम्मान और प्रेम को प्रकृति से जोड़कर एक सुंदर संदेश समाज को देना भी है विद्यालय के अध्यक्ष श्री प्रकाश निरंजन एवं प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार निरंजन ने भारत सरकार के इस कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों को वातावरण स्वच्छ रखने की दिशा में प्रशंसनीय कदम बताया प्रधानाचार्य मनीष कुमार एवं उप- प्रधानाचार्या श्री मति विमलेश चौधरी ने कार्यक्रम में कहा कि ÷माँ जीवन की पहली गुरु होती हैं और पेड़ हमें जीवन देते हैं यह अभियान दोनों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक सुंदर प्रयास है। इस अवसर पर दिन सोमवार को कक्षा 12 के छात्र- छात्राओं में तनवी पटेल एवं नित्या कुमारी ने गुलाब का पौधा कनिष्का राजावत एवं रागिनी गुर्जर ने मीठे आम का पौधा देवांश गुप्ता ने गेंदा फूल का पौधा एवं गोपाल जी सोनी ने गुलाब का पौधा अपने हाथों से लगाए उनके नामकरण किए और उन पर अपनी माँ के नाम की पट्टिकाएं भी लगाई स्कूल परिसर और आस-पास के क्षेत्र में कई पौधे लगाए जाने हैं।

### पुरातन छात्र शशिभूषण संज्ञा को उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने किया सम्मानित

तालबेहट। श्री मर्दन सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह के कार्यक्रम में विद्यालय के पुरातन मेधावी छात्र शशिभूषण संज्ञा जीतू को दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना द्वारा शॉल और श्रीफल भेंटकर माला पहनाकर सम्मानित किया। शशिभूषण संज्ञा जीतू के पिता विनोद कुमार संज्ञा श्री मर्दन सिंह इंटर कॉलेज के 1973 में प्रथम छात्र संघ अध्यक्ष रहे हैं व तत्कालीन समय में विनय कुमार सक्सेना छात्र संघ के महासचिव थे और विनोद कुमार संज्ञा से उनकी गहरी मित्रता रही है। इस अवसर पर शशिभूषण संज्ञा ने विनय कुमार सक्सेना को विद्यालय के संस्थापक प्रधानाचार्य स्वर्गीय रामकुमार त्रिपाठी की स्मृति में पूर्व में प्रकाशित हुई एक स्मारिका भी भेंट की।

# बहिन मायावती की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचायें बूथ पदाधिकारी- राजेश जाटव

उरई(जालौन)। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में सेक्टर, बूथ चलो अभियान के तहत ग्राम ककहरा प्रतापपुर के ग्रामों में बूथ गठन किया गया जिसमें राजेश जाटव जॉन प्रभारी, भगवती शरण पांचाल जिला सचिव, मनीष कुमार सेक्टर अध्यक्ष के साथ ग्रामों में जनसंपर्क कर बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा से जोड़कर बूथ का गठन किया गया।

इस दौरान राजेश जाटव पूर्व मंडल कोऑर्डिनेटर झांसी चित्रकूट मंडल ने बूथ कमेटी के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के द्वारा मतदान के समय सभी को मजबूती के साथ अपने-अपने बूथ की सुरक्षा करनी होगी इसके साथ ही पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क करना होगा क्योंकि दलित शोषित पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समाज का भला बहुजन समाज पार्टी में ही संभव है हमें अपने मान सम्मान को सुरक्षित रखने के लिए बहन मायावती के हाथों को मजबूत करना होगा । बूथ कमेटी के गठन के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष किशनलाल पाल एवं महेंद्र पाल सिंह भी भागीदारी रही जबकि बूथ गठन में प्रीतम सिंह, अमन चौधरी, विनय सिंह, जितेंद्र सिंह, मानवेंद्र, नीरज अग्रवाल, दीपक भारती, महेंद्र पाल सिंह आदि लोगों का सहयोग सराहनीय रहा ।

# विधायक ने सर्वोदय शिक्षण संस्थान में मेधावी छात्राओं को सम्मानित कर किया उत्साहवर्धन

उरई : मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते विधायक विनोद चतुर्वेदी ।

कालपी(जालौन)। सोमवार को एस.पी. बालिका इंटर कॉलेज कालपी में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव की मौजूदगी में विधायक विनोद चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट की मेधावी छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा पुरुस्कार पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

सर्वोदय शिक्षण संस्थान कालपी के परिसर में आयोजित पुरुस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि पूरे विश्व में प्रतिस्पर्धा का युग चल रहा है, इसमें महिलाओं की भागीदारी बहुत अधिक है। नारी शिक्षा की बदौलत वर्तमान समय में प्रदेश के 75 जिलों में 32 जनपदों में महिला कलेक्टर है। विधायक ने छात्राओं का शत प्रतिशत रिजल्ट तथा मेधावी छात्राओं के द्वारा 91 प्रतिशत अंक पाने वाली छात्राओं की जमकर सरहना की तथा समाज एवं अपने जिले का नाम भविष्य में रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक ने कालपी बाजार की सड़क निर्माण, यमुना नदी में रिटर्निंग बाल, सूर्य मंदिर की प्रस्तावित सड़क आदि विकास कार्यों का जिक्र करते हुए जनता की समस्याओं का निराकरण करने का भरोसा दिया। नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव ने कहा कि अगर एक नारी शिक्षित होती है, तो दो घरों में शिक्षा की लौ जलाती है। पहले जहा लड़की जन्म लेती है, दूसरा अपने ससुराल में पहुंचकर शिक्षित करती है। उन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर जो देते हुए कहा कि सभी लोग अपनी पुत्री को ज्यादा से ज्यादा पढ़कर उनके भविष्य को संभालने में अपना अहम योगदान दें। इस मौके पर हाई स्कूल की छात्राओं खुशी गुप्ता, रूपाली, नेहा पाल, पलक पाल, आरुषि, राधिका सिंह चौहान, कशिश, अक्षरा पुरवार, प्रियल, प्रिया देवी को सम्मानित किया। वही इंटर मीडिएट की छात्राओं दीक्षा साहू, साक्षी द्विवेदी, राधा यादव, नीतू, प्रार्थना गुप्ता, नेहा यादव, भूमि सिंह, नीलाक्षी, खुशबू विशनोई, कोयल यादव आदि छात्राओं को पुरुस्कार तथा स्मृति चिन्ह लेकर सम्मानित किया।

इस मौके पर पूर्व पालिकाध्यक्ष कमर अहमद, शिव बालक सिंह यादव, प्रधानाचार्या सीमा दीक्षित, शिक्षाविद शैल बिश्नोई, अनिल दीक्षित, मानस दीक्षि,त रियाजुल हक, आशु बाबा, राकेश यादव, डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के तहसील अध्यक्ष सलीम अंसारी, रोहिणी शर्मा आदि लोग प्रमुख रूप से सहभागिता करके छात्रों की हौसले अफजाई की। शिवबालक सिंह यादव ने आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेंद्र मिश्रा के द्वारा किया गया।

# उज्जवल भविष्य के लिए बड़े सपने देखें छात्र-महामहिम उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना

**महाराजा मर्दन सिंह इण्टर कॉलेज को डिग्री कॉलेज बनाने के लिए स्वयं सरकार से करेंगे बात- महामहिम**

**कॉलेज में पढ़ाई के साथ खेल के संसाधनों का भी करायेंगे विकास**

**सेवानिवृत्त शिक्षकों व मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित'**

**अटल निष्ठा व कठिन परिश्रम से कॉलेज का नाम रोशन करें छात्र-महामहिम**

**ललितपुर।** 'जनपद की भूमि से शिक्षित हुए महामहिम उप राज्यपाल दिल्ली सरकार विनय कुमार सक्सेना ने सपरिवार ललितपुर आकर भ्रमण किया, जिसके तहत उन्होंने तालबेहट स्थित महाराजा मर्दन सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित सम्मान व स्वागत कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सेवानिवृत्त हुए शिक्षकगणों, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों व नगर के अन्य गणमान्य नागरिकों को प्रशस्ति पत्र व शॉल ऊढ़ाकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने महामहिम उप राज्यपाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता सक्सेना को बुके भेंटकर स्वागत किया, इसके पश्चात महामहिम उपराज्यपाल ने परिवार सहित परिसर में वृक्षारोपण किया और विद्यालय के संस्थापक कीर्तिशेष पं. सुदामा प्रसाद गोस्वामी एवं संस्थापक प्रधानाचार्य स्वर्गीय पं. रामकुमार त्रिपाठी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर सुरेन्द्र सिंह आई.ए.एस, सचिव उप राज्यपाल, श्रीमती ईशा खोसला आईएएस, विशेष सचिव उप राज्यपाल, श्रीमती सोनिका सिंह आई.ए.एस, विशेष सचिव सह निजी उप राज्यपाल उपस्थित रहे व महामहिम ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्होंने 1975 में इसी महाराजा मर्दन इण्टर कॉलेज में शिक्षा गृहण की और यहां छात्र संघ की स्थापना की व बाद में वह इसके महासचिव चुने गए व इसके बाद 1981 में कानपुर विश्वविद्यालय से स्नातक होने के बाद, उन्होंने पायलट लाइसेंस प्राप्त किया और 23 मई 2022 को उन्हें महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का उप राज्यपाल नियुक्त किया गया व उन्होंने कहा कि आज यहां आकर सभी यादें ताजा हो गई हैं व आज जो खुशी का मौका मिला है उसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता, उन्होंने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि छात्र के जीवन में सबसे महत्वूपर्ण स्थान शिक्षा का होता है और छात्र की भविष्य की नीव रखी जाती है व उन्हें गर्व है कि वह इस कॉलेज के छात्र रहे हैं, राज्यमंत्री के अनुरोध पर महामहिम ने आश्वासन दिया कि वह इस इण्टर कॉलेज को डिग्री कॉलेज बनाने के लिए मुख्यमंत्री से स्वयं मिलेंगे और पूरा प्रयास करेंगे कि इस कॉलेज को डिग्री कॉलेज की मान्यता मिले व यहां पढ़ाई के साथ खेल के साधनों का विकास किया जाएगा और टॉयलेट ब्लॉक, बड़ी लाईब्रेरी भी बनायी जाएगी, उन्होंने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सपने हमेशा बड़े देखने चाहिए, तभी आप कुछ बड़ा कर सकते हैं व भविष्य में कुछ बनने के लिए आपको आज से ही अपना लक्ष्य निर्धारित करना होगा, आप सभी अपना लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा व ईमानदारी से उसे हासिल करने के लिए परिश्रम करें व इस कॉलेज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने जनपद के पर्यटन से सम्बंधित पोर्ट्रेट व पर्यटन कैलेण्डर एवं स्मृति चिन्ह भेट कर महामहिम उप राज्यपाल को सम्मानित किया। मंच का संचालन प्राचार्य नेहरु महाविद्यालय डॉ. ओम प्रकाश शास्त्री ने किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ, सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिलाध्यक्ष भाजपा हरीशचन्द्र रावत, अध्यक्ष नगर पंचायत तालबेहट पुनीत सिंह परिहार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी तालबेहट भूपेन्द्र सिंह, प्रबन्धक प्रबन्ध समिति मनोज कुमार भट्ट आदि उपस्थित रहे।

# प्रतिबंधित सामग्रियों पर रखे नजर–माया

- समीक्षा अधिकारी की होने जा रही परीक्षा को लेकर आयोजित हुई बैठक
- एएसपी बोले केन्द्रों में भारी फोर्स को किया जाएगा तैनात

**बाँदा।** अपर जिलाधिकारी न्यायिक माया शंकर की उपस्थित में कलेक्टेउट सभागार में समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी की 27 जुलाई को आयोजित होने वाली परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में एडीएम न्यायिक माया शंकर ने केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्टेउट एवं स्टेटिक मजिस्टेउट को निर्देश दिये कि इस परीक्षा को नकलविहीन, शान्तिपूर्ण व सुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न करायें। उन्होंने सेक्टर मजिस्टेउटों को निर्देश दिये कि अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों का परीक्षा से एक दिन पूर्व निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी, फर्नीचर, लाइट, पेयजल आदि अन्य व्यवस्थाओं को चेक कर लें। उन्होंने स्टेटिक मजिस्टेउट तीन दिन पूर्व परीक्षा सहायकों को प्रशिक्षित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों के अन्दर कोई भी परीक्षार्थी मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक डिवाइस आदि लेकर नही जायेंगे। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग की जायेगी। उन्होंने केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिये कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरा संचालित रखने के साथ एक कन्ट्रोल रूम भी बनाया जाए तथा ड्यूटी में लगे सभी परीक्षा निरीक्षक एवं अन्य स्टाफ का परिचय पत्र के साथ बिना मोबाइल फोन के ड्यूटी पर उपस्थित रहेगें। यह परीक्षा 27 जुलाई को प्रातः 09:30 बजे से 12:30 बजे तक जनपद के 16 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। उन्होंने आरएम रोडवेज को परीक्षार्थियों के आवागमन हेतु पर्याप्त संख्या में बसों की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने तथा रेलवे एवं बस स्टाप के प्रतिक्षालय को साफ सुथरा रखे जाने के निर्देश दिये। उन्होंने परीक्षार्थियों के रूकने हेतु होटल, लॉज में भी पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश सम्बन्धित होटल संचालकों को दिये। परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्रों में प्रातः 8 बजे से प्रवेश प्रारम्भ कर दिया जायेगा तथा उनकी बायोमैट्रिक जांच की जायेगी। उन्होंने केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिये कि परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सिटिंग प्लान सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से पूर्ण कर लें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने निर्देश दिये कि परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु महिला/पुरूष पुलिस बल की तैनाती की जायेगी। परीक्षा केन्द्र के अन्दर किसी को भी बिना परिचय पत्र के प्रवेश नही दिया जायेगा। परीक्षा केन्द्र के बाहर भी पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात रहेगा। बैठक में समस्त केन्द्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्टेउट, सेक्टर मजिस्टेउट सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बांदा : आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर बैठक लेते एडीएम ।

# बांदा में भ्रष्टाचार का घिनौना खेल- सजातीय साठगांठ कर 42 लाख की साजिश

**स्वतंत्र भारत संवाददाता**

**बांदा अतर्रा।** फोटो प्रमाण एवं सहित। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में भ्रष्टाचार की ऐसी गहरी जड़ें सामने आई हैं, जो न केवल प्रशासनिक तंत्र की साख को दागदार करती हैं बल्कि सजातीय नातेदारी की आड़ में सत्ताधारी व्यवस्था की सेटिंग संस्कृति को भी बेनकाब करती हैं। बांदा जो कभी बुंदेलों की वीरता और तलवारों की गूंज के लिए जाना जाता थाए आज सजातीय साठगांठ और भ्रष्टाचार की चमक से बदनाम हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति को ठेंगा दिखाते हुए बांदा में अफसर और कारोबारी मिलकर भ्रष्टाचार का नंगा नाच कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार यह हकीकत शिवकृष्ण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के अवैध निर्माण और 42 लाख रुपये की साजिश से शुरू होती है जिसमें अपर जिलाधिकारी ;एडीएमद्ध राजेश वर्मा और अस्पताल मालिक अरुणेश पटेल की सजातीय साठगांठ ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं।

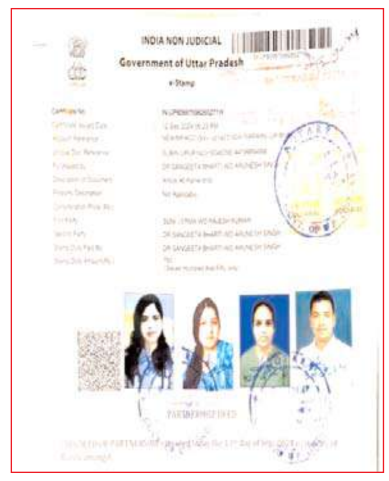


अवैध अस्पताल और सजातीय साझेदारी का खेल बांदा के मेडिकल कॉलेज रोड पर ग्रीन बेल्ट की जमीन पर बिना नक्शे के बने शिवकृष्ण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल को तत्कालीन डीएम अमित सिंह बंसल ने सीज करवाया था। लेकिन सजातीय दबाव और सेटिंग की ताकत ऐसी थी कि डीएम का तबादला हो गया और अस्पताल का निर्माण धड़ाधड़ पूरा हुआ। जांच में खुलासा हुआ कि इस अवैध अस्पताल की डायग्नोस्टिक यूनिट में एडीएम राजेश वर्मा की पत्नी सोनी वर्मा की 30ः हिस्सेदारी है जबकि अस्पताल मालिक अरुणेश पटेल की पत्नी डॉण् संगीता की 50ः और बाकी 20ः हिस्सेदारी दो अन्य व्यक्तियों के नाम पर दर्ज है। यह हिस्सेदारी कोई साधारण व्यापारिक सौदा नहीं बल्कि सजातीय रिश्तों की आड़ में रची गई 42 लाख रुपये की साजिश का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए बांदा में बुलडोजर चलाने का आदेश दिया था लेकिन यह बुलडोजर सजातीय सेटिंग का सिपाही बन गया। एडीएम राजेश वर्मा जिन्हें अवैध अस्पताल ढहाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी उसी अस्पताल में हिस्सेदार बन बैठे। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में राजेश वर्मा अरुणेश पटेल और उपजिलाधिकारी रजत वर्मा एक साथ जन्मदिन का केक काटते है मानो यह कोई पारिवारिक उत्सव हो। इन तस्वीरों ने सजातीय साठगांठ की पोल खोल दीए लेकिन प्रशासन की चुप्पी और जांच की सुस्ती ने जनता का भरोसा तोड़ दिया।

जदयू नेत्री शालिनी पटेल ने इस भ्रष्टाचार के खिलाफअनशन शुरू किया और एडीएम राजेश वर्मा पर सजातीय साठगांठ का आरोप लगाया। लेकिन उनका अनशन जल्द ही सजातीय मोह में दम तोड़ गया। मीडिया कर्मियों से बातचीत में उन्होंने कहाए ष्सजातीय हैए छोड़ो।ष् यह बयान न केवल निराशाजनक थाए बल्कि यह भी दर्शाता है कि जब नेता भी सजातीय समीकरणों से डरते हैंए तो भ्रष्टाचार के खिलाफलड़ाई कमजोर पड़ जाती है। शालिनी का यह रुख सवाल उठाता है कि क्या बांदा में लोकतंत्र की जगह जातितंत्र हावी हो चुका हैघ्

बांदा में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि कोई अफसर यहां पहले आना नहीं चाहता थाए लेकिन अब जो आ गयाए वह जाना नहीं चाहता। एडीएम राजेश वर्मा तीन साल से बांदा में जमे हैं। प्रमोशन के बाद नई पोस्टिंग मिलीए लेकिन सजातीय सखा अरुणेश पटेल की संगत में बांदा की मिट्टी इतनी रास आई कि वह वापस लौट आए। किसान नेता प्रमोद आजाद ने इसे सजातीय साठगांठ का खतरनाक खेल बताया। उन्होंने कहाए ष्बांदा में गांधी जी के तीन बंदरों का राज हैकृन देखोए न सुनोए न बोलो। अफसर और कारोबारी मिलकर जनता को लूट रहे हैंए।ष

जांच में एक और सनसनीखेज खुलासा हुआ कि ग्रीन बेल्ट की जमीनए जिसमें अवैध अस्पताल बना हैए उसे बांदा विकास प्राधिकरण ;बीडीएद्ध ने 42 लाख रुपये की लागत से कमर्शियल कर दिया। इस सौदे में सजातीय एडीएम नमामि गंगे मदन मोहन वर्माए जो हाल ही में बीडीए सचिव बनेए ने चेक पर हस्ताक्षर किए। बीडीए का चार्ज सिटी मजिस्ट्रेट संदीप केला से छीनकर मदन मोहन वर्मा को सौंपा गयाए जिसने कई सवाल खड़े किए हैं। यह साफ है कि सजातीय साठगांठ ने न केवल अवैध निर्माण को वैधता दीए बल्कि लाखों रुपये की सरकारी जमीन को निजी हाथों में सौंप दिया।

कमिश्नर अजीत कुमार ने मामले की जांच की बात कहीए लेकिन उनकी चतुराई भरी चुप्पी और सुस्त रवैया सवालों के घेरे में है। जिलाधिकारी जेण् रीभा को इस मामले की कोई जानकारी नहींए या वह जानबूझकर अनजान बनी हुई हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने डीएम से कार्रवाई की मांग कीए लेकिन उनका डर और सजातीय रिश्तों का हवाला देना इस घोटाले की गहराई को दर्शाता है। जांच की पुड़िया थमाकर प्रशासन मामले को ठंडे बस्ते में डालने की फिराक में है।

सजातीय साठगांठ का नासूर

बांदा में भ्रष्टाचार का यह घोटाला साधारण नहींए बल्कि सजातीय नातेदारी और व्यावसायिक साझेदारी का जहरीला मिश्रण है। नरैनी में शिवकृष्ण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की एक और यूनिट खुलीए जिसमें सोनी वर्मा की 30ः हिस्सेदारी दर्ज है। दस्तावेजों में शशांक पटेलए एक बीजेपी कार्यकर्ताए को 10ः हिस्सेदारी दी गईए ताकि साजिश को वैधता का जामा पहनाया जा सके। यह सजातीय गठजोड़ बांदा को भ्रष्टाचार का बेलगाम अड्डा बना रहा है।

सवाल और चुनौती

क्या सजातीय साठगांठ के इस खेल में शामिल अफसरों पर कार्रवाई होगीघ् क्या 42 लाख रुपये की सरकारी जमीन को कमर्शियल करने की साजिश की गहरी जांच होगीघ्क्या बांदा में भ्रष्टाचार का अधिकारियों एवं कुछ व्यापारियों के साथ चलता रहेगाए या सजातीय साझेदारी की पार्टी अनवरत चलेगीघ्

बांदा की जनता अब समझ चुकी है कि जब तक सजातीय सेटिंग की यह स्क्रिप्ट चलेगीए न तो भ्रष्टाचार रुकेगाए न ही कोई इस्तीफा आएगा। योगी सरकार के जीरो टॉलरेंस के दावे खोखले साबित हो रहे हैंए और बांदा भ्रष्टाचार का अखाड़ा बनकर रह गया है। अब सवाल यह है कि क्या सरकार इस सजातीय साठगांठ पर लगाम कसेगीए या बांदा की धरती पर भ्रष्टाचार का यह खेल यूं ही चलता रहेगाघ्प्रमोद आजादए किसान नेतारू ने मीडिया कर्मियों से कहाष्बांदा में सजातीय साठगांठ ने भ्रष्टाचार को नया आयाम दिया है। अफसर और कारोबारी मिलकर जनता को लूट रहे हैंए लेकिन सरकार चुप है।ष्वहीं

राजेश दीक्षितए कांग्रेस जिलाध्यक्षरू ष्ने कहा यह सजातीय रिश्तों का खेल है। डीएम को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।ष्वहीं चित्रकूट धाम मंण्डल के कमिश्नर अजीत कुमारए ने कहाष्जांच चल रही है। पार्टनरशिप डीड सामने आई हैए लेकिन पूरी रिपोर्ट का इंतजार करें।

## कब्जा परिवर्तन के कार्य में लाएं तेजी–रीभा

बाँदा। जिलाधिकारी जे0 रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेउट सभागार में चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने चकबन्दी अधिकारियों एवं सहायक चकबन्दी अधिकारियों को निर्देश दिये कि चकबन्दी वादों का शीघ्र निस्तारण करें।

डीएम जे0 रीभा ने निर्देशित किया कि पुराने चकबन्दी वादों का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए, अधिक दिनों तक वाद लम्बित नही रहने पायें। उन्होंने जिन 40 गाँवों में चकबन्दी का कार्य किया जा रहा है, उसमें धारा-9, पडताल का कार्य एवं कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश चकबन्दी अधिकारी एवं सहायक चकबन्दी अधिकारियों को दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि चकबन्दी लेखपालों एवं कर्मियों के द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करते हुए चकबन्दी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्रामवार चकबन्दी के कार्यों की समीक्षा करते हुए ग्राम माचा एवं परसौडा में प्राप्त आपत्तियों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने पिपरोदर बांगर एवं सजेरी में चक निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि बरियारी में पडताल का कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि चकबन्दी कार्यों में तेजी लाते हुए कार्यों को सम्पादित करें उन्होंने चकबन्दी अधिकारियों को निर्देश दिये कि चकबन्दी कार्य में गॉवों के भूमि विवाद, चकरोड एवं भूमि सम्बन्धी पैमाइश आदि के विवाद समाप्त करते हुए चकबन्दी कार्यों को पूर्ण करायें। उन्होंने पडताल एवं कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाये जाने के निर्देश चकबन्दी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिये। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक/उप संचालक चकबन्दी माया शंकर, अतिरिक्त मजिस्टेउट इरफानउल्ला खॉ एवं चकबन्दी अधिकारी एवं सहायक चकबन्दी अधिकारी उपस्थित रहे।

## दहेज दानव पति को पत्नी की हत्या में उम्र कैद की सजा

**चित्रकूट ब्यूरो:** दहेज हत्या के मामले में दोष सिद्ध होने पर न्यायालय ने हत्यारोपी पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 24,000 रुपये अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि बीती पांच मई 2021 को कर्वी कोतवाली में बांदा जिले के तिंदवारी थाने के तेहरी माफी गांव के निवासी इन्द्रपाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी बेटी सावित्री की शादी कर्वी के छिपनी बाहर खेड़ा निवासी राजेश कुमार के साथ हुई थी। राजेश बांदा जिले के बबेरू थाने के बनवट गांव का रहने वाला था। उसके मामा मतगंजन उसे गोद लिए थे। इसके चलते वह मामा के साथ ही रहता था। बेटी की शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज कम मिलने को लेकर उसका उत्पीड़न करते थे। इस बात की जानकारी सावित्री मायके आने पर देती थी। सावित्री घटना के समय तीन-चार माह की गर्भवती थी। इस हालत में ससुरालीजन उसके साथ निर्दयतापूर्वक व्यवहार करते थे। पांच मई 2021 की शाम लगभग 09:30 बजे बेटी ने फोन पर बताया कि ससुरालीजन उसे जान से मारने की धमकी दे रहे है और यह भी कह रहे है कि मरने के बाद राजेश की दूसरी शादी कर देंगे। बेटी के अनुसार ससुरालीजन दहेज में मोटरसाइकिल व 50,000 रुपये न दिए जाने के कारण उसका उत्पीड़न करते थे। फोन पर इसकी जानकारी मिलने के बाद उन्होंने सबेरे बेटी की ससुराल आने का आश्वासन दिया, किंतु सबेरे लगभग आठ बजे ससुरालीजनों द्वारा बताया गया कि उनकी बेटी सावित्री की मौत हो गई। गांव जाने पर मोहल्ले के लोगों ने बताया कि उनकी बेटी को ससुरालीजनों ने मारकर जला दिया है। इस पर उन लोगों ने ससुरालीजनों से कहा कि बेटी का अंतिम संस्कार करने से पहले उन लोगों को भी एक बार देखने का मौका दिया जाना चाहिए। इस पर ससुरालीजनों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंड़ों से उन पर हमला कर दिया। साथ ही उनके वाहन को भी तोड़ दिया। इसके चलते वह लोग जान बचाकर भाग आए। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद सोमवार को त्वरित न्यायालय की अपर जिला जज नीलू मैनवाल ने इस मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी पति राजेश कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही 24,000 रुपये के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया गया।

## तमंचे के साथ पकड़ा गया युवक

- सूचना पर कोतवाली देहात पुलिस ने किया गिरफ्तार
- नरैनी पुलिस ने पांच अभियुक्तों पर की निरोधात्मक कार्यवाही

**बांदा।** कोतवाली देहात पुलिस ने तमंचा लेकर गांव में घूम रहे एक युवक को पकड़ा है। जिसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ है। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया है। वहीं लड़ाई झगड़ा करने पर नरैनी पुलिस ने पांच अभियुक्तों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की है।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के संग्रहण, बिक्री व निर्माण करने वालों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार दुबे ने बताया कि 20 जुलाई की रात्रि थाना कोतवाली देहात पुलिस को गश्त एवं चेकिंग के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि भिम्मा का पुरवा के पास एक युवक घूम रहा है जिनके पास अवैध तमंचा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर घेराबन्दी कर आवश्यक बल का प्रयोग करते हुए युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। इस सम्बन्ध में थाना कोतवाली देहात पर अभियोग पंजीकृत किया गया।

बांदा : पुलिस हिरासत में पकड़ा गया अभियुक्त ।

गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना नाम विजय वर्मा पुत्र रामकिशोर वर्मा निवासी भिम्मा का पुरवा गुरेह थाना कोतवाली देहात बताया। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह, आरक्षी राघवेन्द्र सिंह, उदय सिंह शामिल रहे। इसी तरह नरैनी पुलिस द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 05 अभियुक्तों अखिलेश पुत्र रामसिंह, लखन पुत्र छोटा, अंगद पुत्र लखन निवासीगण ग्राम रिसौरा थाना नरैनी, भूपत पुत्र रामदयाल निवासी ग्राम नौहाई थाना नरैनी तथा राजाबाबू पुत्र जागेश्वर निवासी ग्राम रानीपुर भटखना थाना कालिंजर को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय में पेश किया गया। प्रभारी निरीक्षक राममोहन राय ने बताया कि लड़ाई झगड़े के चलते पांच अभियुक्तों के विरुद्ध शांति भंग की कार्यवाही की गई। जिन्हें बाद में निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया है।

## अभद्रता करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफअभाविप ने खोला मोर्चा

चित्रकूट ब्यूरोः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि मण्डल ने कोतवाली के एक उपनिरीक्षक द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता किए जाने के मामले को लेकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह से मुलाकात की। साथ ही दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन भी सौंपा।

परिषद के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि बीते रविवार की शाम अभाविप के कुछ कार्यकर्ता कर्वी के अटल पार्क में गए थे। जहां मौजूद कर्वी कोतवाली के एक उपनिरीक्षक और एक निरीक्षक परिषद कार्यकर्ता रमन पटेल का हाथ पकड़कर जबरन कोतवाली ले जाने लगे। अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा इस पर आपत्ति जताने पर पुलिस कर्मियों द्वारा उनके साथ अभद्रता की गई। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने उन्हें अपमानित करने के साथ संगठन के लिए भी अपशब्दों का प्रयोग किया। साथ ही गाली-गलौज करते हुए पीटने की धमकी दी। अभाविप कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

इस मौके पर प्रांत उपाध्यक्ष पवन त्रिपाठी, विभाग संगठन मंत्री शिवम पाण्डेय, जिला संगठन मंत्री संकल्प कुशवाहा, जिला संयोजक तेज प्रकाश चतुर्वेदी, प्रांत कार्य समिति सदस्य कमल रंजन शुक्ला, तहसील संयोजक नितेश त्रिपाठी, नगर मंत्री आनंद जायसवाल, शिवम, दुर्गेश, सुमित, दीपक त्रिपाठी, रमन सिंह पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## सड़क दुर्घटना में दो की मौत

बांदा। अलग अलग हुए सड़क हादसो में एक युवक समेत दो लोगो की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घरवालो मे कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिसंडा थाना क्षेत्र के बिलगांव निवासी 32 वर्षीय कमल सिंह पुत्र कल्लू सिंह रविवार को अपने मित्र से मिलने बिंसडा गांव गया था। रात को वह वापस बाइक से घर लौट रहा था। तभी उमरेहड़ा गांव के पास तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उठाकर पीएचसी विसंडा में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। डॉक्टरो ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घरवालो ने उसे यहां लाकर भर्ती कराया। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चाचा गंगादीन ने बताया कि कमल किसानी करता था। वह तीन भाईयो में छोटा था। उसके दो पुत्र है। इसी तरह अतर्रा थाना क्षेत्र के कुषमा गांव निवासी 60वर्षीय बृललाल पुत्र रामचरन अतर्रा रोड स्थित एक ट्रेडर्स की दुकान मे काम करता था। वह रविवार की रात किसी काम से पैदल अतर्रा जा रहा था। तभी पीछे से आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया। उसे सीएचसी अतर्रा में भर्ती कराया। हालत में सुधार न होने पर घरवालो ने उसे उठाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरो ने हालत नाजुक बताकर उसे कानपुर रेफर कर दिया। घरवाले उसे लेकर कानपुर जा रहे थे। तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मृतक के छोटे भाई संतोष ने बताया कि वह मजदूरी करता था। मृतक अपने पीछे पत्नी प्रेमा देवी के अलावा तीन पुत्र एक पुत्री छोड़ गया है।

## गठित अधिवक्ता संघ का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ

स्वतंत्र भारत संवाददाता नरैनी बांदा। तहसील स्थित अधिवक्ता संघ के नव निर्वाचित कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ।इस दौरान मुख्य अतिथि न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय द्वारा निर्वाचित सभी संघ के पदाधिकारियों को शपथ दिलाने का कार्य किया गया। मिली जानकारी के अनुसार वेलफेयर एसोसिएशन की नव गठित कमेटी के पदाधिकारियों को सभागार में सिविल जज ग्राम न्यायालय आलोक वर्मा द्वारा शपथ दिलाई गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी महासचिव राजकुमार द्विवेदी सहित चयनित सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में सिविल जज ग्राम न्यायालय आलोक वर्मा ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बार और बेंच का रिश्ता मधुर होना चाहिए । नवनिर्वाचित अध्यक्ष व कमेटी से पद का निष्ठा के साथ निर्वहन करने की बात कही।बताया कि क्षेत्रीय लोगों को न्याय पाने के लिए जिला न जाना पड़े इस लिए अब ग्राम न्यायालय अधिक से अधिक प्रसारित और प्रचारित किए जाने का कार्य सभी अधिवक्ताओं के द्वारा होना चाहिए और प्रयास की फरियादियों का आर्थिक शोषण न हो अधिवक्ता अपनी राय देकर वादकारियों और पीड़ित लोगों न्याय दिलाने का काम कर भरोसेमंद साबित हो।शपथ ग्रहण समारोह में अधिवक्ता कमलाकांत द्विवेदी ने संबोधित किया । समारोह में जिला अधिवक्ता संघ के संरक्षक महेश शरण तिवारीएएम ए हादी न्याजीएश्रीराम शर्माएइंद्र देव पटेलएचंद्र दत्त त्रिपाठी इल्डर्श कमेटी के चेयरमैन बद्री प्रसाद वर्माए वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमाकांत चतुर्वेदीए कनिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम पटेलए कोषाध्यक्ष बलराम राजपूतएसौरभ पाठकए रामेश्वर यादवएकपिल तिवारी राजकुमार त्रिपाठी तहसीलदार सतीश वर्माएविधायक प्रतिनिधि राकेश दीक्षितएपूर्व चेयरमैन काशी प्रसाद द्विवेदीए चेयरमैन प्रतिनिधि हरिश्चंद्र सोनकर सहित अधिवक्ता मौजूद रहे।

## हादसे में जान गंवाने वाले दो मजदूरों के परिवारों को मिली आर्थिक मदद

चित्रकूट ब्यूरोः सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कार्यरत श्रमिकों स्व सुरेश सिंह एवं स्व बनवारी लाल निवासी ग्राम चिल्लामाफी पोस्ट परसौंजा की नियोजन के दौरान बीती 17 मई को दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 के अन्तर्गत दोनो मृतक आश्रित परिवारो को पांच-पांच लाख रुपये की धनराशि बीती 18 मई को सेवायोजक द्वारा भुगतान की गई थी। इसके साथ ही मृतक परिवारों के आश्रितों द्वारा समस्त अभिलेखो को कार्यालय में उपलब्ध कराने पर सोमवार को मृतक सुरेश सिंह की पत्नी कविता को अवशेष क्षतिपूर्ति धनराशि 5,01,177 रुपये एवं मृतक बनवारी लाल की पत्नी माधुरी देवी को अवशेष क्षतिपूर्ति धनराशि 7,52,568 रुपये का भुगतान चेक के माध्यम से किया गया।

इस दौरान सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्होंने उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड से संचालित किसी योजना के अन्तर्गत हितलाभ प्राप्ति के लिए अपना आवेदन आनलाइन कराया है और स्वीकृति के बाद भुगतान न हुआ हो, ऐसे सभी आवेदक अपने आधार का सत्यापन किसी भी कार्य दिवस में एलआईसी तिराहा कर्वी के नजदीक स्थित श्रम कार्यालय आकर कराएं तांकि खाते में हितलाभ की धनराशि प्रेषित की जा सकें। बताया कि लें बिना आधार सत्यापन के किसी भी आवेदक की धनराशि खाते में प्रषित नही हो पाएगी।

## विद्युत सब स्टेशन में जल भराव ना हो इस संबंध में उच्च अधिकारियों को पत्र देकर समस्या समाधान किए जाने की मांग की अवर अभियंता ने

**स्वतंत्र भारत संवाददाता नरैनी**

**बांदा।** विद्युत सब स्टेशन में जल भराव की समस्या को लेकर अवर अभियंता ने अधीक्षण अभियंता विद्युत सहित उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।साथ ही समाधान दिवस में आयुक्त को पत्र देकर समस्या समाधान की आवश्यकता बताई।

लगातार बीते दिन हुई बरसात के कारण बिजली घर में जल मग्न हो गया था।कड़ी मशक्कत और नगर पंचायत कर्मियों के लगातार चौबीस घंटे की मेहनत से पानी खाली किया गया।तब जाकर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित की जा सकी। मिली जानकारी के अनुसार अवर अभियंता राम लाल पाल ने मुख्य अभियंता विद्युतएअधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण खंड बांदाएऔर उपखंड अधिकारी नरैनी सहित उपजिलाधिकारी एनगर पंचायत अध्यक्ष एवं ई ओए क्षेत्रीय विधायक ओम मणि वर्मा को पत्र देकर समस्या समाधान की आवश्यकता बताई।साथ ही बीते दिनों समाधान दिवस में आयुक्त को पत्र देकर बताया कि विद्युत केंद्र में अत्यधिक जलभराव से स्विच यार्डएऔर तार फेसिंग पूर्ण रूप से ध्वस्त हो गई है।जिससे जानमाल का खतरा बना हुआ है। बीते दिनों लगातार हुई बरसात से पूरा पावर हाउस जलमग्न हो चुका था। यहां तक कि कंट्रोल रूम सहित महत्वपूर्ण जगहों में पानी पहुंच गया था।जिससे बड़ी जनहानि हो सकती थी।अवर अभियंता ने समस्या निस्तारण किए जाने की मांग की।

**नक्सल प्रभावित बच्चों को बांटे वस्त्र एवं फल**

इटावा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जनपद के जिलामहामंत्री धर्मेंद्र जैन के पिता वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय रमेश चंद्र जैन वैध की पांचवीं पुण्यतिथि पर नागालैंड असम नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को गणेश माध्यमिक विद्यालय मानिकपुर पर अंगवस्त्र एवं फल वितरण किये। चंद्रकला जैन अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष संतोष कुमार वर्माए युवा जिलामहामंत्री रंजीत कुशवाहाए शांत कुमारए अजीत कुमारए संजीव कुमारए रामप्रकाश पांडेयए नीत कुमारए डाण् सीके जैन सहित लोग शामिल रहे।

# श्रावण मास के दूसरे सोमवार के दिन पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं मैं दिखा उत्साह

## हर हर महादेव बम बम भोले की जयकारों से गूंजे शिवालय

**महोबा ।** जिले के सभी शिव मंदिरों में श्रावण मास के दूसरे सोमवार के दिन शिव भक्त साफस्वच्छ स्नान ध्यान आदि करअपने कार्यो से निवृत होकर भगवान शिव के मंदिर में सुबह से पहुंच कर पूजा अर्चना की जहां मंदिरों में भारी भीड़ देखने को मिली विदित हो कि श्रावण मास के सोमवार के दिन शहर के शिव तांडव बलखंडेश्वर रामकुंड धाम व राम कथा मार्ग सहित सभी शिव मंदिरों में माताएं बेटियों छोटे बच्चों पुरुषों द्वारा भगवान शिव को प्रसन्न करने एवं उनसे फल पाने के लिए अपने घरों से भगवान शिव को अर्पण करने की पूजा सामग्री पीतल की थाली में सजाकर शिव के दिव्य दरबार में पहुंचकर प्रभु को सबसे पहले गंगाजल से स्नान कराकर उन्हें दूध दही शहद घी शक्कर का अभिषेक किया तथा प्रभु भोलेनाथ को भांग धतूरा शमी पत्र बेलपत्र रोड़ी चंदन चावल सहित अन्य सामग्री अर्पण कर उनके दरबार में माथा टेक कर परिवार के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया फिर तत्पश्चात जय शिव ओंकारा की आरती गाकर घड़ियाल घंटी की ध्वनि में वातावरण भक्ति में हो गया शिव भक्त मस्ती में झूम उठे पूजा समापन उपरांत भगवान भोलेनाथ को भोग अर्पण किया हर हर महादेव बम भोले ओम नमः शिवाय के जयकारों से शिवालय गूंज उठे वहीं शहर में कई श्रद्धालुओं के द्वारा महामृत्युंजय का जाप तथा अपने घरों में मिट्टी के शिव बनवाकर पूर्ण लाभ कमाया प्रभु की विधि विधान से पूजा अर्चना कर समापन के उपरांत उन्हें जल में विसर्जित किया और कई शिव भक्तों द्वारा घरों में कन्या भोजन एवं लोगों को प्रसाद ग्रहण भी करवाया वही शांति व्यवस्था कायम रहने के लिए शिव मंदिरों में पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

# भैंस की पडिया से कुकृत्य करने बाले उमृदराज पर लिखा गम्भीर धाराओं मे मुकदमा

**एटा।** जनपद के थाना निधौलीकलां क्षेत्र के गांव अहरमई मे एक उमृदराज ब्यक्ति पर भैस की पडिया के साथ कुकृत्य करने के कारण थाने पर मुकदमा लिखा गया है।शिकायतकर्ता बादी ने बताया कि एक जून की प्रातः बेला समय करीव तीन बजे उसकी पत्नी जाग गयी।उसने देखा कि उमृदराज ब्यक्ति भैंस की पडिया से कुकृत्य कर रहा है।यह जानकारी पत्नी ने शिकायत कर्ता पति को दी।शिकायत कर्ता ने पत्नी की बात सही मान ली। क्यूंकि उसने भी आँखों से वह दृश्य देख लिया।अगले दिन शिकायत कर्ता ने अपने घर के सी सी टीवी कैमरा खँगाले उसमें देखा कि उस ब्यक्ति द्वारा कई बार कुकृत्य किया।शिकायत कर्ता ने शिकायत थाना निधौलीकलांए एसएसपीएटा के साथ पशु चिकित्सा अधिकारी एटा को भी दी थी।शिकायत कर्ता की कडी मेहनत के 45 दिन बाद कहीं प्राथिमकी दर्ज हो सकी।जिसमे 1960 की पशु क्रूरता की धारा 3 एवं धारा 11 लागू हुई। शनद रहे जलेसर थाने मे बकरी तथा मलावन थाने मे पालतू कुतिया के साथ कुकृत्य करने पर दौनौं आरोपियों को लम्बे समय तक जेल जाना पडा था। इस तरह के कुकृत्य की चर्चा गाँव के आस.पास मे ही नही पूरे जनपद मे हो रही है।संम्बन्धित घटना की बीडीओ वायरल हो चुकी है।जिसमे बीडीओ पूरी घटना की जानकारी दे रहा है ।

# धीमी गति से कार्य करने वाली निर्माण एजेंसियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

**फर्रुखाबाद।** जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता मे 1 करोड़ से अधिक के कार्यो की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया जिले में चल रही 66 योजनाओं की समीक्षा की गई । जिलाधिकारी ने उ0प्र0 जल निगम ग्रामीण को ढिलावल व सिरौली पेयजल परियोजना के निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जताई यू0पी0सी0एल0डी0एफ0 द्वारा कराये जा रहे कार्यो को टाइम से पूरा न होने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए यू0पी0सिडको के कार्यो की गति धीमी होने पर नाराजगी जताई। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कार्यो की अत्यधिक धीमी गति पर अधिशासी अभियंता को नोटिस देने के निर्देश यू0पी0आर0एन0एस0एस0 के कार्यो की धीमी गति पर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुके कार्यो को नियमानुसार हैंडओवर की कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यो में मानक व गुडवत्ता का विशेष ख्याल रखा जाये व सभी कार्यो को ससमय पूर्ण किया जाये सभी अभियंता अपने प्रोजेक्ट का नियमित निरीक्षण करे व नवीनतम फोटोग्राफ उपलब्ध कराये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परियोजना निदेशक डीआरडीए कपिल कुमार उपनिदेशक पर्यटन दीप्ति बत्स व संवंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# एन डी पी एस के आरोपी पर दोष सिद्ध 22 जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

**फर्रुखाबाद।**अपर जिला जज एंव सत्र न्यायाधीश विशेष एन डी पी एस एक्ट न्यायाधीश अंकित कुमार मित्तल ने संजय पुत्र स्व ओमप्रकाश किसान निवासी ग्राम चारिया थाना अमृतपुर जिला फर्रुखाबाद को दोषी करार देते हुए न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया सजा के बिंदु पर 22 जुलाई की तिथि निहित है बीते पंद्रह वर्षो पूर्व थाना अमृतपुर के उपनिरीक्षक छत्रपाल शिवहरे व उपनिरीक्षक श्री कृष्ण प्रसाद कांस्टेबिल रामनिवास राकेश सिंह चालक शिशुपाल तलाश वांक्षित अपराधी में मामूर थे कस्बा से करनपुरदत्त जा रहे थे तो एक व्यक्ति दिया शक होने पर उसको रोका तो उसने अपना नाम संजय बताया तलाशी लेने पर उसके नशीले इंजेक्शन मिले पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया विवेचक ने साक्ष्य गवाह के आधार पर न्यायलय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया बचाव पक्ष की दलील व शासकीय अधिवक्ता दिनेश सिंह चौहान शील रत्न आनन्द की दलील के आधार पर न्यायाधीश अंकित कुमार मित्तल ने संजय को दोषी करार देते हुए न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया सजा के बिंदु पर 22 जुलाई की तिथि निहित है।

# विद्यालय की रीढ़ होते है छात्र संसद के पदाधिकारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रुखाबाद। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज श्याम नगर में छात्र संसद के पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करायी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह जिला शासकीय अधिवक्ता अभिषेक कुमार सक्सेना ने बच्चों के अंदर देशभक्ति की भावना को विकसित करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने छात्रों से कहा कि आप सब देश के बेहतर भविष्य हैं अच्छी पढ़ाई के बल पर आगे चलकर अच्छे व्यक्ति बनकर देश का नाम रोशन करेंगे और देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे

प्रधानाचार्य रामकृष्ण वाजपेई ने कहा कि छात्र संसद के पदाधिकारी विद्यालय की रीढ होते हैं विद्यालय में अनुशासन संस्कार के पक्ष को मजबूत करने का कार्य करते है

शिशु भारती प्रमुख सुशील कुमार शुक्ला के संचालन में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शिशु भारती वर्ग से अध्यक्षा बण् अदिति गोठवाल मंत्री अनन्या सिंह सेनापति आदित्य कुमार छात्र संसद से प्रधानमंत्री भैया शिवा वर्मा उप प्रधानमंत्री रुद्राश वर्मा संसदीय मंत्री प्रांशु अनुशासन मंत्री सक्षम तिवारी एवं कन्या भारती से प्रधानमंत्री ब वृंदा दीक्षित उपप्रधानमंत्री रिया यादव संसदीय मंत्री निहारिका दीक्षित अनुशासन मंत्री कृतिका कटियार आदि लगभग 109भैया बहिनों ने शपथग्रहण की ।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के सह व्यवस्थापक डा रामगोपाल सिंह ने भी विचार व्यक्त किए कार्यक्रम को सफल बनाने के विद्यालय के आचार्य जितेंद्र यादव छात्र संसद प्रमुख सर्वेश पाल मीडिया प्रभारी आलोक दीक्षित आदि ने सहयोग किया।

# समीक्षा अधिकारी परीक्षा शुरू होने से 3 घंटे पहले सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट केंद्र पर पहुंचेंगे

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा अधिकारीध्सहायक समीक्षा अधिकारी प्रा0 परीक्षा 2023 की तैयारियों की समीक्षा व परीक्षा में लगाये गये सेक्टर मजिस्ट्रेट स्टेटिक मजिस्ट्रेट केंद्र व्यवस्थापक केंद्र पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

बैठक में परीक्षा को सुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिये लगाये गये सेक्टर मजिस्ट्रेट स्टेटिक मजिस्ट्रेट केंद्र व्यवस्थापक केंद्र पर्यवेक्षक को लोक सेवा आयोग के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा शुरू होने से 3 घंटे पहले केंद्र पर पहुचेंगे परीक्षा केंद्र के अंदर कोई भी मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक गैजेट स्मार्टवॉच हैंडबैग नही जायेगा परीक्षा केंद्र के अंदर कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नही करेगा सभी लगाए गए अधिकारी व कर्मचारियों को आई0कार्ड जारी किया जायेगा सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर तक फोटोकॉपी की दुकान व साइबर कैफे बंद रहेंगे सभी सेक्टरध्स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापक निर्देश पुस्तिका का विधिवत अध्ययन कर ले परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर बेसिक मेडिकल किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

बैठक में एसपी आरती सिंह मुख्य चिकित्साधिकारी डा अवनींद्र कुमार अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार बंसल वरिष्ठ कोषाधिकारी अनुपम बाजपेई परियोजना निदेशक डीआरडीए कपिल कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक नरेंद्र पाल सिंह सभी उपजिलाधिकारी व संबंधित उपस्थित रहे।

## जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

बकेवरए इटावा। थाना क्षेत्र के ग्राम गोपियापुर में गोपियापुर में खेतो पर जाकर 35 बर्षीय युवक ने जहरीला पदार्थ खाने से इलाज के दौरान पीजीआई सैफई में मौत हो गई।

मृतक के चचेरे भाई शिवेंद्र सिंह ने बताया कि उनके 35बर्षीय भाई कुंवर सिंह पुत्र शिव राम रविवार को घर से खेत पर गया हुआ था और वही जाकर कोई जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उनकी हालत बिगड गयी और बेहोश होकर खेत पर ही अचेत अवस्था में पडे मिले आनन फानन निजी वाहन से इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहाँ डॉक्टर ने इलाज करने के बाद गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सक ने पीजीआई सैफई रेफर कर दिया जहाँ इलाज के दौरान कुंवर सिंह की मौत हो गई। मृतक मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण.पोषण करता था उसके एक 11 बर्ष का पुत्र है और पत्नी का नाम जूली है। कुंवर सिंह की मौत की सूचना जैसे ही परिजनो को हुई तो परिजन रोने बिलखने लगे। पीजीआई सैफई की सूचना पर उपनिरीक्षक शोभित कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे और मृतक मजदूर युवक का शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए इटावा भिजवा दिया।

# कांवड़िया की सड़क हादसे में मौत गांव में पसरा मातम

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रुखाबाद। सावन माह में रुद्राभिषेक के लिए गंगाजल लेने आए एक कांवड़िया की अज्ञात वाहन की टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।

जानकारी के अनुसार राकेश ;32द्ध पुत्र रामनाथ निवासी ग्राम चिलसरा थाना शमसाबाद अपने परिजनों के साथ पांचालघाट गंगा से जल भरने आया था। वह जल लेकर अपने गांव लौट रहा था जहां स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक करना था।जब राकेश थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के कर्बला के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल डॉक्टर राममनोहर लोहिया अस्पताल ले गए यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

परिजनों ने बताया कि राकेश हर साल कांवड़ जाते थे । असमय मौत से परिवार और गांव में गहरा शोक है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

# हिंदी साहित्य भारती तुलसी जयंती का आयोजन करेगी

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रुखाबाद। हिन्दी साहित्य भारती की बैठक में तुलसी जयंती को वृहद स्तर पर मनाये जाने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही नवीन कार्यकारिणी का अनुमोदन सर्व सम्मति से किया गया।

सेनापति स्थित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के सभागार में आयोजित बैठक में संस्था के उद्देश्यों को दोहराया गया और सनातन परंपरा के संरक्षण का संकल्प लिया गया।बैठक में तय किया गया कि नगर के 10 इंटर कॉलेजों में तुलसी दास जी के ऊपर 50 प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होगी जिसके विजेताओं को 31 जुलाई को होने वाले वृहद कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

इसके साथ ही विचार गोष्ठी भी होगी।वृहद कार्यक्रम भी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में कराये का फैसला लिया गया।

बैठक प्रदेश के पदाधिकारी डाण्प्रभात अवस्थी नवमनोनीत अध्यक्ष चंदप्रकाश मिश्रा महामंत्री आलोक बिहारी शुक्ला भारती मिश्रा रघुनंदन दीक्षित प्रखर ज्योति स्वरूप अग्निहोत्री विद्यालय की प्रधानाचार्या समेत संस्था के पदाधिकारी मौजूद रहे।

## खबर एक नज़र

### उर्मिल बांध से महोबा को जल्द मिलेगा पानीरू भाजपा नेता नरेंद्र मिश्रा ने किया नहर का निरीक्षण

**महोबा।** भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य और युवा नेता नरेंद्र मिश्रा ने रविवार को उर्मिल बांध से सिलारपुरा बांध होते हुए महोबा तक जाने वाली नहर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नहर की स्थिति का गहन अध्ययन किया और पाया कि नहर कई स्थानों पर टूटी हुई है और उसमें कोई सफाई कार्य भी नहीं किया गया हैए जिसके चलते महोबा को उर्मिल बांध का पानी नहीं मिल पा रहा हैए जबकि मध्य प्रदेश को लगातार आपूर्ति हो रही है।निरीक्षण के दौरान उनके साथ खुमान पाल ;कैमाहा निवासीद्ध सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। खुमान पाल ने बताया कि नहर झिरनारी और बधिया सहित तीन स्थानों पर क्षतिग्रस्त है। नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि नहर की हालत बदतर है और यह संबंधित विभागीय अधिकारियों की घोर लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने मौके से ही जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी फटकार भी लगाई।नरेंद्र मिश्रा ने कहा कि पूर्व एक्सईएन का तबादला हो चुका है और उनके कार्यकाल में हुई लापरवाहियों की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं नए अधिकारी से उम्मीद जताई कि वे नहर की मरम्मत और जल आपूर्ति में तेजी लाएंगे।उन्होंने कहा कि बारिश के अभी तीन महीने बाकी हैंए और प्रयास किया जाएगा कि जल्द से जल्द उर्मिल से सिलारपुरा के रास्ते महोबा को पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए मामले को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह तक पहुंचाया जाएगा और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग की जाएगी।मिश्रा ने कहा कि महोबा के गांवए किसानए मजदूर और खेतों को पानी उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए ष्भागीरथ प्रयासष् जारी रहेंगे।

### इतिहास पुराण व मिथक को गड़बड़ किया जा रहा है

भरथनाए इटावा। जनवादी लेखक संघ एक ऐसा संगठन हैए जो हमारे देश की साहित्यिकए सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को न सिर्फबचाने वरन उन्हें मजबूत करने वाले साहित्यकारों को एक बैनर के नीचे लाता है।

यह बात जनवादी लेखक संघ इटावा के चतुर्थ जिला सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए वरिष्ठ आलोचक और जलेस के प्रदेश सचिव प्रोफेसर नलिन रंजन सिंह ने कही। स्थानीय अबध गार्डन के हॉल में जिले भर से आये कवियों लेखकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा आज इतिहास पुराण और मिथक को गड्डमड्ड किया जा रहा हैए शासन की सह पर हमारी भाईचारे की संस्कृति पर हमले किये जा रहे हैं। न्यायापालिका और चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं शक के घेरे में आ रहीं हैं। धर्म को श्रद्धा के बजाय हमलावर का रूप दिया जा रहा है। इस माहौल में हम कवियों लेखकों की जिम्मेदारी पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रोण् सिंह ने इटावा के साहित्यिक.सांस्कृतिक मूल्यों का जिक्र करते हुए इन्हें लगातार मजबूत बनाने की अपील की। जलेस इटावा के सचिव अनिल दीक्षित ने पिछले सम्मेलन के बाद की रिपोर्ट रखते हुए इटावा में जनवादी लेखन की ऐतिहासिकता का जिक्र करते हुए कहा कि जिले की संस्कृति हीन सद्भाव और भाईचारा मजबूत करने की है। बहस के बाद नयी कमेटी का चुनाव हुआ जिसमें सर्वसम्मति से अरविन्द योगी अध्यक्षए हरि ओम विमल उपाध्यक्षए बलवीर सिंह पाल सचिवए डाक्टर मंजू मृदुल संयुक्त सचिव एवं अनिल दीक्षित को कोषाध्यक्ष चुना गया। बाद में एक कवि एक कविता नाम से काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विजय सिंह पालए अशोक यादवए हरि ओम विमलए शिव अवतार पालए श्रीराम राहीए अमित कुमार अमित ए मंजू मृदुलए अरविन्द योदीए प्रमोद तिवारी हंसए नवम विश्नोईए निर्झर यादव ने रचना पाठ किया। सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ट कवि विजय सिंह पाल ने तथा संचालन जनवादी कवि अनिल दीक्षित ने की।

### वैश्य नेता हरिओम बने जिलावरिष्ठ उपाध्यक्ष

इटावा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जनपद के जिलाध्यक्ष जागेश्वर अग्रवालए जिलामहामंत्री धर्मेंद्र जैन के नेतृत्व में शास्त्री चौराहा स्थित बीकानेर एक्सप्रेस पर व्यापार मंडल के कार्यक्रम में वरिष्ठ व्यापारी वैश्य नेता अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के जिलाध्यक्ष हरिओम गुप्ता अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बंसल गुट में शामिल हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के निर्देशन पर जिलाध्यक्ष जागेश्वर अग्रवाल ने हरी ओमगुप्ता को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया। कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ो व्यापारियों ने फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर संरक्षक बृजेन्द्र यादवए सुशीला राजावतए महामंत्री धर्मेन्द्र जैनए कोषाध्यक्ष सर्वेश चौहानए युवा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह कुशवाहए जिला प्रवक्ता इक़रार अहमदए नगर अध्यक्ष सुदर्शन जैनए जिला वरिष्ठउपाध्यक्ष डॉण् संतोष राठौरए जिलाउपाध्यक्ष विकास गुप्ता विक्कीए विकास शाक्यए युवा जिलामहामंत्री रंजीत सिंह कुशवाहाए संतोष वर्माए मोहम्मद मुस्तक़ीमए नगर महामंत्री उपदेश मिश्राए आलोक गुप्ता कल्लूए मोहम्मद उवैसए मोहम्मद वसीम राईनए जिलामंत्री यामीन चौधरी रिंकूए आकाश वर्मा ने मुबारकबाद दी।

### वार्ड में पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम

इटावा। पक्काबाग वार्ड में पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचकर सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने अपने विचार रखकर समाजवादी नीतियों के बारे में विस्तार से बताया। पूर्व प्रत्याशी सर्वेश शाक्यए जिलाउपाध्यक्ष चच्चू शुक्लाए नरेंद्र कुशवाहाए शहर अध्यक्ष अब्दुल अंसारीए पूर्व शहर अध्यक्ष नफ़ीसुल हसन अंसारीए जिला प्रवक्ता विक्की गुप्ताए जिला सचिव दीपी सिंहए चिकित्सा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष डॉण् आशीष दीक्षितए जिला सचिव डॉण् संतोष राठौरए प्रदीप सोनीए अवधेश सविताए रामप्रकाश वर्मा ने अपने विचार रखें। अध्यक्षता रमेश चंद्र यादव ने की। शहर अध्यक्ष अब्दुल अंसारीए सेक्टर प्रभारी बृजेन्द्र यादवए बूथ अध्यक्ष देवेश यादवए अंशुल यादव का सहयोग रहा। संचालन जिलाउपाध्यक्ष अनवर हुसैन ने किया। कार्यक्रम में मुस्तकिम राईनए अभिषेक यादवए दीपक दिवाकरए पुष्पेंद्र यादवए जैनुल आब्दीनए वंदना मिश्रा आनंद यादवए रिजवान कुरैशीए सत्यप्रकाश यादवए मलखान कुशवाहाए मानसिंह राहुल टेलरए दीवान कुशवाहाए ऋषि यादवए शंकर यादवए मुन्ना नागरए मोनू चौहानए आशीष यादवए नवीन राजपूतए सनी नागरए देवेश यादवए बृजेंद्र यादव मस्साबए अंशुल यादवए आदि शामिल हुए।

### फांसी पर लटका मिला शव की पहचान हुई

इकदिल। गांव मानिकपुर विशू यमुना नदी की तरफरविवार शाम साढ़े चार बजे जंगल में खड़े एक नीम के पेड़ पर दुपट्टा से युवक का शव लटका गांव वालों ने देख पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उतरवाया और आसपास के लोगों से उसकी शिनाख्त कराई नही होने पर शव को मोर्चरी के लिए भेज दिया। जिसके बाद सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए मृतक युवक के साडू राज कुमार ने फर्रुखाबाद के थाना राजेपुर गांव चाचूपुर जटपुरा के रहने वाले वृजेन्द्र के 35 वर्षीय बेटे घासीराम के रूप में की है । मृतक युवक शहर इटावा के थाना कोतवाली मोहल्ला ब्रह्मनगर में रहकर अपनी पत्नी सोनी और तीन बच्चों के साथ रहकर मजदूरी करता था। मृतक के रिश्तेदार ने दो दिन से पत्नी ने कहासुनी होने के बाद वह अनबन चल रहा था । शनिवार सुबह 9 बजे काम की कहकर घर से निकला था जिसके बाद देर शाम तक घर नही आने के बाद पत्नी को चिंता हुई उसने अपने जीजा राज कुमार को बताया जिसके बाद से रिश्तेदारी व अन्य जगहों पर उसे परिजन खोज रहे थे । तभी सोमवार को साडू अपने दोस्त के साथ युमना नदी के तरफउसे खोज रहा था। उसे ग्रामीणों ने बताया कि रविवार शाम को फांसी के फंदे पर एक युवक मिला था। जिसके बाद वह थाने पहुंच उसने फ़ोटो और कपड़ों से उसे पहचान लिया। वह मंजदूरी कर अपने परिवार को पाल रहा था उसके छोटे छोटे तीन बच्चे हैं। युवक के मौत के बाद बच्चों और पत्नी सोनी का रोरोकर हाल बेहाल हैं।

### जहर खाने वाले युवक ने दम तोड़ा

इकदिलए इटावा। एक दिन पहले जहरीले पदार्थ का सेवन करने वाले युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। गांव कथगवां में रहने वाले जय चन्द्र ;30द्ध पुत्र रमेश की शनिवार शाम को पत्नी से आपस में कहासुनी हो गई जिसके बाद उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालात बिगड़ते देख उसके परिजन उसे अस्पताल ले गए। वहां हालात गंभीर देख उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया । वहां इलाज के दौरान युवक ने रविवार शाम साढ़े आठ बजे दम तोड़ दिया। मृतक युवक घर का इकलौता बेटा था। मंजदूरी कर अपने परिवार को पाल रहा था। युवक के मौत के बाद बेटा मंगल आठ साल पत्नी रूबी का रोरोकर हाल बेहाल हैं।

# पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ सपा का हल्ला बोल पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

**मिर्जापुर।** पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ सपा के जनपद के कोने कोने से आये हजारो कार्यकर्ताओं ने

## प्रधान के उत्पीड़न को लेकर सपा ने किया पैदल मार्च, सेक्टर प्रभारी का उत्पीड़न करने वाले का हो कार्यवाही: देवी प्रसाद चौधरी

राजगढ़ थाना प्रभारी व उनके पुलिसकर्मियों के खिलाफ सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में सोमवार को पार्टी कार्यालय लोहिया ट्रस्ट से पैदल मार्च करते हुये कलेक्ट्रेट से कचहरी होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हल्ला बोला और जोरदार प्रदर्शन किया एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा को मांग पत्र सौपकर कार्यवाही की मांग की। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा राजगढ़ के प्रधान नन्दलाल यादव सपा के बघौड़ा के सेक्टर प्रभारी है। पुलिस थाने बुलाकर इन्हे अनायास ही बैठा कर मारने पीटने का काम किया। मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाय अन्यथा सपा कार्यकर्ता सड़क से लेकर संसद तक आन्दोलन करेंगे। कहा कि जनपद में आये दिन हत्या, लूट पाट एवं बलत्कार की घटनायें हो रही है। पुलिस निरंकुश हो गई है। सपा सरकार बनने पर जहां भी रहेंगे कार्यवाही कराई जायेगी।

इस अवसर पर मड़िहान विधानसभा के अध्यक्ष शैलेष पटेल ने कहा राजगढ़ की पुलिस केवल धन वसूली में लगी है। हल्ला बोल कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह पटेल, आशीष यादव, रविन्द्र बहादुर सिंह, कीर्ति कोल, सुरेन्दर पटेल, दामोदर प्रसाद मौर्य, राजेश भारती, आशा गौतम, वन्दना पटेल, आदर्श यादव, शैलेष पटेल, राणा प्रताप सिंह, झल्लू यादव, सन्तबीर मौर्या, रामजी मौर्य, निराला कोल, रामगोपाल बिन्द, संतोष गोयल, सत्यप्रकाश यादव, मेवालाल प्रजापति, सौरभ सिंह, अभय यादव, कौशिक कनौजिया, श्याम अचल यादव, प्रिन्स रॉव, गणेश केशरी, विकास केशरी, सूर्यकान्त सिंह, रंजीत फौजी, दिलीप यादव, हरिशंकर यादव, सुभाष पटेल, शहनवाज खान, जैनेन्द्र सिंह, राजकुमार यादव, डॉ0 शक्ति श्रीवास्तव, अशोक यादव, सुरेश पटेल, दिलीप गुप्ता, कन्हैया यादव, मंजीत यादव, जमुना यादव सहित हजारो लोग मौजूद रहें।

# भाजपा सभासदों व बाजार वासियों ने विद्युत उपखंड चुनार पर किया धरना प्रदर्शन

**चुनार (मिर्जापुर)।** स्थानीय बाजार में विद्युत सप्लाई,लोड,जर्जर तार आदि समस्या को लेकर सभासद गौतम जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को सभासदों व नगर वासियों ने विद्युत उपखंड कार्यालय चुनार का घेराव कर समस्या से अवगत कराते हुए एसडीओ चुनार जे के पटेल को बताया और वहीं पर धरना प्रदर्शन करने लगे। उच्च अधिकारी को बुलवाकर बात करने और अपनी समस्या बताने की बात को लेकर भाजपा के सभासद व नगरवासी अड़े रहे। चेतावनी दिया तो एसडीओ जेके पटेल ने तुरंत अपने उच्च अधिकारी एक्सीयन शुभम मिश्रा को अवगत कराया धरने पर 4.00 बजे एक्सीएन धरना स्थल पर पहुंचे और सभासद गौतम जायसवाल ने कहा कि असमय विद्युत कटौती से आम जनजीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। व्यापारी प्रतिष्ठान ठप है विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है। रोजमर्रा के कार्यों में परेशानियां हो रही है। किसानो की सिंचाई व्यवस्था चरमरा गई है। भीषण गर्मी को देखते हुए भी विभाग उदासीनता बनाए रखी है। ताकि निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए अनिश्चित और बिना सूचना के बिजली कटौती तत्काल बंद हो लो वोल्टेज की समस्या का समाधान किया जाए बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए विभागीय कर्मचारियों की मिली भगत पर सख्त कार्रवाई हो। वही सभासदों नगर वासियों की बात सुनी उनसे उनकी मांगों को लेकर समस्या को 2 दिन में हल कराने की बात कही व विद्युत लोड ट्रांसफार्मर को लोड से अधिकक्षमता का सितंबर माह तक समस्याओं का निराकरण करने को कहा।

बाकी तारों को दो दिनों में ठीक करने को एसडीओ को निर्देश दिया। ईश्वर अनुपस्थित भाजपा पूर्व जिला कोषाध्यक्ष बचाओ लाल सेठ, सभासद विकास कश्यप, मदनलाल करताल सिंह, मनीष राय, अभिलाष राय,मंत्री यादव नसीम खान सनी कुमार वसीम सौरभ गुप्ता अभिषेक कुमार कुशवाहा संतोष, किशन मोदनवाल सोनकर श्यामलाल सभासद, बच्चा सेठ, सहित सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहे।

## वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन, श्रद्धालु की मौत

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के पुराने यात्रा मार्ग पर सोमवार सुबह भारी भूस्खलन हुआ, जिसमें एक श्रद्धालु की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह भूस्खलन त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा शहर में हुई भारी बारिश के कारण हुआ है। यह घटना सुबह लगभग 8.50 बजे बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में हुई। यह यात्रा का प्रारंभिक बिंदु है। यहां ज्यादातर टट्टू सवार पुराने मार्ग पर इकट्ठा होते हैं। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और चार फंसे हुए तीर्थयात्रियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक बचाव अभियान जारी था।

## केरल के पूर्व मुख्यमंत्री अच्युतानंदन का निधन

**तिरुवनंतपुरम।** केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता वी. एस. अच्युतानंदन का निधन हो गया है। उनकी उम्र 101 वर्ष थी। माकपा के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने यह जानकारी दी। गोविंदन ने पत्रकारों को बताया कि अच्युतानंदन का निधन यहां एक निजी अस्पताल में हुआ, जहां वह करीब एक महीने पहले दिल का दौरा पड़ने के बाद से उपचार करा रहे थे। अच्युतानंदन माकपा के संस्थापक सदस्यों में से थे और जीवनभर मजदूरों के अधिकारों, भूमि सुधार और सामाजिक न्याय की वकालत करते रहे। उन्होंने 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दी और सात बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। वह तीन बार विपक्ष के नेता भी रहे।

## युवक ने खाया विषाक्त पदार्थ, रेफर

**राजगढ़ (मिर्जापुर)।** थाना क्षेत्र के भीटी गांव निवासी 35 वर्षीय सिकंदर देर शाम भोजन करनेके बाद अपने कमरे में थे। रात संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने जहरीला पदार्थखा लिया। कुछ देर बाद युवक की हालत बिगड़ने लगी। परिजन युवक की हालत नाजुक देख आनन-फानन में उसे राजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंभर्ती कराया। यहां डाक्टरों नेप्राथमिक उपचार के बाद युवक कोमंडलीय अस्पताल ट्रामा सेंटर भेज दिया है।युवक नेकिस कारणवश ऐसा कदम उठाया, कुछ पता नहीं चल पाया। इस संबंध मेंडॉ. संतलाल नेबताया कि एक युवक जहरीला पदार्थ खाए हुए अस्पताल मेंलाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देख रेफर किया गया है।

## दूसरे सोमवार को कोटार नाथ शिवधाम में भक्तों ने दर्शन पूजन कर मांगी मन्नतें

**हलिया (मिर्ज़ापुर)।** सावन माह के दूसरे सोमवार को प्रसिद्ध कोटारनाथ शिव धाम मंदिर में शिव पार्वती के दर्शन पूजन कर भक्तों ने मन्नतें मांगी। हर-हर बम बम से शिव धाम गूंजता रहा।

अदवा नदी के मध्य में स्थित भगवान शंकर तथा माता पार्वती के दर्शन पूजन के लिए गंगाजल, दूध, बेलपत्र, नारियल, माला फूल, के साथ राखी भेंट कर परिक्रमा कर भक्तों ने वांछित मन्नतें मांगी। यहां मान्यता है कि सच्चे भाव से जो भगवान शिव का पूजन अर्चन कर रूद्राभिषेक व माता पार्वती का गठबंधन करता है उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है। मौसम सुहावना होने से भक्तों का सुबह से ही रेला उमड़ा रहा। दिनभर दर्शन व पूजन का सिलसिला चलता रहा। सुरक्षा व्यवस्था में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह उपनिरीक्षक शिव जी यादव,चरण सिंह हेड कांस्टबल आदि रहें।

## महिला ने चार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया

**हलिया (मिर्ज़ापुर)।** स्थानीय थाना क्षेत्र के मनिगढ़ा गांव निवासी गीता देवी पत्नी दया शंकर दुबे ने रविवार कि देर शाम थाने में तहरीर देकर चार लोगो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले कि जांच पड़ताल करने में जुट गई। दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि विपक्षी शाहिद, सावीर, ताजु, कलीम अनावश्यक मेरी लड़की को गाली गुप्ता देने लगे पूछने पर विपक्षी कि पुत्री रेनू दुबे व बहन के लडके मनीष तिवारी को गाली गुप्ता देते हुए लाठी डंडे से मारने पीटने लगे जिससे चोटे आई व जान से मारने कि धमकी दिया है।

जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले कि जांच पड़ताल करते हुए घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेज दिया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले कि जांच पड़ताल किया जा रहा है।

## लगातार बढ़ रहा है गंगा का जलस्तर

**स्वतंत्र भारत गाज़ीपुर।** जनपद में जहाँ गंगा में आई बाढ़ से तटवर्ती इलाके प्रभावित है।गाजीपुर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।गाजीपुर में गंगा का पानी खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है।वर्तमान में जिले में गंगा का जल स्तर 63.070 मीटर रिकार्ड किया गया है।जबकि गाजीपुर में 63.105 मीटर पर खतरे का निशान है।ऐसे में गंगा की बाढ़ से तटवर्ती इलाकों के लोग चिंतित है।गंगा में आई बाढ़ से किसानों के सैकड़ों एकड़ खेत बाढ़ के पानी मे डूब चुके है।जबकि बाढ़ के चलते पशुपालकों के सामने मवेशियों के चारे का भी संकट खड़ा हो गया है। कई गांवों की सड़को पर बाढ़ का पानी बह रहा है।जिससे लोगो को आवागमन की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।तटवर्ती क्षेत्र के करीब आधा दर्जन गांव बाढ़ से प्रभावित है।क्षेत्र के किसानों की सब्जी की फसलें भी बाढ़ में बर्बाद हो गयी है।जबकि प्रशासन बाढ़ के मद्देनजर बचाव एवं राहत कार्य के लिए सभी जरूरी इंतजाम का दावा कर रहा है।

## जनपद न्यायालय के परिसर में बिल्डिंग से गिरा युवक

**स्वतंत्र भारत ग़ाज़ीपुर।** जनपद यायालय के परिसर में स्थित ऊंची बिल्डिंग से एक युवक रहस्?यमय परिस्थितियों में नीचे गिर गया जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया, उसे तत्काल इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इरफान अली पुत्र रमजान अली निवासी वजीरगंज गोण्डा जो किसी मुकदमे में पैरवी के लिए कोर्ट में आया हुआ था। ऊंची बिल्डिंग से रहस्?यमय परिस्थितियों में नीचे गिर गया।

## डीपी एक्ट में वांछित महिला समेत दो गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत मऊ।** जनपद मऊ में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस अधीक्षक श्री इलामारन जी के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में दो अलग-अलग मामलों में कुल पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक महिला और दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। थाना चिरैयाकोट पुलिस ने 21 जुलाई को ग्राम औसतपुर में चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर डीपी एक्ट में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है जिनका नाम परवेज अहमद पुत्र गुलामरसुल उर्फ पप्पू वजमीला, पत्नी गुलामरसुल उर्फ पप्पू निवासीगण- ग्राम औसतपुर, थाना चिरैयाकोट, जनपद मऊ इनके विरुद्ध मु.अ.सं. 38/25 धारा 85, 80(2) बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत था। गिरफ्तार कर दोनों को न्यायालय चालान कर दिया गया।

## तीन चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, एक शातिर चोर गिरफ्तार

**स्वतंत्र भारत मऊ।** थाना सरायलखन्सी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर रोशन प्रवेश रविदास को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को अभिरक्षा में लिया गया है। यह कार्रवाई भैसही नदी के पुल, ग्राम ताजपुर पतिला के पास की गई।रोशन प्रवेश रविदास, पुत्र रामप्रवेश, निवासी हैदरगंज, थाना मरदह, जनपद गाजीपुर दो बाल अपचारी नाम गोपनीय अभियुक्त ने खुलासा किया कि वे गाजीपुर और मऊ के विभिन्न स्थानों जैसे फातिमा अस्पताल परिसर से मोटरसाइकिल चोरी कर नंबर प्लेट और आरसी फर्जी तरीके से बदलकर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचते थे।

इस संबंध में मु.अ.सं. 337/25 धारा 303(2), 317(2)(4)(5), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही हैपद मऊ पुलिस की ये दोनों कार्रवाइयाँ अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और सजग पुलिसिंग का प्रमाण हैं। लगातार सतर्कता और तत्परता से पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाहियों से आमजन में भरोसा और सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है।

पुलिस अधीक्षक ने सफलता के लिए टीमों की प्रशंसा करते हुए अभियान को जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 10594/2024
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202403410010594
श्रीमती शकीला बनाम मो. आसिफ
अन्तर्गत धारा 10(1) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. श्रीमती शकीला पत्नी मरहूम मो. इब्राहिम निवासिनी म.नं. 101/10 कर्नलगंज कानपुर नगर ..वादी/भवन स्वामी
बनाम– मो. आसिफ पुत्र मो. नसीम अन्सारी उर्फ पप्पू निवासी म.नं. 101/10 कर्नलगंज कानपुर नगर... प्रतिवादी/किरायेदार
प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 10 उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन 16 सन् 2021

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 3474/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410003474
मुख्तार खॉ बनाम श्रीमती मुनव्वर जहॉ
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. मुख्तार खॉ बालिग पुत्र स्व. ताज मोहम्मद निवासी म.नं. 91/85 दलेलपुरवा कानपुर नगर ...प्रार्थी/मकान मालिक
बनाम– श्रीमती मुनव्वर जहॉ पत्नी स्व. मुस्तफा बेग उर्फ चॉद मियां निवासी म.नं. 91/146 हीरामन का पुरवा कानपुर नगर..विपक्षी/किरायेदार
प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 21 (एम) उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 29.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 3473/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410003473
मो. तौफीक बनाम हाफिज अहद
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. मोहम्मद तौफीक बालिग पुत्र स्व. हाजी मोहम्मद रफीक निवासी मनं. 99/100 नाला रोड कानपुर नगर ...प्रार्थी/मकान मालिक
बनाम– हाफिज अहद बालिग पुत्र अब्दुल वहीद निवासी म.नं. 99/100 नाला रोड कानपुर नगर व म.नं. 98/191 कल्लूमल का बगीचा कानपुर नगर...विपक्षी
प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 4(3) (बी) व धारा 21(2) (ए) (बी) (ई) (एच) उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 29.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 9737/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410009737
श्रीमती कमलेश कुमारी बनाम राजकुमार गुप्ता
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. श्रीमती कमलेश कुमारी आयु लगभग 57 वर्ष पत्नी श्री अनिल कुमार साहू निवासी म.नं. 104/71 सीसामऊ बड़ा चौराहा कानपुर नगर ...आवेदिका/भूस्वामिनी
बनाम– राजकुमार गुप्ता पुत्र स्व. सुन्दरलाल निवासी म.नं. 88/604ए प्रेमनगर कानपुर नगर ...विपक्षी/किराएदार
वाद अन्तर्गत धारा 21(2)(ख)(ज)(ड) उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021 अन्तर्गत थाना चमनगंज कानपुर नगर

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 17.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान अपर सिविल जज (कनिष्ठ वर्ग) कोर्ट नं. 1 कानपुर नगर
वाद सं. 702 सन् 2020

बाबूलाल पुत्र स्व. मोहन लाल निवासी ग्राम उदईपुर तहसील नर्वल जिला कानपुर नगर..वादी
बनाम– 3. श्रीमती गयाश्री पत्नी स्व. रामकिशन निवासिनी ग्राम खुचकीपुर तहसील नर्वल जिला कानपुर 4. जीतेन्द्र उर्फ पुत्तन पुत्र स्व. रामकिशन निवासी ग्राम खुचकीपुर तहसील नर्वल जिला कानपुर..प्रतिवादीगण

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 18.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से,न्यायालय श्रीमान अपर सिविल जज (कनिष्ठ वर्ग) कोर्ट नं. 1 कानपुर नगर

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 9140/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410009140
श्रीमती अर्शी इफ्तेखार बनाम श्री दुर्गेश कुमार पाल
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. श्रीमती अर्शी इफ्तेखार पत्नी इफ्तिखार हुसैन खान निवासिनी 88/582 प्रेमनगर चमनगंज कानपुर नगर ...आवेदिका/भूस्वामिनी
बनाम– श्री दुर्गेश कुमार पाल पुत्र स्व. हौसला प्रसाद पाल निवासी म.नं. 86/430 देव नगर रायपुरवा कानपुर नगर व मकान नं. 105/682ए डिप्टी का पड़ाव चंद्रिका देवी चौराहा कानपुर नगर...विरोधी पक्षकार/किरायेदार थाना रायपुरवा

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 10461/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410010461
अभिषेक अग्निहोत्री बनाम श्रीमती फूलमती आदि
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. अभिषेक अग्निहोत्री पुत्र राकेश कुमार अग्निहोत्री निवासी 117/181 काकादेव गॉव पुरानी बस्ती कानपुर नगर.....आवेदक/भूस्वामी
बनाम– 1. श्रीमती फूलमती पत्नी स्व. कल्लू 2. श्रीमती विशूना देवी पत्नी स्व. प्रेम समस्त निवासीगण म.नं. 117/180ए काकादेव गॉव पुरानी बस्ती कानपुर नगर...विरोधी पक्षकार/किरायेदार थाना काकादेव

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 9138/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410009138
श्रीमती अर्शी इफ्तेखार बनाम श्रीमती आशा देवी जायसयवाल
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. श्रीमती अर्शी इफ्तेखार पत्नी इफ्तिखार हुसैन खान निवासिनी 88/582 प्रेमनगर चमनगंज कानपुर नगर ...आवेदिका/भूस्वामिनी
बनाम– श्रीमती आशा देवी जायसवाल पत्नी स्व. लक्ष्मी नारायन जायसवाल निवासिनी म.नं. 86/182 देवनगर रायपुरवा कानपुर नगर व म.नं. 105/682ए डिप्टी का पड़ाव चंद्रिका देवी चौराहा कानपुर नगर...विरोधी पक्षकार/किरायेदार थाना रायपुरवा

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 3727/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410003727
श्रीमती शीबा शकील बनाम आरिफ अहमद
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. श्रीमती शीबा शकील पत्नी शकील अहमद नि.म.नं. 97/342 तलाक महल कानपुर..आवेदक/भूस्वामी
बनाम– आरिफ अहमद पुत्र मुनव्वर दुकान स्थित साकिन म.नं. 97/342 तलाक महल कानपुर एवं नि.म.नं. 88/409 हुमायूँ बाग, चमनगंज कानपुर नगर...विरोधी पक्षकार/किरायेदार के मामले में
दावा अन्तर्गत धारा 4एवं 21 (2) (क) (ख) उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 16 सन् 2021

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

### अदालती सूचना

न्यायालय अपर जिलाधिकारी सप्लाई मण्डल कानपुर जनपद तहसील
वाद सं. 6487/2025
कम्प्यूटरीकृत वाद सं. डी202503410006487
श्रीमती प्रेमा देवी बनाम सुनील कुमार आदि
अन्तर्गत धारा 21(2) अधिनियम उ.प्र. नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021

1. श्रीमती प्रेमा देवी वयस्क पत्नी श्री प्रेम नारायण निवासी मनं. 85/345 लक्ष्मीपुरवा कानपुर नगर ...आवेदिका/भवन स्वामी
बनाम– 1. सुनील कुमार वयस्क पुत्र स्व. अयोध्या प्रसाद निवासी/पता–85/343 लक्ष्मीपुरवा कानपुर नगर एवम् म.नं. 85/345ए लक्ष्मीपुरवा कानपुर नगर 2. प्रशान्त कुमार वयस्क पुत्र स्व. अयोध्या प्रसाद निवासी/पता–85/343 लक्ष्मीपुरवा कानपुर नगर एवम् म.नं. 85/345ए लक्ष्मीपुरवा कानपुर नगर ...विपक्षीगण/किरायेदार

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर कि है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति अगर कोई हो तो प्रेषित करें आपकी अनुपस्थिति में आपके विरूद्ध एक पक्षीय आदेश पारित होगा। यह आज दिनांक 10.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय

सी.आर.-837/K-CN

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।
सम्पादक : के.के. श्रीवास्तव
फोन : 0512-2332212
0512-2330533
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

# पुतिन की आर्मी ने कीव पर 6 घंटे की बमबारी

**कीव।** रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर हालिया महीनों का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब सोमवार से नाटो के सदस्य देशों की अहम वर्चुअल बैठक होने

### गिराए 426 ड्रोन और 24 मिसाइलें

वाली है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई हथियार डील और नाटो सहयोगियों द्वारा यूक्रेन को सैन्य समर्थन देने पर चर्चा होगी। रूसी हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हुए हैं। हमला करीब 6 घंटे तक चलता रहा। इस दौरान रूस की ओर से 426 ड्रोन और 24 मिसाइलें दागीं गईं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि देश को तत्काल उन्नत वायु रक्षा प्रणाली की जरूरत है। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने कीव पर कुल 426 ड्रोन के साथ 24 मिसाइलें दागीं। इनमें से 200 ड्रोन इंटरसेप्ट कर लिए गए और 203 को जाम किया गया या रडार से गायब कर दिया गया। हमला रात 12 बजे शुरू हुआ और सुबह 6 बजे तक चला। कीव के कई इलाकों में धमाके, ड्रोन की आवाज और मशीनगन की गोलीबारी की आवाज़ें गूंजती रहीं। एक इलाके में किंडरगार्टन, सुपरमार्केट और गोदामों में आग लग गई। यह हमला ऐसे समय हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग बीते सोमवार से कीव में हैं। उनके दौरे के दौरान रूस ने कीव पर हमले रोक दिए थे। ब्रिटेन ने कहा है कि जॉन हीली 50 दिनों की विशेष सैन्य मुहिम शुरू करने की अपील करेंगे, जिससे रूस को वार्ता की मेज पर लाया जा सके। ट्रंप ने बीते सप्ताह रूस को सीज़फायर के लिए 50 दिनों की डेडलाइन दी थी, वरना कड़े प्रतिबंध झेलने होंगे।

### पुतिन ने फिर जताई शांति वार्ता की इच्छा

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के लिए तत्परता जताई है, लेकिन इसके लिए एक कड़ी शर्त भी रखी है। पुतिन ने कहा है कि बातचीत तभी संभव है जब यूक्रेन अपने चार क्षेत्रों दोनबास, खेरसॉन, जापोरिझिया और लुहांस्क से अपनी सेना हटाए और इन्हें रूस का हिस्सा माने। यह बयान ऐसे समय आया है जब युद्ध को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेनी समझौते को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण निष्कर्ष पर पहुँचाने की अपनी इच्छा व्यक्त की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि यह एक लंबी प्रक्रिया है, इसके लिए प्रयास की आवश्यकता है, और यह आसान नहीं है। पेस्कोव ने कहा कि दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कभी-कभार की जाने वाली कठोर बयानबाजी की आदी हो चुकी है, लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ट्रम्प ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वह रूस के साथ शांति समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# ईरान में नया परमाणु संयंत्र बना तो फिर बमबारी : ट्रंप

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान कोई भी नया परमाणु संयंत्र बनाने का प्रयास न करे नहीं तो अमेरिका उस पर

### परमाणु स्थल नष्ट न होने की रिपोर्ट खारिज की

फिर बमबारी कर तबाह कर देगा। ट्रंप ने एक बार फिर अपनी बात दोहराते हुए कहा कि अमेरिका के सैन्य हमलों ने ईरान में तीन परमाणु स्थलों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान के सभी तीन परमाणु स्थल पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। इन्हें दोबारा शुरू करने में कई वर्ष लगेंगे। यदि ईरान ऐसा करना चाहता है, तो अमेरिका उन्हें फिर नष्ट कर देगा। बता दें कि बीते बृहस्पतिवार को

मीडिया रिपोर्ट्स में यह नई खुफिया जानकारी दी गई थी, जिसमें बताया गया कि 21 जून को ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के दौरान फोर्डो में ईरान का परमाणु संवर्धन स्थल अधिकांशतः नष्ट हो गया था, लेकिन दो अन्य प्रमुख स्थल, नतांज और इस्फहान नष्ट नहीं हुए थे। यदि तेहरान इसे हरी झंडी दे दे तो वे यूरेनियम संवर्धन पुनः शुरू कर सकते हैं। व्हाइट हाउस ने इस रिपोर्ट का खंडन किया। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग करने के अपने देश के वैध अधिकार को दोहराया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ईरानियों को उनके कानूनी अधिकारों से वंचित करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। ईरान की सरकारी मीडिया इरना की रिपोर्ट के अनुसार, आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत में पेजेशकियन ने इस बात पर जोर दिया कि इस्लामी गणराज्य अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति प्रतिबद्ध है और उसे अपनी परमाणु गतिविधियों की पारदर्शिता पर भरोसा है। पेजेशकियन ने ईरान और आर्मेनिया के बीच संबंधों को ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण बताया तथा कहा कि इस्लामी गणराज्य सभी पड़ोसी देशों के साथ रचनात्मक बातचीत करने के लिए उत्सुक है।

### खामनेई के वरिष्ठ सलाहकार ने पुतिन से की मुलाकात

**मॉस्को।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के वरिष्ठ सलाहकार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। ईरान के सर्वोच्च नेता के वरिष्ठ सलाहकारअली लारिजानी की यह यात्रा उस समय हो रही है, जब लगभग एक महीने पहले पुतिन ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से भी मुलाकात की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा कि अली लारिजानी ने ईरानी नेतृत्व की ओर से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बातचीत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

# बीएलए के धमाके में पाकिस्तानी मेजर की गई जान

क्वेटा। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के क्वेटा में किए घातक बम विस्फोट में पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक,

### वाहन को निशाना बनाकर प्लांट की गई थी आईईडी

बीएलए ने शनिवार देर रात हुए इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने कहा कि यह हमला उसकी आंतरिक इकाई जिराब के इकट्ठी की गई सटीक खुफिया जानकारी पर किया गया था। शहर के जिन्ना रोड इलाके के पास एक वाहन को निशाना बनाकर एक चुंबकीय आईईडी धमाका किया गया। इससे पाकिस्तानी सेना की 12वीं कोर के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) सेल से जुड़े अधिकारी मेजर अनवर काकर की मौत हो गई। विस्फोट के बाद देखी गई सीसीटीवी फुटेज में दो मोटरसाइकिल सवारों को वाहन में एक चुंबकीय विस्फोटक उपकरण लगाते हुए देखा गया। इसमें कुछ ही देर बाद विस्फोट हो गया और अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, किसी अन्य के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई। मेजर काकर पूरे प्रांत में बलूच स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र गुटों के खिलाफ बड़े आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल रहे।

# अलास्का और ताजिकिस्तान में भी कांपी धरती

**अलास्का/दुशांबे।** अमेरिका के अलास्का में सोमवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। संबंधित एजेंसियों ने भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गई है। भूकंप का केंद्र 48 किलोमीटर गहराई में पाया गया। एनसीएस के मुताबिक, इतनी कम गहराई पर आए भूकंप के बाद दोबारा झटके (आफ्टरशॉक) आने की संभावना ज्यादा होती है। वहीं, दूसरी तरफ ताजिकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.6 मापी गई। खबर लिखे जाने तक किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं आई है।

## एक नज़र

### टेक्सास में भीषण बाढ़ से अब तक 135 की गई जान

**केरविले।** अमेरिका में चार जुलाई को टेक्सास हिल कंट्री में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद अब सिर्फ तीन लोग लापता हैं, जबकि शुरुआत में लापता लोगों की संख्या करीब 100 थी। खोजे गए लोगों के लिए अधिकारियों ने राहत बचाव दलों के प्रयासों को श्रेय दिया। केरविल शहर प्रबंधक डाल्टन राइस ने कहा, यह अद्भुत प्रगति उन अनगिनत घंटों की मेहनत का नतीजा है जो खोज,बचाव और जांच में लगी, ताकि परिवारों को इस मुश्किल से निकाला जा सके। टेक्सास में अचानक आई बाढ़ ने अब तक कम से कम 135 लोगों की जान ले ली।

### जापानी संसद में पीएम इशिबा को बहुमत नहीं

**टोक्यो।** जापान राजनीतिक अस्थिरता की आशंका से जूझ रहा है। 1955 के बाद पहली बार सत्तारूढ़ दल- एलडीपी ने संसद के दोनों सदनों में बहुमत खो दिया है। जापान के सरकारी टीवी चैनल- एनएचके पर प्रसारित एक समाचार के मुताबिक प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा का सत्तारूढ़ गठबंधन संसद के 248 सीटों वाले ऊपरी सदन में बहुमत हासिल करने में विफल रहा है। बहुमत हासिल करने के लिए इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को पहले से मौजूद 75 सीटों के अलावा 50 सीटें और जीतनी थीं, लेकिन गठबंधन को केवल 46 सीटें ही मिलीं। रविवार को जापान की संसद के उच्च सदन की 248 सीटों में से 125 सीटों के लिए मतदान हुए। नतीजे देर रात घोषित किए गए। इसमें प्रधानमंत्री इशिबा की पार्टी एलडीपी और उनकी सहयोगी कोमितो को बहुमत नहीं मिला। विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पमत में होने के कारण अब एलडीपी के भीतर ही इशिबा को हटाने की मांग तेज हो सकती है।

### बांग्लादेश में प्रशिक्षण विमान कॉलेज परिसर में गिरा, एक की मौत

**ढाका।** बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बांग्लादेश सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने बताया कि वायुसेना का प्रशिक्षण विमान एफ-7 बीजीआई ढाका के उत्तर क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया। अग्निशमन अधिकारी लीमा खान ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

### ट्रंप ने पोस्ट किया पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की गिरफ्तारी का एआई वीडियो

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर निशाना साधा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर ओबामा की गिरफ्तारी का एआई वीडियो पोस्ट किया है और इस पर लिखा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। ट्रंप ने वीडियो ऐसे समय में पोस्ट किया है जब उनका प्रशासन ओबामा पर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी करने का आरोप लगा रहा है। ट्रुथ सोशल पर ट्रंप की ओर से पोस्ट किए गए एआई वीडियो में दिखाया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा कहते हैं कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, खासकर राष्ट्रपति। इसके बाद कई पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और अमेरिकी राजनेता कहते दिख रहे हैं कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। इसके बाद ओबामा को ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस कार्यालय में बैठे दिखाया गया। जहां दो एफबीआई एजेंट आते हैं और ओबामा को हथकड़ी लगाने लगते हैं। वे ओबामा को घसीटते हुए ले जाते दिख रहे हैं। वीडियो में दिखाया गया है कि ओबामा की गिरफ्तारी के वक्त पास बैठे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हंसते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति ओबामा नारंगी रंग का जंप सूट पहने हुए जेल के अंदर जाते दिख रहे हैं। वे जेल में उदास बैठे हैं। ट्रंप ने इस वीडियो के काल्पनिक होने को लेकर कोई अस्वीकरण जारी नहीं किया है। जबकि कई लोगों ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन में शामिल अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख और पूर्व कांग्रेस सदस्य तुलसी गबार्ड ने ओबामा प्रशासन पर राष्ट्रपति चुनाव 2016 में धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

# जातीय विभाजन से जूझ रहा साइप्रस

**निकोसिया।** पश्चिम एशिया में बीते 21 महीने से अधिक समय से संघर्ष हो रहा है। इजरायल-हमास के अलावा कई देशों के बीच भी टकराव हो रहे हैं। अब तुर्किये के राष्ट्रपति ने एक अन्य देश साइप्रस में जातीय विभाजन के बीच संकट को खत्म करने के प्रयास से जुड़ा बयान दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जातीय विभाजन का दंश झेल रहे साइप्रस के संकट का समाधान करने के लिए वे दो-राज्य समझौते का पूरा समर्थन करेंगे। बता दें कि 51 साल पहले इस द्वीप राष्ट्र का विभाजन हुआ था। दरअसल, साइप्रस पर तुर्किये के सैन्य आक्रमण को 51 साल पूरे हो चुके हैं।

# पहलगाम हमले की रिपोर्टिंग पर न्यूयॉर्क टाइम्स को लताड़

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के प्रतिनिधि

### अमेरिकी विदेश मामलों की समिति ने दिखाया आईना

संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का स्वागत किया है। समिति ने कहा है कि जो कोई भी नागरिकों का कत्लेआम करता है, उन्हें ऐसे ही नहीं जाने दिया जाएगा और उनके साथ न्याय किया जाएगा। विदेश मामलों की समिति ने अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स को भी लताड़ लगाई और पहलगाम हमले की सही रिपोर्टिंग न करने की आलोचना की। विदेश मामलों की प्रतिनिधि सभा की समिति के अध्यक्ष ब्रायन मास्ट ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए

न्यूयॉर्क टाइम्स पर निशाना साधते हुए लिखा कि अरे न्यूयॉर्क टाइम्स, हमने आपके लिए इसे ठीक कर दिया है। यह साफ तौर पर एक आतंकवादी हमला था। चाहे भारत हो या इजरायल, जब आतंकवाद की बात आती है तो न्यूयॉर्क टाइम्स हकीकत से दूर हो जाता है। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद न्यूयॉर्क टाइम्स ने पहलगाम हमले पर प्रकाशित खबर के शीर्षक में लिखा कि कश्मीर में उग्रवादियों ने कम से कम 24 पर्यटकों को गोली मार दी। इस पोस्ट में सदन की समिति ने न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट की शीर्षक भी पोस्ट किया, लेकिन उग्रवादी शब्द की जगह आतंकवादी शब्द लिख दिया गया।

# बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग का वीडियो वायरल

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान पुलिस ने ऑनर किलिंग के एक मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस

### पुलिस ने 11 संदिग्धों को गिरफ्तार किया

ने यह कार्रवाई ऑनर किलिंग का वीडियो वायरल होने के बाद की है, जिसमें बलूचिस्तान में एक घर में दंपति की ऑनर किलिंग मामले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद घटना को लेकर लोगों में गुस्सा और नाराजगी देखी जा रही है। नागरिक संगठन, धार्मिक विद्वानों और राजनेताओं ने इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को बताया कि इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और ये लोग ऑनर किलिंग के मामले में संदिग्ध आरोपी हैं। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद ने बताया कि यह भी पता चल गया है कि घटना कब घटी और किसने घटना का वीडियो जारी किया।

# सुरक्षा परिषद में फिर कश्मीर राग अलापेगा पाकिस्तान

**संयुक्त राष्ट्र।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी अध्यक्षता कर रहा पाकिस्तान एक बार फिर कश्मीर राग अलापने की ताक में है। परिषद की जुलाई में होने वाली बैठक को लेकर पाकिस्तान ने कूटनीतिक

### भारत देगा मुंहतोड़ जवाब

कोशिशें तेज कर दी हैं। वहीं भारत भी कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगा। इसके लिए अधिकारियों ने तैयारी कर ली है। पाकिस्तान को अस्थायी तौर पर सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मिली है। इस बार पाकिस्तान को सुरक्षा परिषद की बैठक करानी है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने पर होने वाली बैठक में पाकिस्तान

कश्मीर मुद्दे को उठा सकता है। पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद ने हाल ही में कहा था कि अब समय है कि कश्मीर विवाद को दूर किया जाए। यह सिर्फ पाकिस्तान की जिम्मेदारी नहीं है। हम अस्थायी तौर पर यहां हैं। इसलिए परिषद के स्थायी सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्रस्ताव पर काम करने के लिए उचित कदम उठाएं। पाकिस्तान ने इस बीच इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) और संयुक्त राष्ट्र के बीच एक साझेदारी कराने की तैयारी भी की है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार इस समझौते की अध्यक्षता करेंगे। 1969 में गठित ओआईसी के सदस्यों में पश्चिम एशिया, अफ्रीका और एशिया के 57 देश शामिल हैं। इस समूह ने जम्मू-कश्मीर के मामले में भारत के रवैये पर बार-बार सवाल उठाए हैं।

# इजरायल ने हमास कमांडर को किया ढेर

**तेल अवीव।** इजरायली सेना ने रविवार को ताजा ऑपरेशन में गाजा में हमास के 75 ठिकानों को निशाना बनाया। इस ऑपरेशन में इजरायल ने

### ताजा ऑपरेशन में 75 टारगेट को बनाया निशाना

हमास के कमांडर बशर ताबेत को भी ढेर कर दिया है। बशर ताबेत, हमास के हथियार उत्पादन मुख्यालय में हथियारों के विकास कार्यक्रम का प्रमुख था। हथियारों को लेकर रिसर्च और विकास का काम बशर के ही जिम्मे था। इजरायली सेना ने बताया कि आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया गया है, साथ ही आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जा रही सुरंग को भी तबाह किया गया है। इजरायल ने हमास के सैन्य परिसरों और अन्य

सैन्य ढांचों को भी निशाना बनाया। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के हमलों में 115 फिलिस्तीनियों की जान गई है और इनमें 92 लोग वे हैं, जो राशन लेने के लिए जुटे थे। साथ ही दो लोग सिविल डिफेंस के भी मारे गए हैं और 200 से ज्यादा घायल हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में गाजा में 18 लोगों की भूख से मौत हो चुकी है। इजरायली सेना ने मध्य गाजा से भी लोगों को निकलने का निर्देश दिया है। सेना ने कहा है कि अब वह गाजा में हमले तेज करेंगे। उधर, इजरायली हमलों का विरोध भी शुरू हो गया है और ट्यूनिशिया, इराक, तुर्किये, मोरक्को, लेबनान और वेस्ट बैंक के रामल्लाह में लोगों ने सड़कों पर उतरकर इजरायल के गाजा पर कब्जे का विरोध किया। वहीं वेस्ट बैंक में रहने वाले फिलिस्तिनियों ने आरोप लगाया है कि वेस्ट बैंक में रहने वाले इजरायली नागरिक पानी की आपूर्ति के ढांचे पर हमले कर रहे हैं, जिससे पानी की कमी हो रही है और लोगों को अपने गांव छोड़ने पड़ रहे हैं।

# यमन का हाल भी तेहरान जैसा कर देंगे : इजरायल

**तेल अवीव।** इजरायल ने सीरिया, लेबनान, गाजा, तेहरान समेत कई देशों से लगातार मोर्चे खोल रखे हैं। ईरान के साथ तो पिछले दिनों 12 दिनों की जंग चली थी। इस दौरान उसने ईरान की राजधानी तेहरान पर जमकर बम और मिसाइल बरसाए थे। अब उसने यमन में भी ऐसा ही हाल करने की धमकी दी है। इजरायल ने यमन के उग्रवादी समूह हूती को टारगेट करते हुए हमले किए हैं। यही नहीं उसका कहना है कि यदि हूती समूह ने हथियार नहीं डाले तो फिर यमन का हाल भी तेहरान जैसा कर दिया जाएगा। इजरायल के डिफेंस मिनिस्टर इजरायल काट्ज ने यह बात कही है। यमन के शहर होदेदा

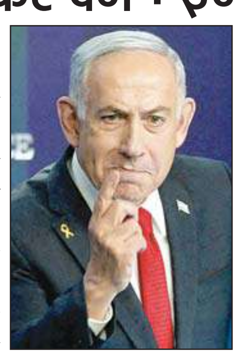

में इजरायल डिफेंस फोर्स ने ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इजरायल का कहना है कि हमारे ये हमले हूती के आतंकी ठिकानों पर हुए हैं। इजरायली सेना का कहना है कि हमने अपने ऐक्शन के दौरान फ्यूल टैंकों और जहाजों को निशाना बनाया है, जिनका इस्तेमाल बंदरगाह के पास हमलों के दौरान किया गया। पहले भी इजरायल की ओर से हुदेदा को टारगेट किया गया है। इजरायल ने मिसाइलों और ड्रोन्स के जरिए शहर पर हमले किए हैं। इजरायल का कहना है कि यहां पर हूतियों ने बड़े पैमाने पर ईरान से इंपोर्ट किए गए हथियारों को रखा है। इसके अलावा यहीं से उसकी गतिविधियां चलती हैं।

# तुम से तुम तकः दिलों में उतरी सच्ची मोहब्बत की कहानी

नया फिक्शन ड्रामा 'तुम से तुम तक' शो की सबसे बड़ी ताकत है इसकी ज़मीन से जुड़ी, सच्ची और असरदार कहानी। एक भीड़भाड़ भरे टेलीविजन सीन में 'तुम से तुम तक' ने अपने सादगी भरे अंदाज़ और नएपन से सबका ध्यान खींचा है। इस दिल छू लेने वाली कहानी के केंद्र में है अनु, जिसे निभा रही हैं निहारिका चौकसे - एक निडर, जिंदादिल 19 साल की लड़की जो मिडल क्लास ज़िंदगी की उलझनों से जूझ रही है। उनके अपोज़िट हैं शरद केलकर, आर्यवर्धन के रूप में - एक 46 वर्षीय बिज़नेस टाइकून, जिनके भीतर छुपे हैं गहरे और खामोश जज़्बात। कहानी कहने के बेहद सेंसिटिव अंदाज़, असरदार

अदाकारी और सिनेमा जैसी विज़ुअल स्टाइल के ज़रिए इन दोनों के बीच का नामुमकिन-सा रिश्ता पर्दे पर उतरा है, जिसमें शोर शराबे वाला ड्रामा नहीं, बल्कि खामोशी में गूंजते जज़्बात हैं। शो ने देशभर के दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है और इसका असर आंकड़ों में भी साफ झलकता है। 'तुम से तुम तक' ने अपने पहले ही हफ्ते में बीएआरसी इंडिया की रेटिंग्स में 1.55 टीवीआर के साथ 8वें स्थान पर एंट्री ली है, और यह भी उन चंद शोज़ में शामिल हो गया है जिन्हें दर्शकों ने लॉन्च के साथ ही अपना बना लिया है। इस शो को जो सबसे अलग बनाता है, वो है इसकी ईमानदार और दिल से कही गई कहानी। इसमें न तो ज़रूरत से ज़्यादा शोर है और न ही दिखावे का नाटक - यहां है सिर्फ असली जज़्बात, रोज़मर्रा की सच्ची कहानियां और एक ऐसा नैचुरल फ्लो, जिसने हर उम्र और तबके के दर्शकों से सीधा कनेक्ट बना लिया है। दमदार स्क्रिप्ट, शानदार परफॉर्मेंसेज़ और एक अनोखी लव स्टोरी को सादगी से कहने के अंदाज़ ने 'तुम से तुम तक' को सिर्फ एक और नया शो नहीं, बल्कि एक दिल से सुनाई गई मोहब्बत की कहानी बना दिया है - जो धीरे-धीरे हर दिल में बसती जा रही है। यहां बता दें कि 'तुम से तुम तक', हर रात साढ़े आठ बजे ज़ी टीवी पर प्रसारित है।


## बाजार दर्पण